PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, गुरुवार
16.01.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 11, अंक : 341
हिन्दी दैनिक
mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374
राष्ट्रीय मुख्यधारा
www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

आज का भारत दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है: प्रधानमंत्री

चीन को संदेश भारत विस्तारवादी नहीं, विकासवाद की भावना लेकर चलता

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मुंबई के नैसेना डाकयार्ड में दो युद्धपोतों और एक पनडुब्बी के जलावतरण के बाद कहा कि आज का भारत दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं बल्कि विकासवाद की भावना से काम करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का कार्यक्रम हमारी शानदार विरासत को हमारी भविष्य की आकांक्षाओं से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि भारत का लंबी समुद्री यात्राओं, वाणिज्य, नौसेना रक्षा और जहाज उद्योग से जुड़ा एक समृद्ध इतिहास रहा है। इस समृद्ध इतिहास से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने कहा कि आज का भारत दुनिया में एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि आज लॉन्च किए गए प्लेटफॉर्म उसी की एक झलक दिखाते हैं। प्रधानमंत्री ने चोल वंश के समुद्री कौशल को समर्पित आईएनएस नीलगिरि और सूरत युद्धपोत सहित नए प्लेटफार्मों के लॉन्च का उल्लेख करते हुए कहा

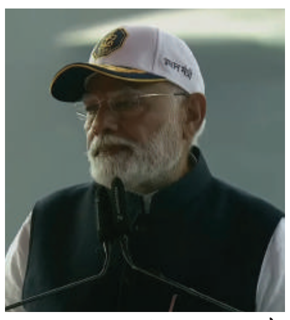

कि यह उस युग की याद दिलाता है, जब गुजरात के बंदरगाह भारत को पश्चिम एशिया से जोड़ते थे। उन्होंने कुछ साल पहले पहली पनडुब्बी कलवरी के कमीशन के बाद पी75 वर्ग की छठी वाग्शीर पनडुब्बी के कमीशन का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये नए फ्रंटियर प्लेटफॉर्म भारत की सुरक्षा और प्रगति दोनों को बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि आज भारत पूरे विश्व और खासकर ग्लोबल साउथ में एक भरोसेमंद और जिम्मेदार साथी के रूप में पहचाना जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा खुला, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र का समर्थन किया है। 21वीं सदी में भारत की सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने और आधुनिक बनाने के महत्व पर जोर देते हुए मोदी ने कहा, "चाहे वह जमीन हो, पानी हो, हवा हो, गहरा समुद्र हो या अनंत अंतरिक्ष हो, भारत हर जगह अपने हितों की रक्षा कर रहा है।" उन्होंने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की स्थापना सहित किए जा रहे निरंतर सुधारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत सशस्त्र बलों को और अधिक कुशल बनाने के लिए थिएटर कमांड के कार्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वैश्विक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और भू-राजनीतिक गतिशीलता को आकार देने में भारत जैसे समुद्री राष्ट्रों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय जल की सुरक्षा, नौवहन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और आर्थिक प्रगति और ऊर्जा सुरक्षा के लिए व्यापार आपूर्ति लाइनों और समुद्री मार्गों को सुरक्षित करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

भारत हिंद महासागर क्षेत्र में पहले प्रतिक्रियादाता के रूप में उभरा है

उन्होंने इस क्षेत्र को आतंकवाद, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी से बचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मोदी ने समुद्र को सुरक्षित और समृद्ध बनाने, रसद दक्षता बढ़ाने और शिपिंग उद्योग का समर्थन करने में वैश्विक भागीदार बनने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने दुर्लभ खनिजों और मछली स्टॉक जैसे समुद्री संसाधनों के दुरुपयोग को रोकने और उन्हें प्रबंधित करने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। नए शिपिंग मार्गों और संचार के समुद्री मार्गों में निवेश के महत्व को ध्यान में रखते हुए और इस बात पर संतोष व्यक्त करते हुए कि भारत इस दिशा में लगातार कदम उठा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, "भारत हिंद महासागर क्षेत्र में पहले प्रतिक्रियादाता के रूप में उभरा है।" प्रधानमंत्री ने आसियान, ऑस्ट्रेलिया, खाड़ी देशों और अफ्रीकी देशों के साथ भारत के आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर प्रकाश डाला और कहा कि इसका श्रेय हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की मौजूदगी और क्षमताओं को जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में नौसेना में 33 जहाजों और सात पनडुब्बियां शामिल की गई हैं, जिसमें 40 में से 39 नौसैनिक जहाजों का निर्माण भारतीय शिपयार्ड में किया गया। इसमें शानदार आईएनएस विक्रांत विमानवाहक पोत और आईएनएस अरिहंत तथा आईएनएस अरिघाट जैसी परमाणु पनडुब्बियां शामिल हैं।

नौसेना में दो युद्धपोतों और एक पनडुब्बी का शामिल होना आईओआर में भारत की ताकत का प्रमाण : राजनाथ

आईओआर में अटलांटिक महासागर से ज्यादा महत्वपूर्ण हुआ हिंद महासागर

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को मुंबई के नेवल डाक यार्ड में दो युद्धपोतों और एक पनडुब्बी को भारत के समुद्री बेड़े में शामिल होने को हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की ताकत का भी प्रमाण बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज आईएनएस सूरत, आईएनएस नीलगिरि और पनडुब्बी आईएनएस बाग्शीर को नौसेना में शामिल करने की औपचारिकता पूरी की। रक्षा मंत्री ने युद्धपोत सूरत और नीलगिरी एवं पनडुब्बी बाग्शीर की एक साथ हो रही ऐतिहासिक कमीशनिंग को सिर्फ भारतीय नौसेना की नहीं बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में भू-रणनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र हमेशा से भारत के लिए महत्वपूर्ण रहा है लेकिन आज के तेजी से बदलते परिवेश में यह और भी महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि आज हम यह कह सकते हैं कि जो महत्व पहले अटलांटिक महासागर का हुआ करता था, वो महत्व आज शिफ्ट होकर हिंद महासागर की ओर आ गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसेना में शामिल हुए आज के ये तीन बड़े प्लेटफार्म पूरी तरह से अत्याधुनिक उपकरण, और सिस्टम से लैस हैं और किसी भी स्थिति का मुकाबला करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। हम आज अपने आधुनिकीकरण की आस्था को तेजी से बढ़ा रहे हैं। एक ओर तो हम इन बड़े प्लेटफार्मों का देश में ही उत्पादन कर रहे हैं, तो दूसरी ओर हमारा ध्यान कम लागत और उच्च प्रभाव प्रणालियों पर भी है, जो कम समय में हमारी सेना को और अधिक शक्तिशाली बना सकते हैं। इस प्रकार अपनी सेनाओं के तेजी से आधुनिकीकरण के क्रम में हम एक ऐसा संतुलित मिश्रण ला रहे हैं। नौसेना के बेड़े में आज शामिल की गई पनडुब्बी आईएनएस वाग्शीर का नाम रेत मछली के नाम पर रखा गया है, जो हिंद महासागर में गहरे समुद्र में रहने वाली एक शिकारी मछली है। पनडुब्बी को सभी ऑपरेशन थियेटर में काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। पनडुब्बी वाग्शीर का विस्थापन 1,600 टन होगा, जिनमें सभी घातक प्रहार के लिए भारी-भरकम सेंसर और हथियार लगे हैं। सूरत और नीलगिरी को पिछले हफ़्ते मुंबई स्थित मझगांव डॉक्स (एमडीएल) ने नौसेना को सौंप दिया था। नौसेना को मिला जहाज 'सूरत' 35 हजार करोड़ रुपये की परियोजना 15 बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक का चौथा और अंतिम है। इससे पहले पिछले तीन वर्षों में इसी प्रोजेक्ट के तीन जहाजों विशाखापत्तनम, मोरमुगाओ और इम्फाल को नौसेना के बेड़े में शामिल किया जा चुका है। नौसेना में शामिल किया गया फ्रिगेट नीलगिरि प्रोजेक्ट 17 ए स्टील्थ का पहला जहाज है। इस योजना के सात जहाज एमडीएल, मुंबई और जीआरएसई, कोलकाता में बनाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने सेना दिवस पर भारतीय सेना के अटूट साहस को सलाम किया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सेना दिवस पर भारतीय सेना के अदम्य साहस को सलाम किया और कहा कि हमारी सरकार सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, "सेना दिवस पर, मैं भारतीय सेना के कर्मियों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं देती हूं। राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा करने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपकी अटूट प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरणा है। राष्ट्र कृतज्ञता के साथ उन अनगिनत बलिदानों को याद करता है जो आपने मातृभूमि की सेवा में दिए हैं। संकटों और आपदाओं के दौरान आपका मानवीय कार्य आपकी दयालुता और करुणा का प्रमाण है। आपकी असाधारण वीरता और साहस आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, "सेना दिवस के अवसर पर सभी भारतीय सैन्य कर्मियों और दिग्गजों को हार्दिक बधाई। भारतीय सेना की अद्वितीय वीरता, अडिग संकल्प और कर्तव्य के प्रति अडिग निष्ठा भारत की सुरक्षा और संप्रभुता की आधारशिला है।

'इंडियन स्टेट' के बयान को लेकर घिरे राहुल गांधी, भाजपा ने बताया देश को तोड़ने वाला बयान

नई दिल्ली। इंडियन स्टेट को लेकर दिए गए बयान को लेकर कांग्रेस नेता और लोकसभा में

विपक्ष के नेता राहुल गांधी घिरते दिखाई दे रहे है। भाजपा इस बयान को लेकर हमलावर है। बुधवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी का बयान देश को तोड़ने वाला है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने ट्वीट किया कि अब कांग्रेस की घिनौनी सच्चाई उनके अपने नेता द्वारा उजागर हो गई है। राहुल गांधी की इस बात के लिए सराहना करता हूं कि उन्होंने वह बात साफ-साफ कही है जो देश जानता है- कि वह भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं। यह कोई रहस्य नहीं है कि राहुल गांधी और उनके तंत्र का शहरी नक्सलियों और डीप स्टेट के साथ घनिष्ठ संबंध है, जो भारत को बदनाम, अपमानित करना चाहते हैं। उनके बार-बार के कार्यों ने भी इस विश्वास को मजबूत किया है। उन्होंने जो कुछ भी किया या कहा है वह भारत को तोड़ने और हमारे समाज को विभाजित करने की दिशा में है। उल्लेखनीय है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने कांग्रेस के नए मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए एक विवादास्पद बयान दे दिया। राहुल गांधी ने बुधवार को भाजपा और आरएसएस को घेरते हुए 'इंडियन स्टेट' को लेकर विवादास्पद टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई भाजपा और आरएसएस से ही नहीं, इंडियन स्टेट से भी है।

एअर इंडिया ने महाकुंभ जाना किया आसान, शुरू की नई नियमित उड़ान

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एअर इंडिया दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम महाकुंभ मेला 2025 के दौरान दिल्ली और प्रयागराज के बीच दैनिक उड़ानें संचालित करेगी। एअर इंडिया ने हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को देखते हुए दिल्ली और प्रयागराज के बीच अस्थायी दैनिक उड़ान सेवा शुरू करने करने का ऐलान किया है। एअर इंडिया ने जारी बयान में कहा कि इस रूट पर जैसे-जैसे मांग बढ़ेगी, एयरलाइन 25 जनवरी से 28 फरवरी 2025 तक उड़ानें संचालित करेगी। इसका उद्देश्य दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक समागम के दौरान यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करना है, जिसमें दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु आते हैं। इन उड़ानों के साथ एअर इंडिया ग्राहकों के लिए दो शहरों के बीच एकमात्र पूर्ण-सेवा उड़ान विकल्प लेकर आई है। इससे यात्रा करने वालों को समय बचाने और बेहतर कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। विशेष बात यह है कि एयर इंडिया इस रूट्स पर एकमात्र फुल सर्विस एयरलाइन होगी, जो यात्रियों को प्रीमियम और इकोनॉमी दोनों ऑप्शन उपलब्ध कराएगी। इन विमानों में इकोनॉमी क्लास के अलावा प्रीमियम केबिन का विकल्प भी होगा। इससे भारत के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ उत्तरी अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण पूर्व एशिया के कई देशों के श्रद्धालुओं को भी आसानी से संपर्क सुविधा मिलेगी।

नए युग की दहलीज पर खड़ा देश 'विकसित भारत' लक्ष्य की ओर बढ़ा: सेनाध्यक्ष

एजेंसी। पुणे

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को पुणे में सेना दिवस परेड की सलामी ली। उन्होंने देश की सीमाओं पर तैनात जवानों पर भरोसा जताते हुए कहा कि आज हमारा देश नए युग की दहलीज पर खड़ा है और विकसित भारत के लक्ष्य की ओर सुचारू रूप से आगे बढ़ रहा है। परेड में विभिन्न मार्चिंग दस्तों और हथियारों के जरिए सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया गया। सेना दिवस परेड 1949 में फील्ड मार्शल केएम करिअप्पा की भारतीय सेना के पहले भारतीय कमांडर-इन-चीफ के रूप में नियुक्ति की याद दिलाती है, जो भारत

जनरल द्विवेदी ने पुणे में सेना दिवस परेड की सलामी लेकर सैनिकों में भरा जोश

के स्वतंत्रता के बाद के सैन्य नेतृत्व का प्रतीक है। थल सेनाध्यक्ष ने कहा कि हमारे देश को प्रगति और विकास के पथ पर आगे बढ़ने के लिए स्थिर और सुरक्षित वातावरण की आवश्यकता है, जिसमें भारतीय सेना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुझे विश्वास है कि हम भारतीय सेना को एक आधुनिक, चुस्त, प्रौद्योगिकी सक्षम और भविष्य के लिए तैयार बल बनाने के लिए प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि उत्तरी सीमाओं पर स्थिति स्थिर लेकिन संवेदनशील है। हमारी सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार और सक्षम है। उत्तरी सीमाओं पर आधुनिक उपकरण और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। पश्चिमी सीमाओं की नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम लागू है लेकिन घुसपैठ की कोशिश जारी है। जम्मू-कश्मीर के आंतरिक क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप हिंसा में काफी कमी आई है। पिछले साल लोकसभा एवं विधानसभा चुनाव और अमरनाथ यात्रा का शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होना सुरक्षा स्थिति में सुधार को दर्शाता है। थल सेनाध्यक्ष ने आर्मी डे परेड में सेना पदक (वीरता) और अन्य पुरस्कार प्रदान किए। परेड में मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, मद्रास रेजिमेंट, मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट, रेजिमेंट आफ आर्टिलरी, मिलिट्री पाइप्स एंड ड्रम बैंड, बाम्बे इंजीनियर ग्रुप, आर्मी आर्डिनेंस कार्प्स और एनसीसी के दस्तों ने मार्च करके सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया।

केजरीवाल की बढ़ी टेंशन: मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी को मुकदमा चलाने की मिली अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से ठीक पहले पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्हें एक तरफ चुनाव का कैंपेन चलना और दूसरी तरफ मुद्दमेबाजी का सामना करना है। वजह ये है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर पीएमएलए एक्ट के तहत मुकदमा चलाने

की अनुमति दे दी है।रिपोर्ट के अनुसार, पहले दिल्ली की स्पेशल पीएमएलए अदालत ने केजरीवाल के खिलाफ आरोप तय करने पर रोक लगा दी थी, क्योंकि केजरीवाल पीएमएलए के तहत मुकदमा चलाने को विशेष मंजूरी के अभाव में ट्रायल कोर्ट द्वारा आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट चले गए थे। केजरीवाल और आप पर दिल्ली में शराब की बिक्री और डिस्ट्रिब्यूशन को कंट्रोल करने वाले साउथ ग्रुप कार्टेल से रिश्वत लेने का आरोप है। कथित तौर पर इस साउथ ग्रुप कार्टेल को दिल्ली सरकार द्वारा 2021-22 के लिए बनाई गई शराब नीति से फायदा हुआ है।

दिल्ली में कांग्रेस का नया मुख्यालय इंदिरा भवन, सोनिया व खड़गे ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने आज बुधवार को अपने नए मुख्यालय इंदिरा भवन का भव्य उद्घाटन किया। कोटला रोड स्थित इस आधुनिक भवन का उद्घाटन कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और वर्तमान पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने किया। इस खास मौके पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव व सांसद प्रियंका गांधी समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं समेत अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कांग्रेस के इस नए दफ्तर का पता 9ए, कोटला रोड है। पार्टी मुख्यालय के उद्घाटन अवसर को 139 साल के कांग्रेस इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। इस भवन का नाम देश की पहली महिला प्रधानमंत्री

इंदिरा गांधी के नाम पर रखा गया है, जो कांग्रेस की विरासत और भारत की राजनीतिक दिशा में उनके योगदान को सम्मानित करता है। इसे सरदार मनमोहन सिंह भवन के नाम से भी जोड़ा गया है, जिसके पोस्टर उद्घाटन स्थल पर दिखे। इस भवन को पार्टी की आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रशासनिक, संगठनात्मक और रणनीतिक कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में सहायक होगा।

भारतीय सेना में शामिल होगी तीसरी पीढ़ी की नाग मिसाइल

जैसलमेर। भारत ने अपनी तीसरी पीढ़ी की स्वदेशी एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल 'नाग' का सफल परीक्षण किया है। जैसलमेर की पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में इस मिसाइल के तीन परीक्षण किए गए। इन परीक्षणों में मिसाइल ने अपने सभी टारगेट को पूरी सटीकता से नष्ट कर दिया। ये परीक्षण भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ। रक्षा मंत्रालय ने जानकारी दी है कि अब यह मिसाइल भारतीय सेना में शामिल होने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह मिसाइल 230 मीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से अपने लक्ष्य पर प्रहार करती है। यानी 4 किलोमीटर दूर बैठे दुश्मन को 17 से 18 सेकेंड

में नेस्तनाबूद कर देती है।

फायर एंड फॉरगेट तकनीक : ये मिसाइल 'फायर-एंड-फॉरगेट' तकनीक पर आधारित है, यानी इसे दागने के बाद दोबारा निर्देशित करने की आवश्यकता नहीं होती। नाग मिसाइल हर मौसम में काम करने में सक्षम है और यह दुश्मन के टैंक को सटीकता से नष्ट कर सकती है। इसमें इन्फ्रारेड तकनीक है, जो लॉन्च से पहले लक्ष्य को लॉक करती है और तेजी से उसे नष्ट कर देती है। इसकी मारक क्षमता 4 किलोमीटर तक है। हल्के वजन और अचूक निशाने वाली यह मिसाइल दुश्मन के टैंक और अन्य सैन्य वाहनों को सेकेंड्स में नष्ट कर सकती है।

300 करोड़ की लागत से तैयार : नाग मिसाइल को डीआरडीओ ने 300 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया है। इसका पहला सफल परीक्षण 1990 में किया गया था। जुलाई 2019 में पोकरण फायरिंग रेंज में भी इसका परीक्षण किया गया था। इसके अलावा, 2017, 2018 और 2019 में भी अलग-अलग ट्रायल किए गए, जिनमें हर बार नई तकनीक जोड़ी गई।

घने कोहरे ने रोकी दिल्ली की रफ्तार, फ्लाइट से लेकर ट्रेन तक सब कुछ लेट

नई दिल्ली। घने कोहरे के चलते दिल्ली की रफ्तार थमने लगी है। न तो समय पर ट्रेने चल पा रहीं हैं और न ही फ्लाइट्स ठीक समय पर उड़ाने भर पा रहीं हैं। इसी बीच बिगड़ते मौसम के कारण बारिश के आसार भी बन गए हैं। सुबह 5:30 बजे तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कोहरे के चलते दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में विजिबिलिटी शून्य हो गई, जिससे उड़ानें और ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं। सुबह यात्रा करने वाले लोगों को घने कोहरे में रास्ता खोजने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। अब तक 7 उड़ानें रद्द हो चुकी हैं और 184 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई है। दिल्ली एयरपोर्ट ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे अपनी फ्लाइट की स्थिति के बारे में अपडेट लेते रहें।

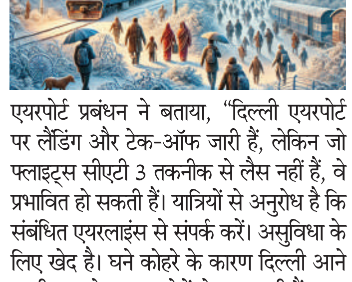

एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया, "दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग और टेक-ऑफ जारी हैं, लेकिन जो फ्लाइट्स सीएटी 3 तकनीक से लैस नहीं हैं, वे प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि संबंधित एयरलाइंस से संपर्क करें। असुविधा के लिए खेद है। घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली कम से कम 26 ट्रेनें लेट चल रही हैं। कल भी धुंध के चलते ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहा था, और सुबह 6:30 बजे तक 39 ट्रेनें देरी से चल रही थीं। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा से पहले फ्लाइट और ट्रेन की जानकारी की पुष्टि कर लें। मौसम विभाग के अनुसार, ठंड और कोहरे का यह सिलसिला अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकता है। यात्रियों को सावधानी बरतने और जरूरत पड़ने पर ही यात्रा करने की सलाह दी गई है। दिल्ली-एनसीआर में बुधवार को बादल छाए रहने और शाम को हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में सुबह का तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से कम दर्ज किया गया, और मौसम विभाग ने शाम और रात में फिर से धुंध छाने की संभावना जताई है। इसके अलावा, शाम को हल्की बारिश होने की भी संभावना है।

भूख से तड़प रहे हैं सोने की खदान में फंसे 5 सौ मजदूर, कुछ निकलने को तैयार नहीं

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका की एक सोने की खदान में सैकड़ों मजदूरों के फंसे होने की खबर सामने आने के बाद सनसनी फैल गई है। पुलिस का कहना है कि कुछ मजदूर बाहर आ सकते हैं लेकिन गिरफ्तार होने के डर से वे ऐसा करने से मना कर रहे हैं। हालांकि माइनर्स समूह का कहना है कि मजदूर देश की सबसे गहरी खदानों में से एक में सतह से 2.5 किलोमीटर नीचे फंसे हुए हैं और उन्हें बाहर निकालने की कोशिश ठीक से नहीं की जा रही है। उनके मुताबिक बचाव अभियान महीनों पहले शुरू हो जाना चाहिए था। जानकारी के मुताबिक लंबे समय से बंद पड़े इस खदान में अवैध रूप से खनन का कार्य चल रहा जहां यह दुर्घटना हुई है। माइनर्स के एक समूह के मुताबिक इस खदान में अब तक 100 से ज्यादा मजदूरों की भूख से तड़प-तड़प कर मौत गई है। वहीं 500 से ज्यादा मजदूर अब भी फंसे हुए हैं। खबर सामने आने के बाद दक्षिण अफ्रीका के अधिकारियों की कड़ी आलोचना हो रही है। बफेल्सफोंटेन गोल्ड नाम की इस माइन में अधिकारियों ने नवंबर में अवैध रूप से खनन कर रहे लोगों को बाहर निकालने के लिए एक अभियान शुरू किया था।

राष्ट्रपति ने सेना की देश के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को सराहा और पीएम ने साहस को किया सलाम

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत तमाम नेताओं ने सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सेना दिवस पर मैं भारतीय सेना के जवानों, दिग्गजों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं देती हूं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, आज सेना दिवस पर हम भारतीय सेना के अटूट साहस को सलाम करते हैं, जो हमारे देश की सुरक्षा के प्रहरी के रूप में खड़ी है। हम उन बहादुरों के बलिदान को भी याद करते हैं जो हर दिन करोड़ों भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति आपकी अटूट प्रतिबद्धता सभी के लिए प्रेरणा है। मातृभूमि की सेवा में आपके द्वारा दिए गए अनगिनत बलिदानों को राष्ट्र कृतज्ञतापूर्वक याद करता है। संकटों और आपदाओं के दौरान आपका मानवीय कार्य आपकी करुणा का प्रमाण है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरुवार, 16 जनवरी, 2025

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल ने सैनिकों को थल सेना दिवस की दी बधाई

एजेंसी । रांची । राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सैनिकों को थल सेना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी है। राज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर बुधवार को लिखा है कि मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर जवानों को भारतीय थल सेना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

राज्यपाल से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने की मुलाकात

एजेंसी । रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने राज भवन में भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आमंत्रित किया।

जिला परिषद अध्यक्ष ने की समीक्षा बैठक , दिये कई निर्देश

एजेंसी । लोहरदगाः जिला परिषद की समीक्षा बैठक जिला परिषद सभागार में बुधवार को हुई। इसकी अध्यक्षता जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी भगत ने की। मौके पर डीडीसी भुवनेश प्रताप सिंह सहित वरीय पदाधिकारी ,सांसद विधायक प्रतिनिधि एवं जिला परिषद बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे। समीक्षा बैठक के दौरान सभी विभागों से बारी-बारी से कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान जिला परिषद अध्यक्ष ने कई दिशा-निर्देश दिये। समीक्षा के दौरान लोहरदगा पीएचडी विभाग की शिकायत सामने आई। जिले में चल रहे हैं हर घर नल जल योजना में बड़ी लापरवाही बरती गई है एवं कार्यों को अधूरा भी छोड़ दिया गया है। वहीं जहां कार्य पूर्ण हो गए वहां त्रुटियों का भरमार है। इसे देखते हुए जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी भगत विभाग के कार्यपालक अभियंता को सख्त निर्देश देते हुए एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। समीक्षा बैठक में अन्य विभागों की लापरवाही सामने आई है यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अन्य विभाग में भी त्रुटि सामने आए जहां हम लोगों ने संबंधित विभागों को एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड के माध्यम से जल कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर कैसे उतारा जाए इसकी भी योजना बनाई गई है और हर गांव क्षेत्र तक लोगों को लाभ पहुंचे इस पर हमारा लक्ष्य बरकरार है। बैठक में अन्य कई मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

प्रोन्नति एवं एमएसीपी को लेकर वित्त मंत्री से मिले प्राथमिक शिक्षक संघ

एजेंसी । पलामू। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ पलामू के अध्यक्ष सुधीर कुमार दूबे के नेतृत्व में वित्त और संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर से डालटनगंज स्थित आवास पर बुधवार को शिष्टाचार मुलाकात की गई। बुके देकर सम्मानित किया और गरीबों के बच्चों को शत प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कैसे मिले, इसपर लंबी बातचीत हुई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि शिक्षक सीमित संसाधनों में बेहतर शैक्षणिक प्रर्दशन कर रहें हैं, लेकिन इनसे संबंधित सभी मांगों को मसलन विभागीय नियमावली तहत प्रोन्नति, अन्य कर्मियों की तरह मिलने वाला वृत्ति उन्नयन 'एमएसीपी' द्वितीयक श्रेणी में रखा जा रहा है, जिसके कारण शिक्षकों के मन में व्यवस्था के प्रति घोर निराशा बढ़ती जा रही है। एमएसीपी के संबंध में विस्तारपूर्वक बताया गया कि बीते वर्ष अगस्त में पूर्व से चले आ रहे आंदोलन के अंतिम चरण में आमरण अनशन तक किया गया। 16 अगस्त को अंतर्विभागीय बैठक हुई। सहमति भी बनी, लेकिन विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही ठंडे बस्ते में चला गया, जबकि मुख्यमंत्री ने भी एमएसीपी पर अग्रेतर आवश्यक पहल करने का आश्वासन भी दिये हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि अन्य कर्मियों की भांति एमएसीपी भी शिक्षकों को अवश्य मिलना चाहिए। वित्त विभाग इसमें अडंगा नहीं डालेगा। सकारात्मक पहल होगी। खुद इसके लिये मुख्यमंत्री से मिलकर पहल भी करेंगे। प्रोन्नति के संबंध में कहा कि आगामी 20 जनवरी को सभी विभागों की बैठक होगी। विधायक के साथ विभागाध्यक्ष भी उपस्थित रहेंगे, वहीं इसे हल भी कर लिया जायेगा। मुलाकात करने वालों में उपाध्यक्ष नंद किशोर राम, संयुक्त सचिव विनय मांझी, विश्रामपुर सचिव मो. मुमताज, पाटन सचिव दिनेश राम सहित अन्य शामिल थे।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव के प्रतिभागियों से किया संवाद

एजेंसी । रांची

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव' में झारखंड का प्रतिनिधित्व कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों से राजभवन में संवाद किया। उन्होंने प्रतिभागियों के उल्लेखनीय प्रदर्शन और राज्य का राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाने के लिए उन्हें हार्दिक बधाई दी। साथ ही प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राज्यपाल ने युवाओं की प्रतियोगिता में भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि किसी विषय को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना और अन्य राज्यों की संस्कृति एवं सोच को समझना युवाओं के व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने कार्यों और उपलब्धियों से न केवल राज्य, बल्कि देश का नाम भी रोशन करें। राज्यपाल से संवाद के क्रम में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किया। स्वाति राज ने कहा कि उन्होंने 'विकसित भारत 2047' पर अपने विचार रखे। तीन मिनट के सम्बोधन के क्रम में उन्होंने पोषण, जीरो हंगर, कानून-व्यवस्था, विरासत, युवा रोजगार और अमृतकाल जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए। साथ ही शुभांगी राज ने कहा कि उन्होंने 'विकास भी, विरासत भी' पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने इस दौरान प्रधानमंत्री के साथ संवाद और उनके साथ भोजन को अपने जीवन का गौरवपूर्ण और अविस्मरणीय क्षण बताया। ऋषित ने 'टेक फॉर विकसित भारत' पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने उल्लेख किया कि एक युवा के दृष्टिकोण से विकसित भारत के लिए तकनीक की भूमिका क्या हो सकती है। उन्होंने अन्य राज्यों के युवाओं की प्रस्तुतियां देखने और उनकी संस्कृति को समझने का अनुभव भी साझा किया। स्वातिका ने कहानी लेखन प्रतियोगिता में 'विकसित भारत 2047' पर अपने विचार प्रस्तुत किए और विभिन्न विषयों को रचनात्मकता के साथ समाहित किया। इस अवसर पर खेल निदेशक संदीप कुमार, राज्य निदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन ललिता कुमारी, डॉ. ओपी पाण्डे और राजेश कुमार चौधरी सहित विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि 10 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय युवा महोत्सव' का आयोजन किया गया था।

रांची रेलवे स्टेशन पर शराब के साथ एक गिरफ्तार

एजेंसी । रांची

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से एक व्यक्ति को शराब के साथ गिरफ्तार किया है। सब-इंस्पेक्टर सूरज पांडेय ने बुधवार को बताया कि आरपीएफ के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर रांची रेलवे स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 18624 से संदिग्ध स्थिति में एक व्यक्ति को पकड़ा और उसके पास से 13 हजार रुपये की 12 बोतल शराब बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपित का नाम संजीत कुमार है। वह बिहार के जहानाबाद का रहने वाला है। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उसने यह शराब की बोतलें रांची से खरीदी थीं और इसे ऊंचे दामों पर बेचने के लिए ट्रेन संख्या 18624 एक्सप्रेस से बिहार जाने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद आरोपित को एएसआई रवि शेखर के जरिये गिरफ्तार कर लिया गया और जब्त शराब को आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग को सौंप दिया गया।

रांची के विद्यानगर में शिव-हनुमान मंदिर जीर्णोद्धार और प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ 17 से

एजेंसी । रांची

राजधानी रांची के हरमु स्थित विद्यानगर में तीन दिवसीय शिव हनुमान मंदिर का जीर्णोद्धार सह प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 17 जनवरी से शुरू होकर 19 जनवरी तक चलेगा। कार्यक्रम के पहले दिन 17 जनवरी को प्रातः 8.00 बजे से प्रायश्चित संस्कार के तुरंत बाद जल यात्रा (कलश यात्रा) प्रारम्भ की जाएगी, जो विद्यानगर स्थित शिव हनुमान मंदिर से शुरू होकर हरमू चौक स्थित पंच मंदिर तक जाएगी। फिर वापस हरमू स्थित पंच मंदिर से जल लेकर विद्यानगर स्थित शिव हनुमान मंदिर में आकर पूर्ण होगी। इस कलश यात्रा में लगभग 700 महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। इसके बाद मंडप प्रवेश, पंचांग पूजन, हवन और संध्या आरती के पश्चात प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम के दूसरे दिन 18 जनवरी को प्रातः 8.00 बजे बेदी पूजन से शुरू होगा। फिर मूर्तियों का अधिवास, न्यास के बाद नगर भ्रमण करते हुए शय्या अधिवास और हवन के साथ के बाद संध्या आरती और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम के अंतिम दिन 19 जनवरी को प्रातः 8.00 बजे से बेदी पूजन के तुरंत बाद मूर्तियों का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। फिर हवन और पूर्णाहुति के बाद में महाआरती के साथ भंडारा और रात्रि जागरण का कार्यक्रम किया जाएगा। श्री शिव हनुमान मंदिर समिति के अध्यक्ष महाबीर सिंह ने बुधवार को कहा कि यह कार्यक्रम विद्यानगर के लिये एक ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा, जिसमें पूरे रांची से काफी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। साथ ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी। इसके लिये समिति के सैकड़ों कार्यकर्ता पूरे लगन से दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

कर्नाटक में मिलीं रांची से गायब दोनों लड़कियां

एजेंसी । रांची

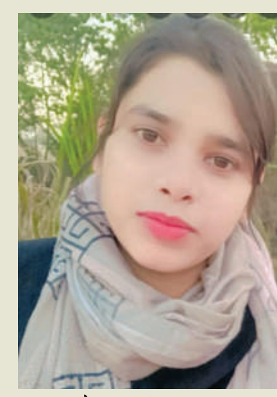

राजधानी रांची के हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र से गायब दोनों लड़कियों को पुलिस ने कर्नाटक से बरामद कर लिया है। एक वरीय अधिकारी ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है। दोनों लड़कियां सुरक्षित हैं और उन्हें पुलिस की टीम रांची लेकर लौट रही है। हिंदपीढ़ी की रहने वाली दोनों लड़कियां 11 जनवरी की शाम से गायब थी। परिजनों ने अपहरण की आशंका जताते हुए थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। अज्ञात ऑटो चालकों पर मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईजी ने एक स्पेशल टीम का गठन कर दोनों गायब लड़कियों को जल्द से जल्द ढूंढ लाने का टास्क दिया था। तकनीकी शाखा के सहयोग से रांची पुलिस को यह सूचना मिली कि दोनों लड़कियां कर्नाटक में हैं। इसके बाद पुलिस की एक टीम ने कर्नाटक पुलिस की सहायता से दोनों को बरामद कर लिया। दोनों लड़की रहनुमा परवीन (20)और अमरीना अगसर(18) 11 जनवरी को आधार कार्ड को सुधार कराने के लिए अपने घर से कांटा टोली स्थित मंगल टावर गई थी। दोपहर एक बजे आधार कार्ड सुधार कराने के बाद दोनों लड़कियां एक ऑटो से हिंदपीढ़ी स्थित अपने घर जाने के लिए बातचीत की। ऑटो चालक दोनों लड़कियों को हिंदपीढ़ी पहुंचाने के बजाय दूसरे रास्ते पर ले जाने लगा। इसपर दोनों लड़कियों को संदेह हुआ तो उसने अपने पिता को फोनकर घटना की जानकारी दी। पिता ने बताया कि बातचीत होने के दौरान चालक ने उनकी पुत्रियों से मोबाइल छीन लिया। इसके बाद दोनों पुत्रियों से उनकी बातचीत नहीं हुई। मामले को लेकर परिजनों ने अपहरण की एफआईआर दर्ज करवाई थी। लड़कियों के गायब होने के मामले में गत मंगलवार को राज्य सरकार के मंत्री इरफान अंसारी भी लड़कियों के परिजनों से मिलने के लिए पहुंचे थे। परिजनों को आश्वासन भी दिया था कि शीघ्र लड़कियों को खोज लिया जाएगा।

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा मामले में झारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई पांच फरवरी को

एजेंसी । रांची

झारखंड हाई कोर्ट में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई जांच कराने वाली बुद्धदेव उरांव की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। हाई कोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने सीबीआई को मामले में दायर आरोप पत्र को कोर्ट के रिकॉर्ड में लाने का निर्देश दिया। इससे पूर्व सीबीआई की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में रांची की सीबीआई की अदालत में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई पांच फरवरी तय की है। पिछली सुनवाई में खंडपीठ ने सीबीआई को जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय गड़बड़ी से संबंधित केस नंबर आरसी 5/2012 और आरसी 6/2012 के अनुसंधान की स्थिति पर जवाब मांगा था। जेपीएससी प्रथम परीक्षा गड़बड़ी मामले में 4 मई को, 2024 को सीबीआई ने केस नंबर आरसी 5/2012 में सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसमें सीबीआई ने जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद, वरीय सदस्य गोपाल प्रसाद, सदस्य राधा गोविंद नागेश, सदस्य शांति देवी, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी सिंह समेत 37 लोगों को आरोपित बनाया था। इनके अलावा अपर समाहर्ता रैंक के अधिकारी सीमा सिंह, सुषमा नीलम सोरेन, कुंवर सिंह पाहन, ज्योति कुमारी झा, अलका कुमारी, मोहनलाल मरांडी, राम नारायण सिंह, सुदर्शन मुर्मू, जेम्स सुरीन, जितेंद्र मुंडा, पूनम कच्छप, राजीव कुमार, संजीव कुमार, अनंत कुमार, परमेश्वर मुंडा, संतोष कुमार गर्ग, कमलेश्वर नारायण एवं विजय वर्मा को आरोपित बनाया है। वहीं, सीबीआई ने जेपीएससी द्वितीय परीक्षा गड़बड़ी मामले में केस नंबर आरसी 6/2012 में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद समेत 70 आरोपितों के खिलाफ सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। झारखंड में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी की जांच का आदेश झारखंड हाई कोर्ट ने साल 2012 में सीबीआई को दिया था। 12 साल से अधिक समय तक सीबीआई ने की मामले की अनुसंधान पूरी कर दोनों मामलों में आरोप पत्र दाखिल किया है। दरअसल, बुद्धदेव उरांव ने जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय की परीक्षा में अंको की हेराफेरी और रिजल्ट प्रकाशन में गड़बड़ी की जांच सीबीआई से कराने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि पहले राज्य सरकार के जरिये ली गई प्रथम एवं द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में गड़बड़ी की जांच निगरानी ब्यूरो कर रही थी। बाद में हाई कोर्ट के आदेश पर इसकी जांच सीबीआई को दे दिया गया था।

हथियार के साथ सात अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी । लातेहार

जिले के चंदवा थाना क्षेत्र के चिरो मोड़ के पास से पुलिस ने हथियार के साथ सात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में जगदीश सिंह ,बबलू सिंह, दीपक सिंह ,गणेश यादव, मनोज सिंह, अशोक लोहरा और रॉकी कुमार साव शामिल है ।सभी अपराधी चंदवा थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चंदवा थाना क्षेत्र के चिरो मोड़ के पास कुछ अपराधी जमे हुए हैं। सूचना के बाद डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम गठित की गई और अपराधियों के खिलाफ छापेमारी की गई। पुलिस ने इस दौरान सात अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। एसपी ने बताया कि गत 10 जनवरी को चंदवा थाना क्षेत्र के लतदाग गांव के पास सड़क निर्माण के साइडिंग पर इन्हीं अपराधियों के जरिये गोलीबारी की गई थी। सभी अपराधी राहुल सिंह गिरोह के लिए काम करते थे। इनका मुख्य धंधा लोगों में दहशत बनाकर रंगदारी वसूलने का था। एसपी ने बताया कि गिरोह में शामिल अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए भी पुलिस लगातार छापामारी कर रही है।

उपायुक्त ने जनता दरबार में कई मामलों का ऑनस्पॉट किया निष्पादन

एजेंसी । पलामू

उपायुक्त शशि रंजन ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में बुधवार को जनता दरबार का आयोजन किया। जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे ग्रामीणों ने उपायुक्त को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान करने का अनुरोध किया। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए निर्धारित समय सीमा पर निष्पादन करने का निर्देश दिया। मौके पर उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार व सिविल सर्जन उपस्थित रहे। हरिहरगंज के अर्ररूआ से आये एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले दिनों घर में गैस लीक के कारण आगलगी की घटना में उसकी आठ वर्षीय बच्ची झुलस गयी। आपदा के तहत मिलने वाले मुआवजा को लेकर कई बार सीओ कार्यालय में आवेदन दिया, लेकिन अबतक उचित कार्रवाई नहीं की गयी है। डीसी ने छत्तरपुर एसडीएम को ऑनस्पॉट कॉल कर मामले पर पर्सनल इंटरेस्ट लेते हुए त्वरित रूप से निष्पादन करने की बात कही। डीसी ने उक्त बच्ची के अभिभावक को निजी स्तर से आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। बच्ची के पिता ने आरटीई अंतर्गत अपनी बच्ची की पढ़ाई का भी अनुरोध किया। इसपर उन्हें सुनिश्चित किया गया कि बच्ची को आरटीई के तहत मुफ्त शिक्षा प्रदान की जायेगी। जनता दरबार में प्राप्त कई मामलों का ऑनस्पॉट निष्पादन किया गया। विकास से जुड़े आवेदन को उप विकास आयुक्त को सौंपा। वहीं जमीन से जुड़े मामले को अपर समाहर्ता को कार्रवाई के लिए दिया गया। इसमें जो मामले ऑनस्पॉट निष्पादन के नेचर के थे, वैसे आवेदनों का ऑनस्पॉट निष्पादन कर दिया गया। मामलों में मुख्य रूप से भूमि विवाद, पारिवारिक बंटवारा, अवैध कब्जा, मानदेय भुगतान, राशन संबंधित मामले, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित मामले थे।

राइट टू वर्क के तहत संबंधित पदाधिकारियों पर लगाएं जुर्माना: उपायुक्त

मामला मनरेगा के तहत अबुआ आवास निर्माण में मानव दिवस सृजन का

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : समाहरणालय स्थित सभागार में बुधवार को उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव ने जिला समन्वय समिति की बैठक की। बैठक में उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद, डीआरडीए निदेशक श्रीमती मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ चास सुश्री प्रांजल ढ़ांडा, एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी बीडीओ/सीओ/बीपीओ आदि उपस्थित थे। उपायुक्त ने क्रमवार विभिन्न योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण को पूरा करने का निर्देश दिया। समीक्षा क्रम में पाया गया कि 152 आंगनबाड़ी केंद्रों में 118 पूर्ण हैं, जबकि 34 केंद्रों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उपायुक्त ने आगामी 31 जनवरी 2025 तक सभी अपूर्ण आंगनबाड़ी केंद्रों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने केंद्र परिसर में कम से कम 05 फलदार पौधे लगाने का निर्देश दिया। अबुआ आवास योजना (एएवाई) की प्रगति की समीक्षा क्रम में उपायुक्त ने मनरेगा के तहत निर्माणाधीन अबुआ आवास में स्वीकृति के विरूद्ध मास्टर रोल जनरेट की संख्या कम होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवास स्वीकृति के अनुरूप मास्टर रोल जेनरेट कर मानव दिवस सृजित करने को कहा। उन्होंने मानव दिवस का सृजन नहीं होने से आवास के लाभुकों का राइट टू वर्क का अधिकार पूरा नहीं होने को लेकर संबंधित पंचायत सचिव, संबंधित प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी पर जुर्माना लगाकर राशि प्राप्त करने का निर्देश संबंधित अधिकारी को दिया।

वहीं, समाज कल्याण के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा क्रम में सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में लक्ष्य अनुरूप प्रदर्शन को लेकर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता से जानकारी ली। इस दौरान शिक्षा विभाग से अध्ययनरत छात्राओं के आवेदन प्रपत्र में अंतर की जानकारी दी। उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा से 6,371 अंतर के आवेदनों को बैठक कर समाधान करने को कहा। उन्होंने योजना को महत्वाकांक्षी बताते हुए शत-प्रतिशत छात्राओं को योजना से आच्छादित करने को कहा के इसमें कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

उपायुक्त ने विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषाहार का वितरण विभाग द्वारा निर्धारित मेन्यू के अनुसार करने को कहा। उन्होंने बीडीओ/सीओ को विद्यालय, आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर इसकी निगरानी करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सभी विकास योजनाओं एवं सरकार की संचालित योजनाओं/कार्यक्रमों की समीक्षा अनुमंडल पदाधिकारियों चास व बेरमो को अपने स्तर पर भी नियमित करने का निर्देश दिया। इससे पूर्व, उप विकास आयुक्त, डीआरडीए निदेशक ने क्रमवार अबुआ आवास योजना (एएवाई), डा. बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर आवास योजना, मनरेगा, पीएम जन-मन योजना, डोभा, कुआं निर्माण, खेलकूद मैदान निर्माण आदि विकास योजनाओं की प्रगति कार्य की समीक्षा की।

संक्षिप्त समाचार

कोल इंडिया एवं डीवीसी चेयरमैन से सांसद की वार्ता आज से

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : सीसीएल एवं डीवीसी के विस्थापितों की कई मांगों सहित अन्य कई मांगों को लेकर कोल इंडिया एवं डीवीसी के चेयरमैन के साथ कोलकाता स्थित मुख्यालय में गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के साथ वार्ता 16 एवं 17 जनवरी को आयोजित की गई है। कोल इंडिया के चेयरमैन के साथ सांसद की वार्ता 16 जनवरी को होगी, जिसमें कथारा, ढ़ोरी एवं बोकारो-करगली के विस्थापितों की मूलभूत समस्याओं, नियोजन एवं विस्थापन कार्ड जैसे मुद्दों पर वार्ता होगी, जबकि 17 जनवरी को डीवीसी मुख्यालय में चेयरमैन से सांसद की वार्ता होगी। डीवीसी चेयरमैन के साथ वार्ता में नया बस्ती के विस्थापितों को पुनर्वासित जमीन का पट्टा नहीं मिलने, डीवीसी के पेंशनरों के आवास का रेंट को लेकर जारी विसंगतियों को दूर करने, आवासों को लीज पर देने की नीति को सरल बनाने, एएमसी, एआरसी में कार्यरत मजदूरों को आवास देने, 10 लाख तक की निविदा विस्थापितों को देने, डीवीसी के अवकाश प्राप्त विस्थापितों को आवास लीज पर देने, बोकारो थर्मल में बी प्लांट के स्थान पर 800 मेगावाट के नया पावर प्लांट का निर्माण करने जैसे मुद्दों पर वार्ता होगी। उक्त जानकारी सांसद प्रतिनिधि जितेंद्र यादव ने बुधवार को बोकारो थर्मल में दी।

बैंक ऑफ इंडिया ने शुरू की एकमुश्त समझौता योजना

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : बैंक ऑफ इंडिया बोकारो अंचल द्वारा एक साल से पुराने एनपीए केसीसी खाता में 70 से 90% तक की छूट बैंक की एकमुश्त समझौता योजना के तहत किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। बैंक की ओर से सभी ऐसे (एनपीए ऋण धारक) किसानों से आह्वान किया गया है कि अपने नजदीकी बीओआई शाखा में जाकर पुराने केसीसी ऋण को एकमुश्त समझौता योजना के तहत चुकाकर ऋण मुक्त हो जाएं। बैंक पुनः किसानों को नए केसीसी (उनकी पात्रता के अनुसार) 2.00 लाख रुपये तक बिना किसी मॉर्गेज (बंधक) के उपलब्ध करा रही है, जो 0% ब्याज पर (केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले ब्याज छूट के तहत) उपलब्ध हो सकता है, यदि किसान अपने केसीसी खाते को सुचारू रूप से चलाते हैं (प्रत्येक वर्ष खाते को एक दिन के लिए केसीसी के तहत ली गई मूल राशि एवं ब्याज को चुकाते हुए खाते को शून्य करते हैं।

पूर्णाहुति के साथ भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का समापन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : नगर के सेक्टर- 9 स्थित वैशाली मोड़ मैदान में धर्म जन जागरण समिति की ओर से आयोजित श्रीमद भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का समापन हवन एवं पूर्णाहुति के साथ किया गया। हवन में मुख्य यजमान योगेन्द्र कुमार व शालिनी कुमारी रहे। हवन के बाद महाभोग खिचड़ी का वितरण कर शुरुआत की गई। अतिथियों में भाजपा नेता विवेक सिंह, एके वर्मा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्रीमद्भागवत कथा में श्रद्धेय वशिष्ठ देशमुख जी महाराज ने कहा कि भागवत पुराण भी शाश्वत श्रीकृष्ण हैं। हम सभी को अपने बच्चों के शादी व समारोह में अश्लील गानों पर नृत्य नहीं करना चाहिए। अपने जीवन में युवा वर्ग भगवान राम और कृष्ण के आदर्श को उतारें। श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ के समापन में सत्यम भारती, रवि शंकर, योगेंद्र कुमार, गौरांग चंद्र, मनीष कुमार पाण्डेय, कुलदीप कुमार, रामनरेश प्रसाद, गणेश अग्रवाल, सुजीत कुमार, गगन दास, अशोक महली, मनोज कुमार, गणेश महतो, नरेश कंधवे, अनमोल, बीरेंद्र कुमार, अमित गिरी, आशीष कुमार, जयंत दत्ता, विजय कुमार, यशराज, रवि राज, दिलीप कुमार महतो, सुमित कुमार, विकास कुमार, अरुण कुमार आदि मौजूद रहे।

विधायक श्वेता सिंह ने किया अनुमंडल अस्पताल का निरीक्षण, बदहाली पर जताई नाराजगी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने जनता की शिकायतों के आलोक में बुधवार को चास आईटीआई मोड़ स्थित अनुमंडल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के प्रसूति विभाग में भर्ती महिलाओं, जनरल वार्ड में भर्ती मरीजों एवं ओपीडी सेवाओं का जायजा लिया। तदोपरांत वहां की जर्जर व्यवस्था से रूबरू हुईं।

विधायक श्रीमती सिंह ने व्यवस्था को देखते हुए अस्पताल उपाधीक्षक को तत्काल फटकारते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की और कहा कि 48 घंटे के अंदर सारी जर्जर व्यवस्था की जाय। श्रीमती सिंह ने कहा कि क्षेत्र की जनता लगातार अनुमंडल अस्पताल की अव्यवस्थित कार्यप्रणाली से आए दिन परेशानी झेलती है। आए दिन यहां के मरीजों की मौत की खबरें अखबारों में आना आम बात सी हो गई है, जिससे वर्तमान सरकार की बदनामी हो रही है।

अनुमंडल अस्पताल में कार्यरत अधिकारी, चिकित्सक एवं कर्मचारियों को श्वेता सिंह ने कड़े शब्दों में कहा कि सर्वप्रथम अस्पताल को स्वच्छ बनाएं। यहां गंदगी एवं जंगल झाड़ी का अंबार लगा हुआ है, जो नकारात्मक माहौल पैदा करता है और यहां जो भी जरूरी चीजों की कमी है, उसे लिखित रूप से मुझे अवगत करवाएं, ताकि जनहित में सभी सुविधाओं का सृजन किया जा सके। ज्ञात हो कि अनुमंडल अस्पताल ग्रामीण आम जनता के लिए संजीवनी है, जिससे हजारों लोग लाभ लेते हैं। लेकिन, अगर ऐसी बदहाल व्यवस्था रहेगी तो जनता हमेशा परेशानी झेलती रहेगी। श्रीमती सिंह ने को जनहित में सार्थक कार्य प्रणाली को आत्मसात करने की सलाह दी।

स्वदेशी मेला में गीत-ग़ज़ल संध्या में कलाकारों ने गायकी से बांधा समां

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : सेक्टर 4 मजदूर मैदान में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित इस्पातांचल स्वदेशी मेला में गीत-गज़ल संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ संगीतज्ञ शिवेन चक्रवर्ती, प्रसेनजीत शर्मा, अरुण पाठक, विराज श्रीवास्तव, कृष्णा तुलसी आदि ने गीत-गज़लों की सुमधुर प्रस्तुति से श्रोताओं को आनंदित किया। शुरुआत कृष्णा तुलसी ने भजन मेरो मन वृंदावन में अटक से की। इसके बाद कृष्णा ने गज़ल अगर मुझसे मुहब्बत है, मुझे तुम नज़र से गिरा तो रहे हो.., शिवेन चक्रवर्ती ने रंजिश ही सही दिल दुखाने के लिए आ तथा अन्य गज़ल, प्रसेनजीत शर्मा ने जिंदगी चांद सी नज़र आती है हमें, चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल, होठों से छू लो तुम मेरा गीत अमर कर दो, अरुण पाठक ने मैं निगाहें तेरे चेहरे से हटाऊं कैसे व चंदन सा बदन चंचल चितवन की सुमधुर प्रस्तुति से श्रोताओं को लुभाया। तबले पर शिवचरण गोस्वामी व सुधीर कुमार, गिटार पर विश्वदीप, हारमोनियम पर शिवेन चक्रवर्ती व प्रसेनजीत शर्मा ने संगति की। कार्यक्रम का समापन वंदेमातरम गीत से हुआ। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा, मेला संयोजक ब्रजेश कुमार सिंह सहित कुमार संजय, शंभु झा, राज श्रीवास्तव, प्रमोद कुमार, दीपक परमार, प्रदीप कुमार दीपक आदि उपस्थित थे।

कलश-यात्रा के साथ श्मशान काली मंदिर में शतचंडी महायज्ञ व प्राण-प्रतिष्ठा शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चास के चेकपोस्ट स्थित गरगा पुल श्मशान काली मंदिर प्रांगण में बुधवार को श्री शतचंडी महायज्ञ एवं मां दुर्गा व मां मनसा प्राण प्रतिष्ठा समारोह कलश-यात्रा के साथ शुरू हुआ। श्री श्मशान काली मंदिर ट्रस्ट की ओर से आयोजित उक्त कार्यक्रम में 501 महिला व युवतियों ने कलश लेकर नगर का भ्रमण किया। कलश यात्रा ट्रस्ट के अध्यक्ष गोपाल मुरारका की अध्यक्षता में निकाली गई। हेल्पिंग हैंड्स के अध्यक्ष सह कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भी देर शाम मंदिर पहुंचकर मत्था टेका। कलश यात्रा काली मंदिर से निकलकर मेन रोड चास होते हुए लक्ष्मी नारायण मंदिर धर्मशाला मोड़ पहुंची, जहां से महिलाएं ने पूरे विधि-विधान से एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के पश्चात कलश में जल भरकर वापस काली मंदिर पहुंचीं। काली मंदिर पहुंचकर माता और बहनों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान माता के जयकारा से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा।

बतौर यजमान गोपाल मुरारका अपनी पत्नी सरिता मुरारका व रणजीत सिंह अपनी पत्नी शैल देवी के साथ शामिल हुए। गोपाल मुरारका ने कहा कि प्रत्येक दिन सुबह-शाम आरती का आयोजन होगा। अंत में महाप्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम का समापन 21 जनवरी को किया जाएगा। मौके पर अनूप पांडे, चंद्रपाल चांदनी, पप्पू चौधरी, भाजपा नेत्री रितुरानी सिंह, जय सिन्हा, मुकेश भगोरिया, हेल्पिंग हैंड्स के प्रवक्ता संजय सोनी, लखन माहथा, श्याम सखी मंडली की अध्यक्ष रेणु चौहान, कार्तिक बाबा, अमन सिंघानिया आदि मौजूद रहे।

काठमांडू में अटल समरसता रत्न सम्मान से नवाजे गए डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. गंगवार

192 देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में नेपाल के प्रथम उपराष्ट्रपति के हाथों मिली एक और वैश्विक उपलब्धि

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : शैक्षणिक उत्थान की दिशा में विगत साढ़े तीन दशक से सतत प्रयासरत डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार की अंतरराष्ट्रीय ख्याति में एक और नई कड़ी जुड़ गई है। डॉ. गंगवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू में वैश्विक मंच पर अटल समरसता रत्न अलंकरण से सम्मानित किया गया। अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से इंडो-नेपाल समरसता आर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में आयोजित वैश्विक शांति समरसता सम्मेलन के दौरान उन्हें 192 देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में यह विश्व प्रतिष्ठित सम्मान मिला। नेपाल सरकार के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं न्यायमूर्ति परमानन्द झा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अब्दुल खान व गणेश शाह, सांसद रेखा यादव एवं नरोत्तम वेद के द्वारा डॉ. गंगवार को अवार्ड देकर तथा नेपाल की टोपी और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय उत्थान में उल्लेखनीय योगदान, भारत की प्रतिष्ठा, भारत की शक्ति एवं भारत के पंचशील सिद्धांतों की कार्य-योजना के नैतिक समर्थन के लिए उन्हें नवाजा गया। सम्मेलन में भारत-नेपाल के बहुआयामी संबंधों, मानवीय प्रेम, एकता एवं विश्व-बंधुत्व की दिशा में कार्य करने वाले कुल 192 राष्ट्रों के नागरिकों का अभिनंदन किया गया। इनमें डॉ. गंगवार भी शामिल रहे।

बुधवार सुबह विद्यालय में आयोजित एक विशेष असेंबली के दौरान इस उपलब्धि की घोषणा की गई। अपने उद्गार में प्राचार्य डॉ. गंगवार ने इसे पूरे स्कूल की उपलब्धि बताते हुए इसके लिए विद्यालय परिवार से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे अवसर हमें आगे और कड़ी मेहनत के साथ काम करने की प्रेरणा देते हैं। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को नए वर्ष में नए जोश, नई ऊर्जा, नए उत्साह एवं सकारात्मकता के साथ पूरी लगन व कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व भी प्राचार्य डॉ. गंगवार अपने अनुकरणीय कार्यों के लिए पेरिस, नॉर्वे, मॉरीशस, श्रीलंका व अन्य देशों में सम्मानित किए जा चुके हैं। उनकी नवीनतम उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष है।

एनएसएस की समीक्षा में भावी कार्यक्रमों पर चर्चा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जिले के बेरमो स्थित केबी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की समीक्षा बैठक प्राचार्य लक्ष्मी नारायण की अध्यक्षता और प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. प्रभाकर कुमार के नेतृत्व में हुई। यहां प्राचार्य लक्ष्मी नारायण ने कहा समीक्षा बैठक में एनएसएस के स्वयंसेवकों के वर्ष भर के क्रियाकलापों, गतिविधियों पर चर्चा की गई। डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया सात दिवसीय स्पेशल यूनिट कैंप का आयोजन किया जाना है, इसके लिए आज स्वयं सेवकों को रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध करवाया गया। समीक्षा बैठक में सभी एनएसएस स्वयं सेवकों के वर्ष भर की उपलब्धियों पर लेखा जोखा किया गया। नए सत्र के छात्र-छात्राओं से भी स्वयं सेवकों के लिए नामांकन फॉर्म के आवेदन की मांग की जाएगी।

मृग खोह मेला में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, सैकड़ों टुसु का हुआ विसर्जन

- पूर्व विधायक बबीता देवी ने किया मेला का उद्घाटन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरकुदर के मृग खोह मेला का उद्घाटन करतीं पूर्व विधायक बबीता देवी व अन्य

बोकारो : कसमार प्रखंड के डुमरकुदर स्थित मृग खोह और दुर्गापुर स्थित दुर्गा पहाड़ी की तलहटी पर बुधवार को मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित टुसू मेला में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान मृग खोह स्थित झरना में दर्जनों टुसुओं का विसर्जन किया गया। युवतियां अलग-अलग समूह में अपने टुसुओं को लेकर गीत गाती हुई गाजे-बाजे के साथ मृग खोह पहुंची। भगवन श्रीराम के कथित पदचिन्हों को देखने के लिए भी लोग उमड़ पड़े। मेला में राज्य के पेयजल व स्वच्छता तथा उत्पाद मंत्री योगेंद्र प्रसाद की पत्नी सह पूर्व विधायक बबीता देवी, जेएलकेएम नेत्री पूजा महतो भी पहुंची। इस अवसर पर पूर्व विधायक बबीता देवी ने कहा कि मृग खोह आस्था व झारखंडी संस्कृति का संयुक्त केंद्र है। इस स्थल के प्रति जहां यह मान्यता है कि भगवान श्रीराम यहां स्वर्ण मृग का पीछा करते आये थे, वहीं टुसू पर्व के रूप में यहां झारखंड की संस्कृति प्रतिबंधित हो उठती है। उन्होंने कहा कि इस स्थल को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए मंत्री योगेंद्र प्रसाद कटिबद्ध हैं। मौके पर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष दिलीप हेंब्रम, कमेटी के अध्यक्ष सुजीत कुमार महतो, उपाध्यक्ष सरोज कुमार महतो, सचिव दिनेश्वर कुमार महतो, उपसचिव पंचानन महतो, कोषाध्यक्ष काशीनाथ महतो, उपकोषाध्यक्ष शिवचरण महतो, निगरानी समिति के कुलदीप कुमार करमाली, संजय कुमार महतो, गणेश करमाली, प्रतिमा देवी, अमृत महतो, मनोज महतो, तीजन महतो, हेमंत महतो, जलेश्वर महतो, देवशरण महतो, धुर्वा महतो, कालीचरण महतो, चंद्रमोहन महतो, केदारनाथ महतो, दुर्गाचरण महतो, देवेंद्र महतो, दिनेश महतो, उमेश महतो, सतीश महतो व कार्यकारिणी के गिरिधारी महतो, निमाय महतो, अजीम महतो, मनोज महतो, हीरालाल महतो, धनंजय महतो, चंद्रकांत महतो, अजित महतो, सूरज महतो, प्रकाश महतो, रूपेश महतो, सुभाष महतो, दीनानाथ महतो आदि मौजूद थे।

रंगारंग कार्यक्रमों के साथ बोकारो में दस-दिवसीय स्वदेशी मेला का समापन

अपनी सोच के साथ जीवन में स्वदेशी अपनाने से ही फिर बन सकेंगे विश्वगुरु : तिवारी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : नगर के सेक्टर- 4 स्थित मजदूर मैदान में स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित दस-दिवसीय 22वां इस्पातांचल स्वदेशी मेला बुधवार शाम भव्य रंगारंग कार्यक्रमों के साथ संपन्न हो गया। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में श्री तिवारी ने युवाओं से स्वदेशी के प्रति संवेदनशील होने की अपील की। उन्होंने खुलकर युवाओं से कहा कि हमें पुनः विश्वगुरु बनना है तो अपनी सोच के साथ-साथ अपने जीवन में स्वदेशी को अपनाना होगा। हमारे यहां विश्व की सबसे बड़ी मानव संख्या है। उद्यमियों के लिए सकारात्मक रूप से देखने का नजरिया होनी चाहिए कि यह बहुत बड़ा बाजार है। उन्होंने खुलकर युवाओं से कहा कि वे नौकरी का सपना छोड़ रोजगार देने वाला बनने की सोच को अमल में लाएं। वहीं, मुख्य वक्ता राष्ट्रीय सह संघर्ष वाहिनी प्रमुख वंदेशंकर सिंह ने कहा कि हमारे विचार को वामपंथी हो या दक्षिणपंथी सभी ने सहर्ष स्वीकार किया है। विचारधारा कोई भी हो राष्ट्र की उन्नति के लिए स्वदेशी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोगों को एक परेशानी होती थी कि स्वदेशी वस्तु की पहचान व जानकारी के अभाव में विदेशी वस्तु का इस्तेमाल कर रहे हैं।

उनकी समस्या को समाधान करते हुए स्वदेशी जागरण मंच ऐसे राष्ट्रभक्त लोगों के लिए मेला के माध्यम से एक मंच मुहैया करा रहा है। वहीं, क्षेत्रीय संयोजक अमरेंद्र कुमार सिंह ने भी स्वदेशी के प्रति अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत कोष प्रमुख विष्णु कुमार सिंह ने किया। मंच संचालन प्रांत संपर्क प्रमुख अजय चौधरी दीपक ने किया। जबकि, स्वागत एवं विषय प्रवेश मेला संयोजक बृजेश कुमार सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन जिला संयोजक प्रमोद कुमार सिन्हा ने किया।

कार्यक्रम के अंत में मेले के दौरान विभिन्न स्पर्धाओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। पूरे आयोजन को सफल बनाने में विवेकानंद झा, अशोक रंजन, किशोर कुमार बोराल, विनोद चौधरी, सुरेश कुमार सिन्हा, राकेश रंजन, प्रेम प्रकाश, अवधेश कुमार, मनीष श्रीवास्तव, अमरजी सिन्हा, सौरभ जायसवाल, कुमार संजय, सुजीत कुमार श्रीवास्तव, संजय कुमार, दीपक कुमार, पूनम सिन्हा, अनुजा सिंह, मनोरमा चौधरी, राधा सिंह, नीलम सिंह, नूतन वर्मा, आशा सिन्हा, रीता सिन्हा सहित सभी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बेड़ो के लमकाना में श्रीरामकृष्ण किसान मेला का आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बेड़ोः विवेकानंद सेवा संघ, विवेकानंद समाज कल्याण संघ ईंटाचिल्ट्री, रामकृष्ण मिशन आश्रम, दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र व रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षणिक शोध संस्थान मोराबादी रांची के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को बेड़ो प्रखंड के लमकाना गांव में श्रीरामकृष्ण किसान मेला का आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि उपप्रमुख मोदस्सीर हक, स्वामी भावेशानंद महाराज व सीओ प्रताप मिंज ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मेला का आयोजन प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन द्वारा आय सृजन विषय पर आधारित था। इस दौरान कृषि उत्पादों व पशु पक्षियों का प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले चयनित किसानों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं मौके पर उपप्रमुख मोदस्सीर हक,स्वामी भावेशानंद जी महाराज,सीओ प्रताप मिंज व बीडीओ राहुल उरांव समेत कृषि वैज्ञानिकों ने अपने विचार रखे। साथ ही ग्रामीणों ने परंपरागत नाच गान प्रस्तुत किया। वहीं अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इधर कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामीणों में घनश्याम उरांव,राजेश सहाय,मंटू उरांव,राम उरांव, गोवर्धन उरांव,कृष्णा उरांव, विकास उरांव, बुद्धेश्वर उरांव व कृषि वैज्ञानिकों में डॉ राजेश ,डॉ भरत, डॉ नेहा राजन, डॉ विशाखा सिंह व अरूण भक्त आदि ने सराहनीय योगदान दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी भावेशानंद महाराज, संचालन घनश्याम उरांव व धन्यवाद ज्ञापन ब्रम्हचारी स्वप्न महाराज ने किया।

संक्षिप्त समाचार

मॉडलिंग में रनिया की अभिजल ने खूंटी को दिलाई एक नई पहचान

राष्ट्रीय मुख्यधाराः खूंटी। खूंटी जिले के सबसे पिछड़े प्रखंड में शुमार रनिया प्रखंड के बलंकेल गांव की एक अनाथ लड़की अभिजल कंडुलना ने मॉडलिंग के क्षेत्र में न सिर्फ अपनी अलग पहचान बनाई है, बल्कि खूंटी जिले के जनजातीय समाज को भी गौरवान्वित किया है। घोर उग्रवाद प्रभावित बलंकेल गांव से निकलकर दिल्ली, मुंबई, भुवनेश्वर जैसे शहरों में मॉडलिंग से अभिजल अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही है। भुवनेश्वर में आयोजित प्रतियोगिता में मिस ग्लोबल ट्राइबल क्वीन का खिताब जीतकर उसने एक मिसाल कायम की है कि आदिवासी समाज में न सुंदरता की कमी है और न ही प्रतिभा की। ओड़िशा के भुवनेश्वर में 10 से 12 जनवरी तक आयोतिल प्रतियोगिता में अभिजल को मिस ग्लोबल ट्राइबल क्वीन इंडिया तथा मिस ग्लोबल ट्राइबल क्वीन अर्थ का ख़िताब मिला। इसके पूर्व 2021 में उसे दिल्ली में आयोजित मिस नेक्सस यूनिवर्स का ख़िताब भी मिल चुका है।

अभिजल कंडुलना की जिंदगी शुरू से ही संघर्ष भरी रही है। उसके माता-पिता की मृत्यु के पश्चात न सिर्फ उसने अपना घर संभाला, बल्कि अपनी मॉडलिंग को भी जारी रखा। अभिजल के माता-पिता गांव से आकर खूंटी में रहते थे। यहां अभिजल ने एस एस टू हाई स्कूल से इंटर की पढ़ाई की। इसके बाद नर्सिंग की पढ़ाई विशाखापत्तनम से पूरी की। नर्सिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह जॉब के लिए दिल्ली चली गयी। वहां उसे परमानेंट काम नहीं मिला। वह वहां घर घर जाकर नर्सिंग का काम करने लगी। उसी दौरान उसके माता-पिता की मृत्यु हो गयी। इसी बीच देश में लॉक डाउन भी लग गया। अभिजल का काम बंद हो गया। वह वापस खूंटी लौट गयी। घर चलाना मुश्किल होने लगा था, लेकिन अभिजल ने हार नहीं मानी। उसने मेक अप आर्टिस्ट का काम सीखा तथा घूम-घूमकर मेकअप का काम करने लगी। इसी बीच वह अपने मॉडलिंग के शौक को नहीं छोड़ी और आज मॉडलिंग में नाम कमा रही है। अभिजल वर्तमान में खूंटी में मेकअप से सम्बंधित अपना एकेडमी भी चलाती है।

सफलता का श्रेय डॉ अंशु तिर्की को- अभिजल अपनी सफलता का श्रेय डॉक्टर अंशु तिर्की को देती है। अभिजल बताती है कि अंशु मैम ने उसका हौसला बढ़ाया और मॉडलिंग के लिए तैयार किया। अभिजल कंडुलना कहती है कि आदिवासी लड़कियों के मन में यह बैठा रहता है कि उनका रंग रूप मॉडलिंग के लायक नहीं होता है। ऐसा सोचना गलत है। आदिवासी लड़कियां इन बातों पर ध्यान न दें कि वे कैसा दिखती है या उनका रंग कैसा है। वे बस लक्ष्य बनाये उसके अनुसार मेहनत करें और आगे बढें। लोग क्या कहते हैं इस पर ध्यान न दें, सिर्फ अपने मन की सुनें।

आपत्तिजनक स्थिति में महिला-पुरूष को ग्रामीणों ने पकड़ा, बनाया बंधक

राष्ट्रीय मुख्यधाराः दुमका। जिले के सरैयाहाट थाना क्षेत्र के जमुनिया गांव में बीते रात आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े जाने पर एक व्यक्ति और एक महिला को ग्रामीणों ने करीब 20 घंटे तक बंधक बनाकर मारपीट किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बुधवार की सुबह जब सरैयाहाट पुलिस बंधकों को छुड़ाने गई, तो ग्रामीणों ने पुलिस के साथ भी मारपीट की।

जानकारी के अनुसार पांचूबाद गांव के विश्वनाथ सोरेन का जमुनिया गांव की एक शादीशुदा महिला से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। गुरुवार की रात जैसे ही विश्वनाथ महिला से मिलने उसके घर गया, तो ग्रामीणों ने उसे और महिला को बंधक बनाकर जमकर पीटाई की।

सुबह जब सरैयाहाट पुलिस को इसकी जानकारी हुई तो पुलिस गांव पहुंच जब बंधकों को छुड़ाने का प्रयास किया, तो ग्रामीणों ने पुलिस के साथ भी धक्का मुक्की शुरू कर दी और पुलिस को भी बंधक बना लिया। जिसके बाद काफी संख्या में पुलिस गांव पहुंच आक्रोशित लोगों को समझा-बुझा कर शांत करा बंधकों को छुड़ाया। ग्रामीणों और महिला के पति का आरोप था कि उक्त युवक का महिला के साथ शारीरिक संबंध है और अक्सर रात को वो महिला के घर आता है। घटना के बाद पुलिस ने बंधकों को छुड़ाने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट में ईलाज कराया। साथ ही दो पक्षों में हुई मारपीट में घायल कई लोगों का ईलाज भी कराया गया।

वहीं दूसरी ओर घटना के सरैयाहाट प्रखंड के माथाकेशो पंचायत की पूर्व मुखिया तलामय सोरेन ने भी सरैयाहाट थाना में आवेदन देकर जमुनिया गांव के कई लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है। पूर्व मुखिया ने अपने दिए आवेदन में बताया है कि गांव में हुए झगड़े को लेकर वो आपसी सुलह के लिए अपनी बेटी के साथ जमुनिया गांव गई थी। इस दौरान गांव के कुछ युवकों ने उसकी बेटी और उसके साथ पुलिस की मौजूदगी में मारपीट किया। इधर खबर लिखें जाने तक दोनों महिला पुरुष को पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में लेकर थाना में रखा है।

बाराडीह पंचायत के सती घाट मेला में उमड़ी आदिवासियों की भीड़

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : जरीडीह प्रखंड के बाराडीह पंचायत के अनंतपुर गांव के साईलबेड़ा में आदिवासियो की पवित्र आस्था स्थल सती घाट मेला में बुधवार को आदिवासी समाज के लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान मेला से पूर्व सती घाट में सदियों से चली आ रही आस्था के साथ लोगों ने पूजा अर्चना की। गांव के नाया दुर्योधन मांझी, मनसु मांझी व शिवनाथ मांझी ने आदिवासी विधि-विधान से पूजा करते हुए मेले की शुरुआत की। मुखिया पुष्पा देवी व झामुमो नेता अमित सोरेन ने मेले की शुरुआत करते हुए कहा कि सती घाट मेला इस क्षेत्र के धार्मिक स्थलों में से एक है। यहां लोग जो भी मन्नतें मांगते हैं, उसकी मनोकामना पूरी होती है। इस दौरान स्थानीय मुखिया पुष्पा देवी ने 15वीं वित्त आयोग की राशि से सती घाट में सामुदायिक भवन निर्माण का भी उद्घाटन करते हुए कहा कि सती माता के लिए ग्रामीणों की मांग पर अपने मद से भवन का निर्माण करवाया है। उन्होंने कहा कि सती घाट मेला को विकसित करने के लिए लगातार प्रयास करेंगे। मौके पर वार्ड सदस्य सरिता देवी, शिवनाथ मांझी, आनंद मांझी, पूजा कुमारी, वन्दना देवी, बाबूदास मांझी, वंशीराम कुशवाहा, सूरज देव हांसदा, पप्पु सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कसमार : दुर्गापुर पंचायत में कई योजनाओं का किया शिलान्यास

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कसमार प्रखंड के दुर्गापुर पंचायत के दुर्गापुर राजस्व गांव में बुधवार को 15वें वित्त आयोग मद से कई योजनाओं का शिलान्यास स्थानीय मुखिया अमरेश कुमार महतो, पंसस अंजू देवी व उपमुखिया पंचानन महतो ने किया। इस दौरान

दुर्गापुर के पुजा स्थल दुर्गा पहाड़ में पेबर ब्लॉक पथ निर्माण, नीम पेड़ बड़राव पूजा स्थल में खुला शेड निर्माण, ग्राम मेढ़ा के गोसाय बांध में स्नान घाट निर्माण व ग्राम मेढ़ा के टोला तुंबाडाड़ी के बीच नाला में पुलिया निर्माण कार्य का शिलान्यास नारियल फोड़कर व पूजा अर्चना कर किया गया। इस दौरान मुखिया अमरेश कुमार महतो ने बताया कि दुर्गापुर पंचायत में विकास कार्य तेजी से चल रहा है। जल्द ही अन्य कई छोटे बड़े विकास योजनाओं का भी शिलान्यास किया जाएगा। मौके पर मुखिया अमरेश कुमार महतो, पंचायत समिति सदस्य अंजू देवी, उपमुखिया पंचानन महतो, वार्ड सदस्य पबिता देवी, रंजु देवी, दीपक कुमार महतो, इंद्रनाथ मरांडी, सनातन महतो, शंकर महतो, विष्णु कुमार महतो, तिजन प्रसाद भारती, दिनेश मुर्मू, अभिमन्यु मांझी, विशेश्वर मांझी, कामदेव महतो, रमेश महतो, राजेश मुर्मू, प्रयाग करमाली व अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

लापुंग के घघारी में 72 घंटा अखंड हरिकीर्तन के समापन के साथ ही चार दिवसीय मकर संक्रांति मेला महोत्सव संपन्न। हजारों लोगों ने मकर संक्रांति के मौके पर दही चूड़ा और तिलकुट ग्रहण किया। दुकानें भी सजी खुब हुई खरीदारी, बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

राष्ट्रीय मुख्यधारा

लापुंग : लापुंग प्रखंड के प्रसिद्ध घघारी बाबा धाम में चार दिवसीय मकर संक्रांति महोत्सव के अंतिम दिन श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ पड़ी। हालांकि बगैर किसी तामझाम के शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। बुधवार को हजारों लोगों ने घघारी बाबा धाम मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना की और मकर संक्रांति के मौके पर जमुनी नदी के तट पर दही चूड़ा और तिलकुट ग्रहण किया। पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ 72 घंटे के अखंड हरिकीर्तन का समापन किया गया। इस मौक़े पर श्रद्धालुओं के बीच खिचड़ी के महाप्रसाद का लंगर लगाया गया। सैकड़ों लोगों ने खिचड़ी का

महाप्रसाद ग्रहण किया। मंगलवार की अपेक्षा बुधवार को घघारी बाबा धाम में अधिक भीड़ देखी गई। मेला स्थल पर बुधवार को दुकानें भी सजी थी। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंगलवार की बजाए बुधवार को घघारी बाबा धाम पहुंचे थे। मंदिर में मंदिर के मुख्य पुजारी राम शंकर पाठक, राजकुमार पाठक, राजेश पाठक, सीताराम पाठक, तुलसीदास गोस्वामी तथा अजय गोस्वामी ने श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना कराई। इधर मेला समापन के साथ ही थाना प्रभारी लापुंग संतोष कुमार यादव और बेड़ो थाना प्रभारी नकुल शाह ने मेला में आए श्रद्धालुओं जो नदी के नीचे उतर गए थे उन सबों को सुरक्षा पूर्वक ऊपर पहुंचाया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक रामशंकर सिंह, अध्यक्ष आर गोप, देवेंद्र वर्मा, राजधन शेखर सिंह, पूर्व मुखिया, संतोष तिर्की, सेवक सिंह, भुवन महतो, संजय कुमार महतो, दशरथ तिर्की, विकास नारायण सिंह, हीरालाल शेखर सिंह, लाल ऋतुराज नाथ शाहदेव व विजय सहित अन्य लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नेशनल एथलेटिक्स में बोकारो के उपेंद्र ने जीता कांस्य

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : झारखंड स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की मेजबानी में एसजीएफआई नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता के अंडर 14 इवेंट का आयोजन रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में 11 से 14 जनवरी तक किया गया था। प्रतियोगिता में चंदनकियारी आवासीय बालक एथलेटिक्स क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र के उपेंद्र कुमार ने कांस्य पदक जीतकर बोकारो जिला का नाम रोशन किया है। उक्त विजेता को बोकारो डीसी विजया जाधव सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है, साथ ही कोच आशु भाटिया को भी बधाई व शुभकामनाएं दीं। उक्त प्रतियोगिता में 31 टीमों के लगभग 900 एथलीट शामिल हुए थे। उक्त जानकारी बुधवार को कोच आशु भाटिया ने बोकारो थर्मल पहुंचने पर दी।

खुदीबेड़ा में आखाइन जातरा मेला में विकास महतो के झूमर पर झूमे लोग

- ग्राम देवता की हुई पूजा, चटिया देखने उमड़े श्रद्धालु

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कसमार प्रखंड के खुदीबेड़ा में बुधवार को मकर संक्रांति के अवसर पर आखाइन जातरा मेला का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे। मालूम हो कि यह इस क्षेत्र का काफी प्राचीन मेला है। इसमें ग्राम देवता की पूजा भी होती है। उस दौरान अनेक लोग चटिया भराते हैं। इस बार भी दर्जनों लोगों ने चटिया भराया और ग्राम देवता की विधिवत पूजा की। इस दौरान बकरे व मुर्गे की बलि भी चढायी गयी। मेला में खिलौने और ईख की बिक्री खूब हुई। इस अवसर पर कुड़मालि झूमर का आयोजन भी हुआ। प्रसिद्ध झूमर गायक विकास महतो व इनके सहयोगी कलाकारों ने अपने गीत-नृत्य से लोगों को खूब झुमाया। एक नन्ही कलाकार भी आकर्षक के केंद्र में रही। मौके पर बैजनाथ महतो, मनोज करमाली, खगेंद्र महतो, मनोज गोस्वामी, गोविंद करमाली, बिपिन गोस्वामी, विनय गोस्वामी आदि मौजूद थे।

जल जंगल जमीन एवं सनातनी स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऐसी यात्राएं जरूरी : विक्रम महतो

मारुति मंगल परिवार का सनातन स्वाभिमान यात्रा में उमड़ा जन सैलाब

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बेड़ोः सामाजिक और आध्यात्मिक संस्था मारुति मंगल परिवार द्वारा आयोजित सनातन स्वाभिमान यात्रा जो कि प्रत्येक वर्ष मकर संक्रांति के उपलक्ष में रांची जिला के नगडी प्रखंड स्थित स्वर्णरेखा नदी उद्गम स्थल रानी चूवा से प्रारंभ हुई। इस यात्रा में मारुति मंगल परिवार के सदस्यों सहित हजारों सनातनी पूरे उमंग और उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। मारुति मंगल परिवार के पदाधिकारी द्वारा विधि विधान से पूजा पाठ एवं मंत्रोच्चार के बाद परिवार के वंदना का सामूहिक गान के पश्चात रानी चूवा से जल उठाकर यात्रा प्रारंभ हुई जो नगडी चेक पोस्ट, इटकी मोड, जरिया, गड़गांव, बेड़ो, जामटोली साई मंदिर होते हुए लापुंग प्रखंड स्थित पंचायत क्षेत्र के मारुति मंगल धाम तक पहुंची। जहां मंत्रोच्चार के साथ

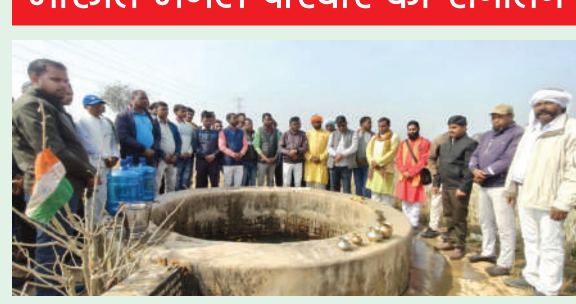

मारुति मंगल धाम स्थित शिवलिंग एवं बजरंगबली के प्रतिमा पर जल अर्पित किया गया। पूजन कार्य के पश्चात यात्रा में शामिल सभी महिला पुरुष एवं स्थानीय ग्रामवासी सामूहिक रूप से अपने साथ लेकर आए दही तिलकुट गुड मुड़ी प्रसाद के रूप में ग्रहण किया। मारुति मंगल परिवार द्वारा आयोजित सनातन स्वाभिमान यात्रा का स्वागत पुष्प वर्षा कर नगडी चेक पोस्ट, प्रेम नगर, इटकी मोड, पलमा, ग़डगांव, बेड़ो, जामटोली , हरहंजी सरसा साई मंदिर एवं मारुति मंगल धाम परिसर में लोगों ने किया। यहां सभी का उत्साह देखते बन रहा था। इस अवसर पर मारुति मंगल परिवार के केंद्रीय अध्यक्ष विक्रम महतो ने कहा कि जल जंगल जमीन एवं सनातनी स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऐसी यात्राएं आवश्यक है स्वर्णरिखा नदी का उद्गम स्थल का मारुति मंगल धाम से पौराणिक एवं धार्मिक संबंध भी है इसलिए यह यात्रा रानी चूवा से लगभग 38 किलोमीटर

तक प्रत्येक वर्ष पूरे विधि विधान शांति एवं अनुशासित रूप में की जाती है। जिसमें मारुति मंगल परिवार में आसपास के प्रखंडों के सदस्य एवं स्थानीय लोगों का भरपूर सहयोग एवं सहभागिता रहती है। सनातन स्वाभिमान यात्रा को सफल बनाने में मारुति मंगल परिवार के संगठन प्रमुख उपाध्यक्ष सुमेश कुमार महतो, कोषाध्यक्ष मुकुंद महतो सचिव मदन कुमार सहित अनुपम कुमार, राजेश कुजूर, बसंत टापवर जीत पहान प्रजापति, अजय जोगी, कामेश्वर बेदिया, संजय कुमार, अमरनाथ भोक्ता, भोला कोईरी, निरंजन गोप, बाल किशन मुंडा सहित सैकड़ो लोगों का सराहनीय योगदान रहा

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरुवार, 16 जनवरी, 2025

संक्षिप्त समाचार

पुलिस बताकर बाइक छीनने वाला स्टेशन से पकड़ाया

धनबाद, एजेंसी। धनबाद पुलिस बताकर कोयला ले जा रहे गोधर काली बस्ती निवासी नितेश कुमार से बाइक छीनने वाले युवक को पुलिस ने स्टेशन रोड से धर दबोचा। नितेश ने बताया कि नौ जनवरी को इस युवक ने कोर्ट मोड़ के पास खुद को पुलिस बता कर उसकी बाइक, पैसे, मोबाइल समेत अन्य सामान छीन लिए थे। घटना के बाद उसने शिकायत धनबाद थाने में की थी। मंगलवार को जब वह स्टेशन से गुजर राह था तो उसी युवक को देखा। नितेश ने तत्काल धनबाद पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक को पकड़ लिया। फिलहाल धनबाद थाने में उससे पूछताछ की जा रही है।

कार्मेल की प्रिंसिपल पर कार्रवाई के लिए अभिभावकों का धरना

धनबाद, एजेंसी। धनबाद, प्रमुख संवाददाता कार्मेल स्कूल डिगवाडीह की प्रिंसिपल पर कार्रवाई की मांग पर अभिभावक महासंघ ने मंगलवार को रणधीर वर्मा चौक पर धरना दिया। इस दौरान संघ के अध्यक्ष पप्पू सिंह 12 घंटे भूख हड़ताल पर बैठे रहे। प्राचार्य के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होने से नाराज अभिभावक संघ ने कहा कि जांच के नाम पर सिर्फ लीपापोती की गई।

पप्पू सिंह ने कहा कि कार्मेल की प्राचार्य के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करना चाहिए। अभी तक कोई कार्रवाई नहीं होने से अभिभावकों में आक्रोश है। जांच के नाम पर सिर्फ खानापूरी की गई है। स्कूल की बच्चियों को न्याय मिलने तक अभिभावकों का आंदोलन जारी रहेगा। महासचिव मनोज मिश्रा ने कहा कि पूरे मामले की जांच बिना किसी दबाव में की जाए। जांच में दोषी पाए जाने पर राज्य सरकार कार्मेल स्कूल को दिया गया अनापत्ति प्रमाणपत्र को वापस ले। वरीय उपाध्यक्ष मुकेश पांडेय ने कहा कि कार्मेल स्कूल की घटना समाज के लिए एक काला धब्बा है। प्राचार्य के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज करना चाहिए और तत्काल उनकी गिरफ्तारी होनी चाहिए। उपाध्यक्ष कुमार मधुरेंद्र सिंह ने कहा कि महासंघ अभिभावकों के साथ है। इस मामले में कुछ अभिभावक समझौता कर रहे हैं, जो गलत है। मीडिया प्रभारी रतिलाल महतो ने कहा कि अगर छात्राओं को न्याय देने में प्रशासन असफल रहा तो अभिभावक महासंघ चरणबद्ध तरीके से आंदोलन चलाएगी। उदय प्रताप सिंह, दिलीप सिंह, प्रेम ठाकुर, संतोष कुशवाहा, रामप्रवेश शर्मा, हीरालाल महतो, घनश्याम महतो, तारकेश्वर तिवारी, श्रीकांत रक्षित, रमेश कुमार, धर्मा प्रसाद गुप्ता, रामेंद्र कुमार, धर्मा प्रसाद गुप्ता, कुल्लू चौधरी, विशाल महतो, विकास यादव, शंकर पांडेय, उपेंद्र सिंह, रामदहीन राय आदि मौजूद थे। कार्मेल विवाद में मंगलवार को झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम धनबाद पहुंची। धनबाद सर्किट हाउस में एसडीओ राजेश कुमार, सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी, डीसीपीओ साधना कुमारी, कार्यापालक दंडधिकारी व जोड़ापोखर थानेदार सहित अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कार्मेल स्कूल गई जांच टीम से बातचीत कर वहां घटित घटना व वर्तमान परिस्थितियों के बारे में जाना। जांच टीम ने आयोग के समक्ष डीवीआर जांचने की बात कही। कहा कि ऐसी कोई आपत्तिजनक चीजें नहीं मिलीं। छात्राओं व अभिभावकों ने दो शर्ट लाने की बात कही थी। एक छात्रा जिसने आपत्ति जताई, उसने हाइनेक का ईनर पहना था। झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम बुधवार को स्कूल जाएगी और पड़ताल करेगी।

बैजनाथ उपाध्याय की माता के निधन पर शोक व्यक्त

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर के गोलमुरी मंडल अध्यक्ष अधिवक्ता बैजनाथ उपाध्याय (पप्पू उपाध्याय) की माता आशा देवी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।अपने शोक संदेश में दास ने कहा कि आशा देवी का निधन हम सभी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनका सादा जीवन और समाज के प्रति समर्पण प्रेरणादायक था। इस कठिन समय में मैं उपाध्याय परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को शांति और परिवार को इस असीम दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। इस दुखद घटना से भाजपा कार्यकर्ताओं में भी शोक की लहर है। पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं ने भी उपाध्याय परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है।

बैंक खाता आधार से नहीं जुड़ा होने के कारण नहीं निकल रहा मंईयां सम्मान का पैसा

अधिकारियों ने बताई अंदर की बात

रंका (गढ़वा), एजेंसी। मंईयां सम्मान योजना का लाभ नहीं मिलने से परेशान दर्जनों की संख्या में लाभुक प्रतिदिन प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा रही हैं। अब उन्हें सम्मान राशि नहीं मिल पाने की वजह अधिकारियों ने बताई है। अधिकारियों ने बताया कि आखिर क्यों नहीं निकल रहे पैसे

प्रखंड कार्यालय में प्रतिनियुक्त कर्मी से जब इस मामले में पूछा जाता है तो वे सरकार द्वारा साइट बंद कर दिए जाने की बात कहते है।

स्टेटस रिपोर्ट पता नहीं चल पा रहा है। वहीं, कई लाभुकों का बैंक खाता आधार से नहीं जुड़ा होना तथा कई अन्य लाभुकों का अकाउंट इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक का होने के वजह से सम्मान राशि नहीं मिल पाना वजह बताया गया है। जबकि फार्म जमा करते समय सभी मानदंड को पूरा करने के बाद ही आवेदन जमा किया गया था।

सोमवार को प्रखंड कार्यालय पहुंची दुधवल गांव की सुरेखा देवी,अजंती देवी रिंकी देवी, कटरा गांव की रंजू देवी, कंचनपुर की सुनीता देवी,सेमरखाड़ गांव की कुसुम देवी,सिकट गांव की रीता देवी,शिवनाला की बिदवंती देवी, ज्ञांति देवी, खुशबू कुमारी तथा प्रमीला

देवी ने बताया कि रंका प्रखंड में मंईयां सम्मान योजना के तकरीबन 17हजार लाभुक हैं। जिनमें महज 25 फीसदी महिलाओं के खाते में मंईयां सम्मान योजना की राशि सरकार द्वारा भेजी गई है।

बिरनी के बीडीओ फणीश्वर रजवार ने मंइयां सम्मान योजना का लाभ लेने से वंचित महिलाओं को लेकर प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि 40783 लाभुकों ने आवेदन दिया था।

इनमें 37167 आवेदनों को स्वीकृति दे दी गई है। जबकि अब मात्र 3376 आवेदन विभिन्न कारणों से लंबित है। इसका निष्पादन शीघ्र किया जाएगा। कहा कि फिलहाल साइट नहीं खुल रहा है। इसी कारण दिक्कत हो रही है। साइट खुलते ही लंबित आवेदन का भी निष्पादन किया जाएगा। कहा कि विभिन्न कारणों से रद हुए आवेदनों का निष्पादन करने को प्रखंड कार्यालय में एक शिकायत निवारण केंद्र खोला गया है।

तीन कर्मियों का प्रतिनियोजन भी किया जा चुका है। ये कर्मी प्रखंड क्षेत्र से आने वाली मंइयां सम्मान योजना के लाभुकों के आवेदनों की त्रुटि में सुधार करेंगे।उन्होंने क्षेत्र वासियों से अपील की कि अपने पास-पड़ोस में अगर इस तरह का कोई योग्य लाभुक है तो तो उसे प्रखंड कार्यालय में हेल्प डेस्क भेजें। इस कार्य के लिए कोई बिचौलियों का सहारा नहीं लें। बीडीओ ने बताया की बिचौलिया और दलाल के चक्कर में कोई नही पड़ें। स्वयं हेल्प डेस्क से संपर्क कर जानकारी प्राप्त करें।

लोहरदगा के कुडू बस स्टैंड में चली गोली, एक अपराधी घायल

लोहरदगा, एजेंसी। लोहरदगा जिला के कुडू थाना क्षेत्र के कुडू बस स्टैंड में मंगलवार को दिनदहाड़े गोली चलने का मामला प्रकाश में आया है। पूर्व पंचायत समिति सदस्य संतोष मांझी उर्फ मंगलू के गवाह को मारने आये दो अपराधियों में एक अपराधी के हाथों चली गोली से दूसरा अपराधी गंभीर रूप से घायल हो गया है। दूसरे अपराधी को ग्रामीणों ने पकड़ते हुए जमकर पिटाई की। इसके बाद पुलिस को सौंप दिया है। गोली दूसरे अपराधी की कनपटी में लगीं हैं तथा रांची रिम्स में जीवन और मौत से लड़ रहा है। पुलिस पकड़े गए अपराधी से पुछताछ कर रहीं हैं। अपराधियों के पास से दो लोडेड नाइन एमएम पिस्टल तथा एक खोखा बरामद किया है। बताया जाता है कि चार फरवरी 2024 को कुडू के पूर्व पंचायत समिति सदस्य (पंसस) संतोष मांझी उर्फ मंगलू की कुडू बाजारटांड़ में गोली मारकर हत्या कर दिया गया था। घटना में शामिल सभी अपराधी जमानत पर बाहर निकले हुए हैं तथा घटना में शामिल अपराधियों का लोहरदगा न्यायालय में ट्रायल चल रहा है। इसी मामले में संतोष हत्याकांड के गवाह मृतक संतोष मांझी उर्फ मंगलू का भाई संतु पासवान कि गवाही होने वालीं है। मंगलवार को दो अपराधी एक अपाची बाइक में सवार होकर बस स्टैंड पहुंचे तथा गवाह संतु पासवान को लक्ष्य करके गोली चला दी।

रांची से प्रयागराज महाकुंभ के लिए 10 स्पेशल ट्रेनें, 19 जनवरी से होगी शुरुआत

रांची, एजेंसी। प्रयागराज महाकुंभ-2025 को लेकर पूरे देश में उत्साह का माहौल है। देश और दुनिया के कोने-कोने से आस्था की डुबकी लगाने के लिए लोग यहां पहुचं रहे हैं। अब रेलवे ने झारखंड के लोगों के लिए भी खुशखबरी दी है। रेलवे ने प्रयागराज महाकुंभ के लिए 10 स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। इन ट्रेनों की शुरुआत रांची मंडल के रेलवे स्टेशनों से प्रयागराज के लिए होगी। पहली ट्रेन 19 जनवरी को रांची से निकलेगी। आइए जानते हैं रांची के किन-किन स्टेशनों से प्रयागराज महाकुंभ के लिए स्पेशल ट्रेन मिल जाएगी।

बीते दिनों सांसद संजय सेठ ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। सेठ ने वैष्णव से मुलाकात में रांची मंडल से प्रयागराज महाकुंभ के लिए ट्रेनें चलाने के लिए आग्रह किया था। उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए रेल मंत्री ने 10 स्पेशल ट्रेनों को चलाने का ऐलान किया है। ये ट्रेनें रांची से चलकर प्रयागराज तक पहुंचेंगी और लोगों को संगम में आस्था की डुबकी लगाने के लिए मदद करेंगी।

रांची-टुंडला 08067/08068 कुंभ मेला स्पेशल 19 जनवरी को रांची से निकलेगी और अलग-अलग स्टेशनों से होते हुए प्रयागराज पहुंचेगी। रेलवे ने बताया कि इसमें स्लीपर, एसी के साथ ही जनरल डिब्बे भी होंगे।

भुवनेश्वर-टुंडला कुंभ मेला स्पेशल 08425 रांची से 22 जनवरी को निकलेगी और प्रयागराज पहुंचेगी। इसके बाद इस ट्रेन का संचालन अगले महीने भी किया जाएगा। यह ट्रेन फरवरी में 5,19 और 25 तारीख को भी रांची से प्रयागराज महाकुंभ के लिए चलेगी। टुंडला-भुवनेश्वर कुंभ मेला स्पेशल 08426 ट्रेन 21, 24 जनवरी को चलाई जाएगी। इसके अलावा इसे 28 फरवरी को एक बार फिर से रांची से चलाया जाएगा।

टिटिलागढ़-टुंडला कुंभ मेला स्पेशल 08314 16 और 23 जनवरी को चलेगी। इसके अलावा यह ट्रेन 6,20 और 25 फरवरी को भी प्रयागराज महाकुंभ के लिए चलेगी। टुंडला टिटलागढ़ 08313 18, 25 जनवरी को और फरवरी में 8 और 22 को चलेगी। इसके अलावा तिरुपति-बनारस 07107 भी चलेगी। इसकी शुरुआत 18 जनवरी को होगी। इसका संचालन फरवरी महीने में 8, 15 और 22 फरवरी को भी किया जाएगा।

बनारस-विजयवाड़ा 07108 महाकुंभ स्पेशल की शुरुआत 20 जनवरी से होगी। फरवरी में इसका संचालन 10, 17 और 24 को किया जाएगा। इसके साथ ही नरसापुर-बनारस 07109 का संचालन 26 जनवरी और 2 फरवरी को किया जाएगा। रेलवे ने बताया कि बनारस-नरसापुर 07110 प्रयागराज महाकुंभ स्पेशल ट्रेन का संचालन 27 जनवरी और 3 फरवरी को किया जाएगा।

जनता को समर्पित होगा बजट, प्रदेशवासियों को मिलेगा सीधा लाभ : इरफान

रांची, एजेंसी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि झारखंड का आगामी बजट राज्य की जनता को समर्पित होगा। इस बजट में आम जनता, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य की जनता ने बहुत सहा है, अब उन्हें उनका अधिकार और सुविधाएं मिलनी चाहिए। मंत्री ने बताया कि सभी सांसदों एवं विधायकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों पर आधारित सुझाव दें, ताकि बजट को जनहितकारी और प्रभावी बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने झारखंड में लूट की संस्कृति फैलाई थी, जिसे पूरी तरह समाप्त कर प्रदेश में पारदर्शी शासन स्थापित किया जाएगा। भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री सोमवार को नेपाल हाउस स्थित सचिवालय में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे थे। बैठक में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक अबु इमरान समेत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। मंत्री ने कहा कि इस बैठक का उद्देश्य झारखंड की स्वास्थ्य सेवाओं को व्यापक और प्रभावी तरीके से सुधारना है।

सरकारी अस्पतालों का होगा आधुनिकीकरण

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस कर मल्टी-स्पेशियलिटी सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा। हर जिले में कम से कम एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत आवश्यक उपकरण, विशेषज्ञ डॉक्टर और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति होगी। स्वस्थ समाज ही समृद्ध राज्य की नींव है। इसके तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएंगी। हर पंचायत में स्वास्थ्य उपकेंद्र स्थापित किए जाएंगे। विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी, ताकि ग्रामीण जनता को समय पर उचित इलाज मिल सके।

तीन वर्ष पुराने कर्मियों-अधिकारियों का स्थानांतर अनिवार्य: बैठक में मंत्री ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य विभाग में तीन वर्षों से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत कर्मियों एवं पदाधिकारियों का स्थानांतरण अनिवार्य होगा। इससे विभाग में पारदर्शिता और जवाबदेही आएगी। जो भी स्वास्थ्यकर्मी या अधिकारी ईमानदारी और समर्पण से कार्य करेंगे, उन्हें विभागीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इससे कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी और सेवा की गुणवत्ता में सुधार होगा। मंत्री ने अपर मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि जो भी कर्मचारी या अधिकारी अपने कार्य में लापरवाही बरतेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कोई भी लापरवाही जनता की स्वास्थ्य सेवा में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड को स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और मॉडल राज्य बनाना है। इसके लिए स्वास्थ्य सेवा केवल इलाज तक सीमित नहीं होगी, बल्कि रोकथाम, जागरुकता और स्वास्थ्य शिक्षा पर भी बल दिया जाएगा।

गिरिडीह एसपी ने रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा, दिए निर्देश

गिरिडीह, एजेंसी।

जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार ने सोमवार की देर रात कई थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए।इस दौरान एसपी ने बरकट्ठा ओपी, सरिया थाना, घोड़थम्बा ओपी, परसन ओपी, डुमरी थाना, देवरी थाना, बिरनी थाना, द्वारपहरी, गांडेय थाना, धनवार थाना, पचंबा थाना और कबरीडीह इलाके का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं नाईट पेट्रोलिंग का जायजा लिया। एसपी के देर रात निकलने की जानकारी मिलते ही पूरे जिले की पुलिस अलर्ट मोड पर आ गयी है और जांच अभियान तेज कर दिया। एसपी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था पर हमारी पैनी नजर है। लगातार जिले की सुरक्षा का जायजा लिया जा रहा है ताकि कानून और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

नेता शपथ पत्र दें, खाली जमीन की नहीं कराएंगे घेराबंदी : सरयू

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने 2025 के अपने एजेंडे को साफ कर दिया है, जबकि 2024 में विधायक रहते हुए किये कार्यों का लेखा-जोखा भी दिया। विधायक सरयू राय ने सोमवार को बिष्टूपर स्थित आवासीय कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कदमा केडी फ्लैट से रास्ता निकालने के लिए टाटा स्टील से बातचीत हुई है और इसका परिणाम जल्द सामने आएगा। उन्होंने कचरा की समस्या के बारे में भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील क्वार्टर तोड़ रहा, खाली जमीन की घेराबंदी की जा रही है। यदि टाटा स्टील खाली जमीन पर उद्योग लगाता है तो शहर जीवित हो उठेगा।

सरयू राय ने कहा कि जमशेदपुर पूर्वी में तीन साल ही काम कर पाए। दो साल कोरोना में बित गया। तीन साल में जितना काम हुआ, वह संतोषजनक रहा। भुइयांडही लाल भट्ठा एरिया में पानी की व्यवस्था की। बिरसानगर में सड़क बनवाई। टाटा स्टील से पानी देने की व्यवस्था शुरू कराई। जेम्को में शवदाह गृह बनवाया। मोहरदा में करीब 6 हजार नए कनेक्शन देने का काम हुआ। मालिकाना हक को लेकर जो गलतियां हुई थी, उसे दूर किए बगैर मालिकाना हक की समस्या का हल नहीं हो सकता है। विधायक ने कहा कि मानगो नगर निगम तो बन गया, लेकिन उसका अपना कार्यालय नहीं बन पाया। कचरा निष्पादन का रास्ता नहीं निकल सका। नतीजा मामले में हलफनामा देने के बावजूद सोनारी में ही डंपिंग होती रही।

पुरुषों के खाते में कैसे पहुंची मंईयां सम्मान योजना की राशि सामने आया झोल, कंप्यूटर ऑपरेटर की डील ने सबको चौंकाया

खरौंधी (गढ़वा), एजेंसी। मंईयां सम्मान योजना में एक बड़ा खेल सामने आया है। दरअसल, गढ़वा के खरौंधी प्रखंड में ब्लॉक के कंप्यूटर ऑपरेटर ने खेल कर दिया है।

बताया जा रहा है कि जब मंईयां सम्मान योजना का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा था। उसी समय पंचायत कार्यालय में लगे कुछ कंप्यूटर ऑपरेटरों ने चंद पैसे की लालच में जिन महिलाओं का रजिस्ट्रेशन किया।

उसमें उसने अपने जान-पहचान के लोगों के बैंक खाता संख्या भी डाल दिया। कंप्यूटर ऑपरेटर की इस एक गलती के कारण एक ही महिला के बैंक खाता में आठ-आठ लाभुकों का पैसा जा रहा है।

इतना ही नहीं, कंप्यूटर ऑपरेटर की इस करतूत से एक पुरुष के खाते में भी आधा दर्जन महिला लाभुकों का पैसा जा रहा है।

इसके कारण लाभुक महिलाओं का रजिस्ट्रेशन तो हुआ, परंतु उनके खाता में राशि नहीं आ रही है। इसको लेकर महिला लाभुक प्रखंड कार्यालय पहुंचकर अपना रजिस्ट्रेशन चेक कराने के लिए लगातार चक्कर लगा रही हैं।

बताया जा रहा है कि इस प्रकार खरौंधी प्रखंड में बड़ी संख्या में महिला लाभुक हैं। जिनका नाम मंईयां सम्मान योजना में रजिस्टर्ड हुआ है, लेकिन उनके बैंक खाता में पैसा नहीं पहुंचा है।

जानकारी के अनुसार, फिलहाल प्रखंड के एक पंचायत में इस प्रकार का मामला सामने आया है। लोगों का कहना है कि अगर इसकी निष्पक्ष जांच हो तो प्रखंड में इस प्रकार के चौंकाने वाली संख्या सामने आएंगी। कूपा पंचायत के सत्यनारायण गुप्ता नाम के एक व्यक्ति के बैंक खाते में छह महिलाओं की राशि जा रही है।

जानकारी मिल रही है कि सत्येंद्र साह के खाते में एक महिला, मुकेश साह के खाते में एक महिला लाभुक की राशि, लालती देवी के खाते में गांव की आठ महिला लाभुकों की राशि जा रही है।

इसके अलावा, रेशम देवी के बैंक खाते में कूपा गांव की ही सुनीता देवी, रानी कुमारी, देवंती देवी, पुनीता देवी, चानी कुमारी और सविता देवी का पैसा जा रहा है।

पूछे जाने पर उक्त सभी महिला लाभुकों का कहना था कि जब हमारे खाते में पैसा आता है तो उन्हें कंप्यूटर ऑपरेटर को प्राप्त राशि का आधा पैसा देना पड़ता है।

कुपा गांव से कुछ लाभुकों ने इस मामले को सामने लाया है। इसकी जांच कर कठोर कार्रवाई की जाएगी।- रवींद्र कुमार, बीडीओ खरौंधी।

जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा मामले में झारखंड हाई कोर्ट में अगली सुनवाई पांच फरवरी को

रांची, एजेंसी। झारखंड हाई कोर्ट में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की सीबीआई जांच कराने वाली बुद्धदेव उरांव की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हुई। हाई कोर्ट के जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने सीबीआई को मामले में दायर आरोप पत्र को कोर्ट के रिकॉर्ड में लाने का निर्देश दिया। इससे पूर्व सीबीआई की ओर से कोर्ट को बताया गया कि मामले में रांची की सीबीआई की अदालत में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है। इस संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई पांच फरवरी तय की है। पिछली सुनवाई में खंडपीठ ने सीबीआई को जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय गड़बड़ी से संबंधित केस नंबर आरसी 5/2012 और आरसी 6/2012 के अनुसंधान की स्थिति पर जवाब मांगा था। जेपीएससी प्रथम परीक्षा गड़बड़ी मामले में 4 मई को, 2024 को सीबीआई ने केस नंबर आरसी 5/2012 में सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसमें सीबीआई

ने जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद, वरीय सदस्य गोपाल प्रसाद, सदस्य राधा गोविंद नागेश, सदस्य शांति देवी, परीक्षा नियंत्रक एलिस उषा रानी सिंह समेत 37 लोगों को आरोपित बनाया था। इनके अलावा अपर समाहर्ता रैंक के अधिकारी सीमा सिंह, सुषमा नीलम सोरेन, कुंवर सिंह पाहन, ज्योति कुमारी झा, अलका कुमारी, मोहनलाल मरांडी, राम नारायण सिंह, सुदर्शन मुर्मू, जेम्स सुरीन, जितेंद्र मुंडा, पूनम कच्छप, राजीव कुमार, संजीव कुमार, अनंत कुमार, परमेश्वर मुंडा, संतोष कुमार गर्ग, कमलेश्वर नारायण एवं विजय वर्मा को आरोपित बनाया है।वहीं, सीबीआई ने जेपीएससी द्वितीय परीक्षा गड़बड़ी मामले में केस नंबर आरसी 6/2012 में जेपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. दिलीप प्रसाद समेत 70 आरोपितों के खिलाफ सीबीआई की विशेष अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया है। झारखंड में प्रथम और द्वितीय जेपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी की जांच का आदेश झारखंड हाई कोर्ट ने साल 2012 में सीबीआई को दिया था। 12 साल से अधिक समय तक सीबीआई ने की मामले की अनुसंधान पूरी कर दोनों मामलों में आरोप पत्र दाखिल किया है। दरअसल, बुद्धदेव उरांव ने जेपीएससी प्रथम एवं द्वितीय की परीक्षा में अंको की हेराफेरी और रिजल्ट प्रकाशन में गड़बड़ी की जांच सीबीआई से कराने का आग्रह किया है।

पूर्वोत्तर की चिंताओं पर केन्द्र को गौर करना चाहिए

केंद्र को पूर्वोत्तर की चिंताओं पर गौर करना चाहिए। उचित यह होगा कि चीन से इस मुद्दे पर सीधी बात की जाए। चीन भी नदी जल बंटवारे संबंधी अंतरराष्ट्रीय संधियों से बंधा हुआ है। उससे इस बारे में ठोस आश्वासन मांगा जाना चाहिए। चीन के ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने के एलान से पूर्वोत्तर भारत, और यहां तक कि बांग्लादेश में भी चिंता पैदा हुई है। आशंका है कि कभी हादसा होने से बांध टूटा, तो पूरा पूर्वोत्तर डूब जाएगा। साथ ही तनाव के हालात में चीन ब्रह्मपुत्र पानी भी रोक सकता है। ब्रह्मपुत्र नदी चीन में यारलुंग सांगपो नाम से जानी जाती है। अरुणाचल प्रदेश में इसे सियांग नाम से जाना जाता है। असम पहुंचने पर उसका नाम ब्रह्मपुत्र हो जाता है। ब्रह्मपुत्र की कुल लंबाई करीब 2,880 किलोमीटर है। इसका 1,625 किलोमीटर हिस्सा चीन के तिब्बत में है। भारत में 918 और बांग्लादेश में 337 किमी इलाके में ये नदी बहती है। पर्यावरणविदों ने ध्यान दिलाया है कि चीन की ओर से अतिरिक्त पानी छोडऩे की वजह से हाल के वर्षों में अरुणाचल में तीन बार भयावह बाढ़ आ चुकी है। इसके अलावा इलाके में पहले कई अन्य प्राकृतिक आपदाएं हो चुकी हैं। वर्ष 2000 में यारलुंग सांगपो की सहायक नदी ईगोंग सांगपो में भूकंप के कारण बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुआ था। इससे अरुणाचल प्रदेश और असम में भयावह बाढ़ आई, जिससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ। ऐसी घटनाएं बाद में भी हुई हैं। इस कारण ताजा खबर आने के बाद से पूरे इलाके में चिंता गहराने की खबरें हैं। अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा है कि चीन बीते कई वर्षों से अरुणाचल से सटे सीमावर्ती इलाकों में बड़े पैमाने पर आधारभूत ढांचे का निर्माण कर रहा है। उन्होंने इस मुद्दे पर बातचीत की जरूरत बताई। केंद्र सरकार को ऐसी चिंताओं पर तुरंत गौर करना चाहिए। अब चूंकि चीन से द्विपक्षीय वार्ता फिर शुरू हो चुकी है, इसलिए उचित यह होगा कि चीन से इस मुद्दे पर सीधी बात की जाए। चीन भी नदी जल बंटवारे संबंधी अंतरराष्ट्रीय संधियों से बंधा हुआ है। उससे इस बारे में ठोस आश्वासन मांगा जाना चाहिए। भारत सरकार के लिए उचित होगा कि वह अंतरराष्ट्रीय संधियों के उपयुक्त प्रावधानों का उल्लेख इस सिलसिले में करे। संभव हो, तो बांग्लादेश को भी शामिल कर त्रिपक्षीय वार्ता के लिए पहल की जानी चाहिए।

आप के लिए चुनौतियां कठिन

दिल्ली विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। यहां मतदान 5 फरवरी को होगा और नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। वैसे चुनाव कार्यक्रम घोषित होने से काफी पहले ही चुनाव अभियान चरम पर पहुंच चुका था। 2014 के बाद दिल्ली की राजनीति आप बनाम भाजपा के बीच दो ध्रुवीय हो गई है। इसके पूर्व भाजपा और कांग्रेस ही मुख्य पार्टियां होती थीं। 2013 से कांग्रेस का पतन आरंभ हुआ और पिछले दो विधानसभा चुनाव से वह शून्य पर है। भाजपा भी 1998 से सत्ता से बाहर है। भाजपा सत्ता में आना चाहती है तो कांग्रेस भी दिल्ली की मुख्यधारा में वापसी की कोशिश में है। प्रश्न है कि क्या इस बार पिछले दो विधानसभा चुनावों से अलग परिणाम आएगा? क्या सत्ता परिवर्तित होगी? क्या दिल्ली की राजनीति तीन ध्रुवीय होगी? पिछले चुनाव तक कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व की नीति किसी तरह भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सत्ता में आने से रोकना था। इसके लिए वह हर तरह का समझौता कर रही थी। लोक सभा चुनाव में आप के साथ सीटों पर समझौता भी हुआ। कांग्रेस ने रणनीति बदली और वाकई दिल्ली में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही है। बावजूद कुछ समय पूर्व लगता था कि आप तीसरी बार एकपक्षीय जीत प्राप्त कर सकती है। चुनाव या किसी संघर्ष में प्रतिद्वंद्वी को पराजित करने का सबसे बड़ा सूत्र आक्रामक होना है यानी आक्रामक होकर प्रतिद्वंद्वी को उत्तर देने तक सीमित रख दीजिए। केजरीवाल ने लगातार ऐसी घोषणाएं कीं जिससे भाजपा के सामने उत्तर देने का विकल्प दिखता था। भाजपा और कांग्रेस, दोनों केजरीवाल की घोषणाओं का तथ्यात्मक खंडन करती रहीं, उनकी विसनीयता को भी अतीत के आधार पर प्रश्नों के घेरे में लाती रहीं लेकिन ऐसा नहीं था कि एजेंडा भाजपा तय कर रही हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चुनाव मैदान में उतरने तथा उम्मीदवारों की सूची जारी होने के साथ स्थिति बदलती दिख रही है। केजरीवाल की सबसे बड़ी ताकत मुफ्त की घोषणाएं रही हैं। इस बार उनका सबसे बड़ा दांव मंदिरों के पुजारियों और गुरु द्वारों के ग्रंथियों को 18 हजार रुपया मासिक वेतन देने की घोषणा है। इसके पहले महिला सम्मान योजना 2100 रुपया तथा वरिष्ठ नागरिकों के लिए निएवं सार्वजनिक अस्पतालों में निशुल्क उपचार की संजीवनी योजना घोषित की। इस समय मुस्लिम मतदाताओं की राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का समर्थन करने की प्रवृत्ति उभरी है। कांग्रेस की आक्रामकता देखकर आप को लग रहा है कि दिल्ली के 11-12 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता उसके पास गए तो समस्या बढ़ जाएगी। दूसरे, केजरीवाल को समझ आ गया है कि देश में हिन्दुत्व राजनीति का मुख्य निर्धारक विचारधारा के रूप में बना रहेगा। इसका ध्यान रखते हुए उन्होंने पुजारियों और ग्रंथियों के वेतन की घोषणा कर दी तथा भाजपा द्वारा प्रश्न उठाने के बाद कहा कि वह बताए कि इसके पक्ष में है या नहीं? वे पुजारियों और ग्रंथियों को वेतन देना चाहते हैं, या नहीं? यह ऐसा प्रश्न था जिसका स्पष्ट उत्तर देना किसी भी पार्टी के लिए कठिन है। केजरीवाल के बोलने, लोगों को लुभाने की चतुर शैली का उत्तर किसी पार्टी के लिए देना कठिन रहा है। भाजपा का पुजारी प्रकोष्ठ दिल्ली में अत्यंत सक्रिय है, और उनके कारण पार्टी की ताकत भी बढ़ी है। केजरीवाल ने इसी पर चोट करने के रणनीति अपनाई और नहीं कहा जा सकता कि इसका असर नहीं हुआ। लालच किसी को भी डिगा सकता है। इमामों को 18 महीने से वेतन न मिलने का मामला भले ही कांग्रेस या दूसरे विरोधियों के लिए केजरीवाल को कठघरे में खड़ा करने का आधार हो, आप हिन्दुत्व समर्थकों के बीच संदेश देने की रणनीति अपना रही है कि हम घोषणा के बावजूद उनको वेतन दे नहीं रहे और केवल पुजारियों और ग्रंथियों को देंगे। सार्वजनिक रूप से न बोलते हुए भी जमीन पर ऐसा प्रचार देखा जा सकता है। भाजपा शायद इस रणनीति को आरंभ में नहीं समझ पाई। बावजूद आप और केजरीवाल के लिए यह चुनाव 2015 और 2020 से गुणात्मक रूप से काफी भिन्न और बड़ी चुनौतियों वाला है। भाजपा ने जैसे उम्मीदवार उतारे हैं, उनसे पिछले दो विधानसभा चुनावों के विपरीत लगता है कि वह जीतने के लिए लड़ रही है। केजरीवाल के विरु द्ध प्रवेश वर्मा तथा मुख्यमंत्री आतिशी के विरुद्ध रमेश बिधूड़ी को उतारना इसका प्रमाण है। कांग्रेस की ओर से संदीप दीक्षित केजरीवाल को चुनौती दे रहे हैं, और पार्टी ने अच्छे उम्मीदवार उतारे हैं यानी दोनों पार्टियां केजरीवाल को किसी भी तरह पराजित करना चाहती हैं।

राजनैतिक पूंजी गंवा चुकी ‘आआपा’ के समक्ष किला बचाने की चुनौती

विकास सक्सेना

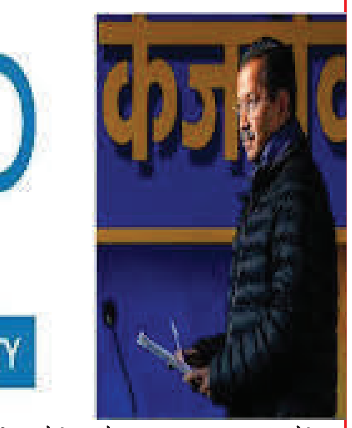

दिल्ली की सत्ता पर पिछले दस साल से काबिज आम आदमी पार्टी को इस बार के विधानसभा चुनाव में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अण्णा हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के गर्भ से जन्मे इस राजनैतिक दल के नेता खुद भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिरे हुए हैं। जिस राजनैतिक जमा पूंजी के साथ इस राजनैतिक दल का गठन किया गया था, बीते एक दशक में ही उसके नेताओं ने इसे पूरी तरह गंवा दिया है। पार्टी की स्थापना के समय जो उच्च नैतिक मानदंड और आदर्श स्थापित किया गए थे वे दूर-दूर तक पार्टी नेताओं के व्यवहार में नजर नहीं आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल विपक्ष के साथ- साथ अपने पूर्व सहयोगियों के भी निशाने पर हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान अण्णा हजारे के नेतृत्व में भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन शुरू हुआ। उस समय टू जी स्पेक्ट्रम, कामनवेल्थ गेम्स, आदर्श हाउसिंग सोसाइटी और कोयला घोटाले जैसे लाखों करोड़ रुपये के घपलों के समाचार लगातार मीडिया की सुर्खियां बन रहे थे। तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार के दौरान हुए घोटालों के खिलाफ सीएजी की रिपोर्ट और न्यायालय के आदेशों से लोगों को लगने लगा था कि सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग या तो खुद भ्रष्टाचार में लिप्त या भ्रष्टाचारियों को उनका संरक्षण प्राप्त है। लगातार दूसरी बार देश की सत्ता पर काबिज होने से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों का दंभ चरम पर था। भ्रष्टाचार से जुड़े हर सवाल के जवाब में वे एक ही बात कहते नजर आते थे कि 2009 के आम चुनाव में दूसरी बार सत्ता सौंप कर देश की जनता ने उन्हें क्लीन चिट दे दी है। ऐसे में समाजसेवी अण्णा हजारे के नेतृत्व में इण्डिया अगेंस्ट करप्शन के बैनर तले दिल्ली के जन्तर-मन्तर पर भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन शुरू किया गया। इस आंदोलन की सिर्फ एक मांग थी कि देश में जनलोकपाल बनाया जाए। असीम शक्तियों से सम्पन्न यह जनलोकपाल देश से भ्रष्टाचार को खत्म कर देगा। इसी समय योग गुरू बाबा रामदेव ने भी विदेशों में जमा काले धन को वापस लाने की मांग को लेकर दिल्ली में आंदोलन शुरू किया। जिसे सरकार ने निर्ममता पूर्वक कुचल दिया। देश की जनता राजनेताओं, बड़े कॉरपोरेट घरानों और नौकरशाही की दुरूभि संधि से दिनों-दिन बढ़ते भ्रष्टाचार को अपने दैनिक जीवन में महसूस कर रही थी। जनलोकपाल का जो खाका अण्णा हजारे के आंदोलन के समय पेश किया गया उसे देख कर लोगों ने महसूस किया कि इससे भ्रष्टाचार की समस्या पर काफी हद तक काबू किया जा सकेगा। लेकिन सत्ताधारी कांग्रेस के नेताओं ने जनलोकपाल बनाने की मांग का उपहास करते हुए आंदोलन से जुड़े नेताओं को खुद राजनीति में आकर इस तरह का कानून बनाने की चुनौती दी। अण्णा आंदोलन को देशभर में मिले व्यापक जनसमर्थन और तत्कालीन सत्ताधारी दल कांग्रेस के विरुद्ध तैयार हो रहे जनमत से उत्साहित आंदोलन से जुड़े कुछ नेताओं ने राजनैतिक क्षेत्र में व्याप्त गंदगी को साफ करने के लिए लिए स्वयं इस दलदल में उतरने की योजना बनाई। हालांकि अण्णा हजारे इस आंदोलन से जुड़े लोगों के राजनीति में उतरने के विचार से सहमत नहीं थे। वैकल्पिक राजनीति के नए विचार के साथ अरविन्द केजरीवाल, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, शाजिया इल्मी आदि ने एक नया राजनैतिक दल बनाने की योजना तैयार की और इसे नाम दिया गया- आम आदमी पार्टी। इस राजनैतिक दल की औपचारिक घोषणा के लिए दिन चुना गया 26 नवम्बर 2012 का ताकि देश की जनता को भारत के संविधान के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता का सीधा संदेश दिया जा सके। संविधान सभा ने 26 नवम्बर 1949 को ही देश के संविधान को स्वीकृति प्रदान की थी। इसी समय पार्टी की विचारधारा को स्पष्ट करते हुए अरविन्द केजरीवाल ने कहा था ‘हम आम आदमी हैं। अगर वामपंथी विचारधारा में हमारे समाधान मिल जायें तो हम वहां से विचार उधार ले लेंगे और अगर दक्षिणपंथी विचारधारा में हमारे समाधान मिल जायें तो हम वहां से भी विचार उधार लेने में खुश हैं।’ आम आदमी पार्टी की स्थापना के समय सबसे ज्यादा जोर देते हुए कहा गया कि अब तक देश की सत्ता पर काबिज रहे राजनैतिक दलों में तमाम प्रकार के दुर्गुण आ गए हैं। नया दल इन दुर्गुणों से मुक्त रहकर नए प्रकार से राजनीति करते हुए देश को वैकल्पिक राजनीति का मॉडल देगा। उस समय ऐलान किया गया कि इस दल में ‘हाई कमान कल्चर’ नहीं होगा, सभी निर्णय सामूहिक तौर पर लिए जाएंगे। पार्टी नेताओं को भ्रष्ट आचरण से दूर रखने के लिए पार्टी का अपना लोकपाल होगा जो सभी नेताओं की निगरानी करेगा। बड़े-बड़े आदर्शों के साथ शुरू हुई आम आदमी पार्टी ने चंद महीनों के भीतर खुद को पारंपरिक राजनीति के अनुरूप ढालना शुरू कर दिया। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2013 में पहली बार जनता की अदालत में पहुंची आम आदमी पार्टी के 28 उम्मीदवारों को लोगों ने विधानसभा पहुंचा दिया। सत्ता की चाह में बच्चों की कसम और सभी आदर्शों को भुलाकर अरविन्द केजरीवाल ने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बना ली। इसके बाद एक-एक करके उन सारे आदर्शों को तिलांजलि दे दी गई जिनकी बात 26 नवम्बर 2012 को की गई थी। पार्टी के अधिकांश संस्थापक सदस्यों प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी, कुमार विश्वास आदि ही नहीं बल्कि पार्टी के आंतरिक लोकपाल एडमिरल रामदास तक को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। आम आदमी पार्टी से जुड़े नेता सत्ताधारी पार्टी के नेताओं को सादगी पूर्ण जीवन की बात कहते हुए छोटे मकान, छोटी कार और सीमित सुरक्षा की नसीहत देते थे लेकिन सत्ता में आते ही आआपा नेता उन सभी सुख-सुविधाओं को भोगते नजर आ रहे हैं जिसे लेकर वे राजनेताओं की तीखी आलोचना किया करते थे। खासतौर पर अरविन्द केजरीवाल पर कोरोना काल में अपने सरकारी आवास की मरम्मत पर 33 करोड़ रुपये खर्च करने के आरोप लगे। लाखों रुपये के पर्दे, टॉयलेट और टायल्स आदि को लेकर चर्चा में आया उनका आवास शीशमहल के तौर पर आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इसके अलावा अरविन्द केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन समेत पार्टी के तमाम नेता और मंत्री महिला उत्पीड़न, धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में जेल की हवा खा चुके हैं। जहां तक हाईकमान संस्कृति की बात है तो ऐसा लगता है कि अरविन्द केजरीवाल अब पार्टी के स्थायी राष्ट्रीय संयोजक हो चुके हैं। उनके शब्द पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अंतिम आदेश है और मुख्यमंत्री पद के एकमात्र दावेदार भी वही होंगे। अगर मजबूरी में कोई दूसरा मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर भी बैठेगा तो उसे ‘भरत भाव’ में रहना होगा। भ्रष्टाचार विरोधी अण्णा आंदोलन के गर्भ से जन्मी आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी उसके नेताओं की भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रतिबद्धता और सादगी पूर्ण जीवन थी। लेकिन इन दोनों मामलों में आआपा नेताओं खासा निराश किया। पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनने के बाद दिल्ली में जनलोकपाल बनाने की कोशिश करने वाली आआपा ने पंजाब में सरकार बनने के बाद जनलोकपाल का नाम भी नहीं लिया है। भ्रष्टाचार के आरोपित और सजायाफ्ता नेताओं के साथ मंच साझा किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं शराब घोटाले में जेल जाने के बावजूद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा न देकर अरविन्द केजरीवाल ने आआपा की सारी राजनैतिक पूंजी गंवा दी। दिल्ली विधानसभा चुनाव सीधे तौर पर केजरीवाल के राजनैतिक अस्तित्व से जुड़ा है, ऐसे में उनके पास अपना राजनैतिक किला बचाने के लिए लोकलुभावन घोषणाओं का ही सहारा बचा है।

सहकारिताः एक सतत और समावेशी वैश्विक भविष्य की कुंजी

मुरलीधर मोहोल

हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) का वैश्विक सहकारी सम्मेलन 2024, सौ से अधिक देशों से आए वैश्विक नेताओं की एक सभा मात्र न होकर कहीं अधिक मायने रखता है; यह एक सतत एवं न्यायसंगत भविष्य को आकार देने में सहकारी समितियों के बढ़ते महत्व का प्रमाण है। सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 का शुभारंभ किया, जो एक महत्वपूर्ण वैश्विक पहल है जिसका मूल उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यानाकर्षित कराना है। यह वर्ष वैश्विक, आर्थिक और सामाजिक विमर्श का वह महत्वपूर्ण अध्याय बन रहा है, जहाँ सहकारी समितियों को न केवल स्थानीय विकास के साधन बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में भी पहचान दी जा रही है।

सहकारी मॉडलः आस्तित्व में समुदायिक पर वैश्विक बदलाव के लिए तैयार-सहकारी मॉडल के मूल में एक सरल लेकिन शक्तिशाली अवधारणा निहित है - परस्पर लाभ के लिए एक साथ काम करते लोग। सहकारिता सामूहिक स्वामित्व, साझा जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक निर्णय लेने पर जोर देती है। इन सिद्धांतों ने दुनिया भर में कृषि, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सेवाओं से लेकर ऊर्जा उत्पादन तक उल्लेखनीय सफलताएँ दिलाई हैं। भारत में, सहकारी समितियाँ ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं । उदाहरण के लिए, अमूल ने न केवल भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक बना दिया है, बल्कि सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भरता और समृद्धि का प्रतीक भी बन गया है। अमूल जैसी डेयरियां उन सभी महिलाओं को सशक्त बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में महिला नेतृत्व वाले विकास का समर्थन करती हैं, जो महिलाएं व्यावसायिक दूध उत्पादक के लिए ऐसी समितियों से जुड़ी हुई हैं। अपने सहकारी मॉडल के माध्यम से ये सहकारी समितियाँ नेतृत्व की भूमिकाएँ, कौशल विकास और वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं, जिससे महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने में मदद मिलती है और अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका और मजबूत होती है।

सहकारी मॉडल को बढ़ावा देने में भारत का नेतृत्व-भारत ने लंबे समय से आर्थिक परिवर्तन और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने के साधन के रूप में सहकारी समितियों के मूल्य को पहचाना है। नई दिल्ली में आयोजित आईसीए वैश्विक सहकारी सम्मेलन के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति ने सहकारी आंदोलन के प्रति भारत की गहरी प्रतिबद्धता को उजागर किया है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के शुभारंभ के दौरान उनके संबोधन ने एक आत्मनिर्भर, समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में सहकारिता की भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण ने हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने की सहकारी क्षेत्र की क्षमता पर भी प्रकाश डाला, खासकर ग्रामीण भारत में, जहाँ सहकारी समितियाँ, कृषि और डेयरी फार्मिंग जैसे क्षेत्रों की रीढ़ बनी हुई हैं। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत सरकार ने सहकारी क्षेत्र को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सरकार द्वारा सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए लिए जा रहे कदम इस मान्यता को उजागर करते है कि सहकारी समितियाँ केवल अतीत की निशानी नहीं हैं, बल्कि समकालीन आर्थिक और सामाजिक विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। सहकार से समृद्धि का विजनः भारत के सहकारी क्षेत्र का आधुनिकीकरण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन ने देश के सहकारी परिदृश्य को नया आयाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके कुशल दिशानिर्देशों में, भारत एक आधुनिक सहकारी ढांचे की ओर बढ़ रहा है जो डिजिटल अर्थव्यवस्था की मांगों के अनुरूप है। सहकारी समितियों की पहुँच और प्रभावशीलता का विस्तार करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की प्रधानमंत्री और सहकारिता मंत्री की सोच तेसे डिजिटल होती दुनिया में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। सहकारी समितियों का भविष्य, बदलते समय के साथ इनके विकसित होने, और दक्षता में सुधार के लिए आधुनिक उपकरणों को समाहित करने की उनकी क्षमता में निहित है।

वैश्विक एजेंडाः सहकारिता और सतत विकास लक्ष्य-विश्व जब आर्थिक असमानता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक अशांति से जूझ रहा है, तो सहकारिता, विकास के लिए एक वैकल्पिक मॉडल पेश करती है जोकि समावेशी, लोकतांत्रिक और लचीला है। सहकारी मॉडल का जोर एकजुटता, आपसी सहयोग और लोकतांत्रिक भागीदारी पर है, जो इसे प्रमुख वैश्विक समस्याओं को संबोधित करने के लिए अद्वितीय बनाता है। सहकारी समितियां वित्तीय लाभ से अधिक लोगों की प्राथमिकताओं पर जोर देती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आर्थिक गतिविधियों के लाभ और व्यापक रूप से वितरित हो सके, जिससे वंचित सशक्त बनें और सामाजिक अंतर को कम करने में मदद मिले। सहकारिता आंदोलन को सतत विकास लक्ष्यों के साथ जोड़कर भारत ने खुद को सतत और समावेशी विकास के लिए वैश्विक अधिवक्ता के रूप में स्थापित किया है। संक्षेप में, सहकारिता एक समावेशी और टिकाऊ वैश्विक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में एक अहम भूमिका निभाती है। आगे की राहः एक सहकारी भविष्य सहकारिता केवल एक आर्थिक उपकरण नहीं हैं - वह सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और पर्यावरणीय स्थिरता प्राप्त करने का एक शक्तिशाली साधन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में ‘सहकार से समृद्धिÓ के विजन से ही 140 करोड़ की आबादी वाले हमारे देश को एक बेहतर भविष्य दिया जा सकता है । एक ऐसी दुनिया बनाई जा सकती है जहाँ विकास को साझा किया जाता है, जहां असमानताएँ न्यून होती हैं और जहां समुदाय सहकार से सशक्त होकर जनमानस समृद्ध होते हैं। लेखक केन्द्रीय सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री हैं

मेष राशिः आज आपके लिए दिन पॉज़िटिव रहने वाला है। आज आपका पारिवारिक मामला किसी बड़े बुजुर्ग की सहायता से सुलझ जाएगा। आज नियमित कार्यों के अतिरिक्त कुछ और जानकारियां हासिल करने में भी समय बीतेगा। सामाजिक गतिविधियों में आपकी उपस्थिति और विचार सराहनीय रहेंगे। कुछ लोग प्रतिस्पर्धा की भावना से आपके प्रति अफवाह फैला सकते हैं।

वृष राशिः आज आपका दिन खास रहने वाला है। आज आप कई तरह की गतिविधियों में दिन बिताएंगे इसके साथ ही कठिन से कठिन काम को पूरे निश्चय के साथ पूरे कर लेंगे। आज व्यवसाय में मुनाफा दायक स्थिति बन रही है। आज किसी प्रोजेक्ट को लेकर ऑफिशियल यात्रा संभव है। आज पारिवारिक व्यवस्था को लेकर विचार विमर्श करेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला है। आज ऑफिस में आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे आपको सफलता मिलेगी। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा और रुका काम भी व्यवस्थित होगा। आज घर परिवार संबंधी समस्याओं को सुलझाने में सफल रहेंगे। अगर आपका कहीं पैसा अटका हुआ है तो आज उसकी वसूली करने का भी उचित दिन है।

कर्क राशिः आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज दिन भर सकारात्मक और अनुशासित दृष्टिकोण आपको खुश रखेगा। स्वयं की सूझबूझ से लिए गए निर्णय के उचित परिणाम हासिल होंगे। विद्यार्थियों को इंटरव्यू या करियर से संबंधित क्षेत्र में सफलता मिलने की पूरी संभावना है।

सिंह राशिः आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बिजनेस के लिए दिन अच्छा है। आज रियल स्टेट में फायदेमंद डील फाइनल हो सकती है। ऑफिस के कार्यभार की अधिकता की वजह से ओवर टाइम भी करना पड़ सकता है। घर का वातावरण मधुर और खुशनुमा बना रहेगा। आज जीवनसाथी के साथ भावनात्मक नजदीकियां बनाने में आपका प्रयास जरूरी है। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आज परिवार में विशेष लोगों का आवागमन हो सकता है। आज आप इसकी तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज आप अपने जीवन में किसी प्रकार का बड़ा निर्णय लेना चाहते हैं, परंतु कुछ उलझनों के कारण आप नहीं ले पाएंगे। कविता लिखने के शौक़ीन लोगों को आगे बढ़ने का प्लेटफार्म किसी दोस्त की मदद से मिलेगा।

तुला राशिःआज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कारोबार में अपनी मेहनत से आगे बढ़ेंगे। आज अच्छी खबर आपको मिलेगी। आज बच्चों के साथ समय बिताएंगे उनके मन की बातों को समझेंगे। काफी समय से आपके रिश्ते की बात चल रही थी वो जल्द पक्की होगी। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आपके मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है जिसे आप निराश नहीं करेंगे। नये प्रॉजेक्ट को पूरा करने में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आज आपको पिछले कुछ समय से अपने करियर और निजीवन संबंधी किए गए प्रयासों का फल मिलने का समय है।

धनु राशिःआज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन में अपनापन बढ़ेगा। आज शाम का डिनर बाहर करेंगे। बच्चों के साथ आपसी लगाव बढ़ेगा। शिक्षकों के ट्रांसफर की परेशानियां खत्म होंगी। आर्थिक स्थिति में मजबूती आयेगी। इस राशि के लवमेट की गलतफहमियां खत्म होंगी।

मकर राशिःआज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। खान-पान में लापरवाही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। कानूनी कार्यों के लिए भागदौड़ से थकावट का एहसास होगा। दांपत्य जीवन में आज एक दूसरे को समझकर चलना होगा, इससे गलत फेहमियाँ नहीं होंगी। कारोबार में सुखद बदलाव आयेगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अचानक धनलाभ होने के योग बन रहे है। जीवनसाथी के साथ में किसी बात को लेकर मीठी नोक-झोक होगी। पहले दिए हुए किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम आज आपके फेवर में आएगा। आज घर के किसी महिला को बड़ी सफलता मिलने के योग हैं।

मीन राशिःआज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आज आपके स्वास्थ्य में बेहतरी बनी रहेगी। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी। जमीन जायदाद से जुड़े कार्य प्रगति से आगे बढ़ेंगे।

शब्द पहेली - 8374

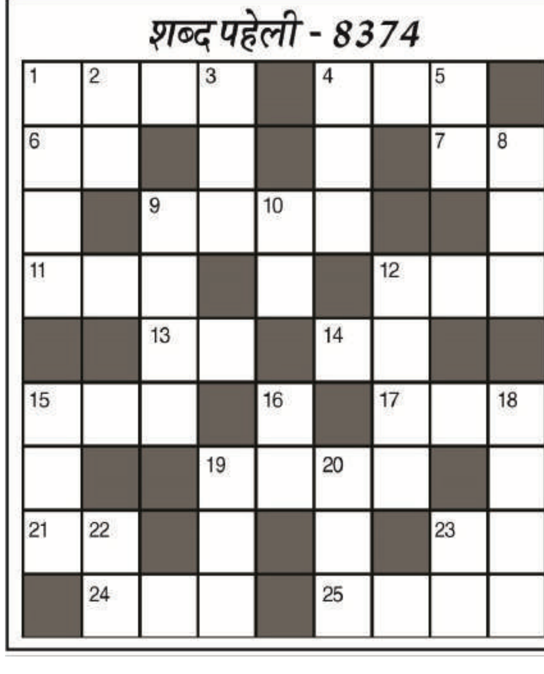

बाएँ से दाएँ

1.कलाकार,अदाकार-4
4.फूलों की छोटी माला,वेणी-3
6.पैर,पांव-2
7.अधिकार-2
9.खानाबदोश,बंजारा-4
11.राशन,खाद्य सामग्री-3
12.टेसू के फूल-3
13.कपोल,रुखसार-2
14.विजय-2
15.डोली उठाने वाले-3
17.जल प्रपात-3
18.गठबंधन-4
21.पानी,जल-2
23.नौका-2
24.देह,काया,शरीर-3
25.अगुवा,राह दिखाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1.उपवास का खाना-4
2.झुका हुआ-2
3.व्यवहार-3
4.समयघोष-3
5.मार्ग,पथ-2
8.गागर,घड़ा,घट-3
9.स्मारक-4
10.हत्या,कत्ल-2
12.पत्तों के गिरने का मौसम-4
15.कथा,गाथा-3
16.अष्टम-2
18.नामचीन-4
19.रवाना होना-3
20.विदूषक,मसखरा-3
22.ईश्वर,भगवान-2
23.बटन,स्विच-2

शब्द पहेली -8373 का हल

■	र	ह	म	त	■	म	■	■
■	ह	■	द	■	प	न	घ	ट
स	ब	ल	■	वी	रा	न	■	क
■	र	की	ब	■	या	■	ना	रा
स	■	र	ज	त	प	ट	■	ब
र	वि	■	ब	■	न	ह	र	■
ह	■	म	जा	क	■	नी	वा	ला
द	फ	ना	ना	■	सा	■	य	■
■	■	ही	■	ग	फ	ल	त	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

‘पुष्पेश पब्लिकेशन’, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा ‘पुष्पेश’** द्वारा प्रकाशित तथा ‘गोपीन्दु इंटरप्राइजेज’ प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित।पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा ‘पुष्पेश’***; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव**।
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ° यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरुवार, 16 जनवरी, 2025

रेलवे बोर्ड से मिली मंजूरी: उत्तर बिहार की 63 रेल गुमटियों पर रेल ओवर ब्रिज बनेगा

रेलवे बोर्ड के निर्देश पर सभी के लिए डीपीआर निर्माण शुरू

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा, राहुलनगर, शेरपुर, दिघरा, दामोदरपुर व बीबीगंज समेत उत्तर बिहार की 63 रेल गुमटियों पर रेल ओवर ब्रिज बनेगा। गति शक्ति परियोजना के तहत सोनपुर रेल मंडल में कुल 63 रेल ओवर ब्रिज निर्माण के लिए रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिल गई है। सभी स्पेशल रेल गुमटियों के अलावा ट्रैफिक यूनिट व्हीकल (टीवीयू) एक लाख व इससे अधिक वाली रेल गुमटियों पर रेल ओवर ब्रिज का निर्माण होगा। केंद्र सरकार ने गति शक्ति परियोजना के तहत ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए व्यापक रणनीति बनाई है। परियोजना के तहत व्यस्त रेल गुमटियों पर रेल ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए रेलवे बोर्ड ने सभी रेल मंडलों से प्रस्ताव की मांग की थी। सोनपुर रेल मंडल के अधीन मुजफ्फरपुर, हाजीपुर, समस्तीपुर, बरौनी, खगड़िया, नवगछिया व सारण जिले की 63 अति व्यस्त रेल गुमटियों पर रेल ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा गया। रेल ओवर ब्रिज को जमीन पर उतारने के लिए रेलवे के निर्माण विभाग की ओर से डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाई जा रही है। डीपीआर के बाद अलगे माह प्रस्तुत होने वाले केंद्रीय आम बजट में उत्तर बिहार के 63 रेल ओवर ब्रिज के लिए राशि स्वीकृत की जा सकती है। एक रेल ओवर ब्रिज के निर्माण पर करीब 40 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। फिलहाल, मुजफ्फरपुर में चार रेल ओवर ब्रिज निर्माणाधीन हैं। इसमें बीबीगंज एनएच (संजय सिनेमा पुल), माड़ीपुर आउटर, मोतीपुर व महवल शामिल हैं। वहीं, शहर के तीन रेल ओवर ब्रिज का जल्द निर्माण शुरू होगा, जिसमें गोबरसही, रामदयालुनगर व सादपुरा शामिल हैं।

क्या है केंद्र सरकार की गति शक्ति योजना

रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने के लिए गति श?क्ति परियोजना लांच की गई है। गति शक्ति पहल के तहत 52,000 करोड़ रुपए की सड़क और रेलवे की छह बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं को मंजूरी देने की सिफारिश की गई है। गति शक्ति को शुरू करने के बाद से नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा मूल्यांकन की गई परियोजनाओं की लागत करीब 11.53 लाख करोड़ रुपए है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की चार परियोजनाएं और रेल मंत्रालय की दो परियोजनाएं शामिल हैं।

केंद्र सरकार ने साल 2022-23 के बजट में पीएम गति शक्ति मिशन का ऐलान किया था। यह 100 लाख करोड़ की योजना है। इस योजना के जरिए सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर को क्षेत्र में रिफॉर्म करना चाहती है। सोनपुर रेल मंडल के डीआरएम विवेक भूषण सूद का कहना है कि सोनपुर रेल मंडल में कुल 63 रेल ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। गति शक्ति परियोजना के तहत रेल ओवर ब्रिज को मंजूरी दी गई है। रेल ओवर ब्रिज के निर्माण से ट्रेनों के साथ सड़क परिवहन की गति बढ़ेगी।

नि :स्वार्थ सेवा के लिए मुजफ्फरपुर के पूर्व सैनिक मनोज पुरस्कृत

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। वायुसेना में रहे मुजफ्फरपुर के मनोज कुमार सिंह, पटना के आरएन उपाध्याय व अनिल कुमार को नौवें वेटरंस डे पर मंगलवार को पुरस्कृत किया गया। सैन्य क्षेत्र में निःस्वार्थ सेवा के लिए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने यह पुरस्कार प्रदान किया। शौर्य संवाद का आयोजन दानापुर स्थित बिहार रेजिमेंटल सेंटर मैदान में किया गया था। निःस्वार्थ सेवा करने वाले पूर्व सैनिकों की सूची सैनिक कल्याण निदेशालय ने सभी जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारियों से मांगी थी। मनोज कुमार सिंह सार्जेंट पद से अवकाश प्राप्त हैं। शहर के भगवानपुर भवानीनगर में रहते हैं। मूलतः साहेबगंज के रहनेवाले हैं। रिटायरमेंट के बाद मनोज ने एक निजी कंपनी में भी योगदान दिया था, लेकिन समाजसेवा के भाव की वजह से उसे छोड़ दिया। इसके बाद मुजफ्फरपुर मिलिट्री स्टेशन हेडक्वार्टर के तत्कालीन एसएसओ कर्नल नीरज कुमार के साथ मिलकर पूर्व सैनिकों के लिए काम करना शुरू किया। स्पर्श माइग्रेशन, ओआरओपी, पूर्व सैनिकों की बेटियों की शादी, ऑनलाइन जीवन प्रमाणपत्र बनवाना आदि कई काम शुरू किये। मनोज दहेज प्रथा को चुनौती देते हुए पूर्व सैनिक की बेटी की शादी कराने को लेकर भी चर्चा में रहे। मीनापुर के पूर्व सैनिक की राशि सैन्य कार्यालय में कई वर्षों से अटकी थी। जानकारी होने के बाद मनोज ने स्वयं पहल करते हुए उनकी राशि का भुगतान दो सप्ताह में कराया। इसके लिए भी वह सुर्खियों में बने। मनोज एयरफोर्स एसोसिएशन मुजफ्फरपुर चैप्टर और पूर्व सैनिक सेवा परिषद के बैनर तले भी काम कर रहे हैं। मनोज जिला अनुश्रवण समिति के भी सदस्य हैं।

संक्षिप्त समाचार

20 जनवरी से होगी मदरसा बोर्ड की परीक्षा :बेतिया में 11 केंद्रों पर दो पालियों में लिया जाएगा एग्जाम

बेतिया, एजेंसी। बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित फोकानिया (मैट्रिक) और मौलवी (इंटर) की परीक्षाएं 20 जनवरी से बेतिया जिले में शुरू होंगी। शिक्षा विभाग ने परीक्षा के लिए 11 केंद्र निर्धारित किए हैं और संबंधित स्कूलों में एडमिट कार्ड का वितरण प्रारंभ कर दिया है। परीक्षाएं दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। प्रथम पाली सुबह 8:45 से दोपहर 12 बजे तक और द्वितीय पाली दोपहर 1:45 से शाम 5 बजे तक चलेगी। छात्रों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार, फोकानिया की परीक्षा 20 जनवरी से शुरू होगी, जिसमें पहले दिन दिनयात प्रथम और द्वितीय की परीक्षा होगी। इसके बाद क्रमशः अरबी-फारसी, उर्दू-हिंदी, गणित-विज्ञान और सामाजिक विज्ञान-अंग्रेजी की परीक्षाएं होंगी। मौलवी साइंस, कॉमर्स और इस्लामिया की परीक्षाएं 27 जनवरी तक चलेंगी। प्रैक्टिकल परीक्षाओं का आयोजन फोकानिया के लिए 2 फरवरी और मौलवी के लिए 4 फरवरी को किया जाएगा। बिहार मदरसा शिक्षा बोर्ड का मुख्य उद्देश्य धार्मिक और आधुनिक शिक्षा में संतुलन स्थापित करना है। छात्रों की सुविधा के लिए परीक्षा का विस्तृत शेड्यूल बोर्ड की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराया गया है।

आवारा कुत्तों ने 10 साल की बच्ची को नोंच-नोंच कर मार डाला

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार में आवारा कुत्तों ने 10 साल की एक बच्ची को नोंच-नोंच कर मार डाला है। दिल दहला देने वाली यह घटना समस्तीपुर की है। समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर प्रखंड के भरपुरा पटपारा के वार्ड 14 चोचाही गांव में आवारा कुत्तों ने 10 साल की मासूम को काट-काट कर मौत के घाट उतार दिया। मृत बच्ची रेशम कुमारी चोचाही गांव निवासी मनोज यादव की पुत्री बतायी गयी है। परिजनों ने बताया कि मंगलवार शाम बच्ची अपने घर के निकट खेल रही थी। उसी दौरान आवारा कुत्तों का एक झुंड वहां पहुंचा और उसने बच्ची पर हमला कर दिया। बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुन जब तक लोग दौड़कर पहुंचते तब तक कुत्तों ने बच्ची को कई जगहों पर नोंच कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। जिससे कुछ ही देर में उसकी मौत हो गयी। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पूर्व आवारा कुत्तों ने बकरी के कई बच्चों पर भी हमला कर उन्हें मौत के घाट उतारा था। तब लोगों ने बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया था। लेकिन अब इस घटना के बाद से गांव में आवारा कुत्तों से दहशत का माहौल है। ग्रामीण उससे बचने के लिए एकजुट होकर उनकी खोज में जुटे हुए हैं। इधर, परिजनों ने मृत बच्ची का मंगलवार शाम ही दाह संस्कार कर दिया।

40 हजार से अधिक ने किया बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। स्नान-दान-पुण्य का पवित्र पर्व मकर संक्रांति मंगलवार को हर्षोल्लास मनाया जाएगा। बाबा गरीबनाथ मंदिर में सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। दोपहर बाद तक जलाभिषेक का दौर चलता रहा। इधर, अखाड़ा घाट सहित अन्य घाटों पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने बूढ़ी गंडक में डुबकी लगाई। मकर संक्रांति पर बच्चों से लेकर बड़ों ने पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। बाबा गरीबनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित विनय पाठक ने बताया कि 40 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक किया और 150 से अधिक लोगों ने सत्यनारायण पूजा कराई। इसके साथ ही बड़ी संख्या में मुंडन भी हुआ। उन्होंने बताया कि खरमास के समापन होने के कारण मंगलवार से सभी तरह के मांगलिक कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया। इधर, साहू पोखर पर श्रद्धालुओं ने भगवान को लोग दही-चूड़ा और तिलकुट का भोग लगाकर आशीर्वाद लिया। ब्रह्मपुरा स्थित सर्वेश्वर नाथ मंदिर, रामदयालुनगर के मुक्ति नाथ मंदिर सहित अन्य देवालयों में भी दिनभर दर्शन पूजन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

कुंभ मेले में साथ नहीं ले गए तो बेटी ने कर ली खुदकुशी

पूर्णिया में कमरे में लटकी मिली लाश, परिजन बोले- मेला नहीं ले गए गुस्सा थी

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में 9वीं की छात्रा ने कुंभ मेला जाने की जिद की थी। परिवार के सभी लोग वहां चले गए लेकिन किशोरी को कुंभ नहीं ले गए जिसके बाद कारण मंगलवार की रात उसने अपनी जान दे दी। किशोरी का शव उसके घर के कमरे में रस्सी के सहारे पंखे से लटकता हुआ मिला। बुधवार की सुबह स्कूल जाने के लिए दादा दादी उसे नींद से जगाने गए, तो कमरे का दरवाजा बंद पाया। खिड़की से झांकने पर लड़की को मृत अवस्था में रस्सी से लटकता हुआ पाया। घटना बनमनखी की है।मृतक की पहचान बनमनखी के वार्ड 3 के विशाल बजरंगबली चौक निवासी संतोष चौधरी की बेटी स्वाति कुमारी (14) के रूप में हुई है। परिजन दादी,दादी, चाचा ने बताया कि लड़की के माता पिता, नाना नानी और छोटे बेटे के साथ कुंभ मेला जाने की तैयारी कर रहे थे। वो भी उनके साथ कुंभ देखने जाना चाहती थी। स्वाति की पढ़ाई, इससे प्रभावित होती जिस वजह से माता पिता ने उसे अपने साथ लेकर नहीं जाने का निर्णय लिया था।

मंगलवार को ही घरवाले कुंभ देखने निकले थे : तय शेड्यूल से लड़की के माता पिता, नाना नानी और बेटे को लेकर यूपी के लिए निकल चुके थे। उनके घर से निकलने के बाद लड़की ने घर वालों से बातचीत बंद कर दी और रात बिना खाना खाए कमरे में चली गई। उन्होंने बहुत मनाने की कोशिश की, लेकिन वो नहीं मानी। उस वक्त उन्हें लगा कि बच्ची गुस्से में है, सुबह तक गुस्सा शांत हो जाएगा। रोजाना की तरह स्वाति के स्कूल जाने का समय हो चला था।

सुबह काफी वक्त बीतने के बाद भी जब कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो वे लोग उसे उठाने कमरे तक गए। यहां पहुंचने पर कमरे का दरवाजा अंदर से लॉक पाया। काफी नॉक करने पर भी जब दरवाजा नहीं खुला और न ही अंदर से कोई हलचल आई, तो उन्होंने खिड़की से झांककर देखा। जिसके बाद उनके होश ही उड़ गए। लड़की रस्सी के सहारे पंखे से लटकती मिली। फिर सभी ने शोर मचाया।

दादा-दादी ने देखी लाश : शोरगुल की आवाज सुनकर आसपास के लोग घर में पहुंचे। पड़ोसियों की मदद से कमरे का दरवाजा खोला गया। लड़की मृत अवस्था में रस्सी के सहारे पंखे से लटक रही थी, जिसके बाद घरवालों ने कॉल कर लड़की के माता पिता और फिर पुलिस को घटना की सूचना दी। सुसाइड की बात पता चलते ही लड़की के माता पिता बीच रास्ते से वापस घर के लिए निकल पड़े।

लड़की की मौत के बाद से परिजनों ने चीख पुकार मची है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि एक नाबालिग लड़की की सुसाइड का मामला सामने आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

1.80 लाख शिक्षकों के तबादले की जिम्मेदारी डीईओ पर, हर महीने जारी होगी लिस्ट

पटना, एजेंसी। बिहार में 1.90 लाख शिक्षकों का तबादला होना है। 10,470 शिक्षकों का ट्रांसफर शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ खुद करेंगे। प्रत्येक शिक्षक की मार्कशीट और जो प्रमाण-पत्र ट्रांसफर के आवेदन के साथ अपलोड किए गए हैं, उसकी जांच भी वो खुद ही करेंगे। ये वे शिक्षक हैं जो किसी न किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। दिव्यांग हैं या विधवा हैं। बचे हुए 1.80 लाख शिक्षकों के ट्रांसफर की जिम्मेदारी जिलों में जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) की होगी। अपर मुख्य सचिव की ओर से प्रत्येक महीने 5 से 8 दिनों के अंतराल पर शिक्षकों के ट्रांसफर की लिस्ट जारी की जाएगी। शुरुआत में प्रमाण-पत्रों की जांच में लगने वाले समय की वजह से ट्रांसफर प्रक्रिया सुस्त रहने की संभावना है, बाद में इसमें तेजी आएगी। मुख्यालय में कैटेगरी और जिला के आधार पर शिक्षकों के आवेदन फॉर्म को सूचीबद्ध किया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक जिले के डीईओ को ट्रांसफर लिस्ट भेजी जाएगी। डीईओ शिक्षकों को प्रखंड आवंटित करेंगे। प्रखंड शिक्षा अधिकारी शिक्षकों को स्कूल आवंटित करेंगे। बची हुई सीटों के बारे में हर दिन जानकारी मुख्यालय भेजी जाएगी।

1700 से अधिक शिक्षक कई कारणों से निलंबित : बिहार में लगभग 1.90 लाख में से लगभग 1700 से अधिक ऐसे शिक्षक हैं, जो विभिन्न कारणों से निलंबित हैं या फिर उनके ऊपर कोई आरोप लगा हुआ है या फिर प्रमाण पत्र संदिग्ध हैं। ऐसे में ट्रांसफर प्रक्रिया में ऐसे शिक्षकों का ट्रांसफर अभी होल्ड किया जाएगा।

जिन्होंने आवेदन किया, उन सबका ट्रांसफर होगा

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने कहा कि शिक्षकों के ट्रांसफर की मॉनिटरिंग हम खुद कर रहे हैं। विशेष शिक्षकों के ट्रांसफर के आवेदन को पढ़ने के बाद ही कार्रवाई हो रही है। जिन शिक्षकों ने ट्रांसफर का आवेदन किया है, उन सभी का ट्रांसफर होगा।

चावल लदा पिकअप वाहन सड़क पर पलटा

गया, एजेंसी। गया-दाऊदनगर नेशनल हाईवे पर मंगलवार को चावल लदा एक पिकअप पलट गया। इस घटना में वाहन चालक जख्मी हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल ड्राइवर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोंच में भर्त्ती कराया। कोंच मुखिया दिलीप चन्द्रवंशी ने बताया कि चालक ने घोंघिमठ से पिकअप पर चावल लेकर गुरारू बाजार जा रहा था। इसी बीच गाड़ी का पिछले हिस्से का चक्का खुलकर बाहर निकल गया। जिससे गाड़ी असंतुलित होकर सड़क पर पलट गई। गाड़ी पर लदा चावल का बोरा व चावल सड़क पर पसर गया। वहीं घटना की सूचना पर कोंच पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन को जब्त कर लिया।

शेरघाटी में राजस्व कार्यों की प्रगति का कमिश्नर ले लिया जायजा

गया, एजेंसी। मगध प्रमंडल के कमिश्नर प्रेम सिंह मीणा ने मंगलवार को आभासी माध्यम से शेरघाटी अनुमंडल के सभी नौ अंचल कार्यालयों में चल रहे राजस्व कार्यों की समीक्षा की। मगध प्रमंडल के सभी जिलों के तमाम अंचलाधिकारी और वरीय राजस्व अधिकारियों के साथ वर्चुअल माध्यम से की जा रही मीटिंग के दौरान शेरघाटी अनुमंडल के तमाम अंचलाधिकारी और स्थानीय भूमि सुधार उपसमाहर्ता अनुमंडल कार्यालय स्थित वीसी रूम से कमिश्नर के साथ बैठक में जुड़े थे। स्थानीय डीसीएलआर रंजीत कुमार रंजन ने बताया कि दाखिलखारिज वादों के निबटारे के अलावा परिमार्जन प्लस, आधार सीडिंग और दूसरे राजस्व कार्यों के निबटारे के मामले में अंचलवार समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि अनुमंडल के आमस और इमामगंज अंचल में दाखिल खारिज वादों के निष्पादन में अपेक्षित प्रगति को लेकर अधिकारियों की हौसला अफजाइ भी की गई। इसके साथ ही परिमार्जन प्लस सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध आवेदनों के तेजी से निबटारे का टास्क भी अंचलाधिकारियों को सौंपा गया। वर्चुअल बैठक में इमामगंज की सीओ सुनीता कुमारी भी मौजूद थीं।

धनहा-रतवाल सड़क से अतिक्रमण हटाने की मांग:सीओ ने 36 दुकानों को हटाने का नोटिस किया जारी

दुकानदार बोले-इसी से चलता परिवार

बगहा (वाल्मिकीनगर), एजेंसी। बगहा के धनहा-रतवाल सड़क निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। पथ निर्माण विभाग ने मधुबनी के अंचल अधिकारी (सीओ) को पत्र जारी कर सड़क के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण को मुक्त कराने का निर्देश दिया है।

200 मीटर में किया गया अतिक्रमण

विभागीय अभियंता दीपक कुमार ने बताया कि गौतम बुद्ध सेतु के दक्षिणी हिस्से में करीब 200 मीटर क्षेत्र में दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। इस अतिक्रमण के कारण सड़क के दोनों किनारों पर बोल्डर पिचिंग और मिट्टी भराई का कार्य बाधित हो रहा है। प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए सीओ को पत्र तो जारी कर दिया गया है, लेकिन अभी तक दुकानदारों को कोई नोटिस नहीं दिया गया है। दुकानदार अमीरी गुप्ता, बृजेश कुमार, अजय कुमार समेत कई अन्य ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनकी दुकानों को उजाड़ा न जाए। उनका कहना है कि अगर दुकानें हटाई गईं, तो वे बेरोजगार हो जाएंगे और उनके परिवार भुखमरी का शिकार हो सकते हैं।

दुकान से ही चलती रोजी-रोटी

दुकानदारों ने कहा कि करीब तीन दर्जन परिवारों की रोजी-रोटी इन्हीं दुकानों से चलती है। प्रशासन को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि परिवारों को किसी तरह की कठिनाई का सामना न करना पड़े। पथ निर्माण विभाग का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य को बाधा मुक्त करने के लिए अतिक्रमण हटाना आवश्यक है। यह सड़क स्थानीय लोगों के आवागमन को सुगम बनाएगी और विकास कार्यों को बढ़ावा देगी। प्रशासन ने दुकानदारों को समय रहते स्थान खाली करने का आग्रह किया है, ताकि निर्माण कार्य जल्द शुरू हो सके।

मलेरिया का प्रसार जानने के लिए सर्वे: पटना व मुजफ्फरपुर में 10-10 जगहों पर दूसरे प्रदेशों से आए कामगारों की जांच की जा रही

पटना, एजेंसी। राज्य में मलेरिया का प्रकोप जानने के लिए आईसीएमआर (इंडियन मेडिकल काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च) की देखरेख में आरएमआरआई (राजेंद्र मेमोरियल रिसर्च इंस्टीट्यूट) ने सर्वे शुरू किया है। इस सर्वे का मकसद यह जानना है कि राज्य में मलेरिया के प्रसार का कारण क्या है और इसका प्रबंधन कैसे किया जा सकता है। इसके लिए पटना और मुजफ्फरपुर का चयन किया गया है। दोनों शहरों में उन जगहों पर सर्वे हो रहा है, जहां राज्य के अलावा दूसरे प्रदेशों से भी मजदूर काम के लिए आते व रहते हैं। झारखंड, पश्चिम बंगाल, नेपाल आदि से बड़ी संख्या में यहां लोग काम की तलाश में आते हैं। जैसे ईंट भट्ठा, कंस्ट्रक्शन साइट या फिर छोटे उद्योग में काम करने आते हैं। इन जगहों पर टीम जाकर मजदूरों की जांच कर रही है। पीड़ितों का इलाज भी किया जा रहा है। साथ ही डाटा भी जुटाया जा रहा है। दोनों शहरों में ऐसी 10-10 जगहें चिह्नित की गई हैं, जहां माइग्रेंट लेबर रहते हैं। आरएमआरआई के सूत्रों का कहना है कि चिह्नित जगह पर रहनेवालों के साथ-साथ उसके 150 से लेकर 500 मीटर के दायरे में रहने वालों की भी जांच की जा रही है। फिर मच्छरों के घनत्व की जानकारी ली जा रही है। यानी एक कमरे में पांच लोग रह रहे हैं तो वहां कितने मच्छर हैं। मच्छर ने जो खून पिया है, वह इंसान का है या जानवर का। मलेरिया प्रसार के अलावा इस सर्वे से मलेरिया के प्रबंधन में भी मदद मिलेगी।

क्या कहते हैं निदेशक

आरएमआरआई के निदेशक डॉ. कृष्णा पांडेय ने बताया कि यह केंद्र की योजना है। आईसीएमआर के नेतृत्व में सर्वे शुरू किया गया है। यह सर्वेक्षण एक साल तक और चलेगा। मलेरिया का प्रसार का पता करने के मकसद से इसे शुरू किया गया है। सर्वे से मलेरिया के प्रसार पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। अभी तक दो मरीज मिले हैं।

एनडीए के नेता बोले- नीतीश कुमार को फिर सीएम बनाने के लिए 243 में 225 सीटें जीतेंगे

पटना, एजेंसी। अबकी बिहार विधानसभा चुनाव में 243 में से 225 सीटें जीतने के लिए एनडीए का अभियान शुरू हो गया। इसे 'मिशन 225 @ 2025' का नाम दिया गया है। मंगलवार को एनडीए के पांचों घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने दावा किया कि वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को फिर मुख्यमंत्री बनाने के लिए 225 सीटें जीतेंगे। बुधवार को बगहा से घटक दलों का जिला सम्मेलन शुरू होगा। नेताओं की टोली वहां गई। सम्मेलन का मकसद बूथ लेवल तक घटक दलों के कार्यकर्ताओं की एकजुटता व सामंजस्यता को बहुत मजबूत करना है। सबने नीतीश कुमार की खूब तारीफ की। प्रदेश अध्यक्षों का प्रेस कांफ्रेंस जदयू कार्यालय में हुआ। इसमें जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, भाजपा के डॉ. दिलीप जायसवाल, लोजपा-रा के राजू तिवारी, हम (से.) के अनिल कुमार व राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी मौजूद थे। उमेश ने कहा- सम्मेलन में एनडीए की जीत की रणनीति बनेगी, ताकि नीतीश कुमार को फिर से बिहार की बागडोर दी जा सके।

डॉ. दिलीप जायसवाल के मुताबिक, डबल इंजन की सरकार में बिहार प्रगति पथ पर निरंतर आगे बढ़ रहा है। विपक्ष के पास कोई मुद्दा ही नहीं है। राजू तिवारी, अनिल कुमार, मदन चौधरी ने भी नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनाने की बात कही। इस दौरान ललन सर्राफ, अनिल हेगड़े, अनिल कुमार, चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, संजय कुमार मौजूद थे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरुवार, 16 जनवरी, 2025

संक्षिप्त समाचार

बुझ गया कुल का चिराग, बहन ने दी मुखाग्नि

कड़ा। दिवंगत जय जनार्दन मिश्रा को एक बेटा ऋषभ के अलावा तीन बेटियां हैं। ऋषभ एनसीसी कैडेट था। इन दिनों वह प्रयागराज के एक निजी कॉलेज से एमसीए कर रहा था। गंगा की लहरों में पिता-पुत्र के समाने के साथ ही कुल का चिराग बुझ गया। मंगलवार को ऋषभ की चिता को छोटी बहन मानसी ने मुखाग्नि दी। इस दौरान मां-बहनों का करुण क्रंदन देख मौजूद हर किसी की आंखें नम हो गईं।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत, हत्या का आरोप

अलीगढ़ , एजेंसी। रोरावर थाना क्षेत्र के इब्राहिमपुर-भीमपुर के पास रेलवे लाइन पर मंगलवार शाम सात बजे के करीब एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में ट्रेन से कट कर मौत हो गई। इस हादसे की सूचना रेलवे सुपरवाइजर सुखराम ने कंट्रोल रूम को दी। इसके बाद ट्रेन को रुकवाया गया। जेब में रखे मोबाइल की घंटी बजने से उसकी पहचान हुई। मृतक के भाई ने प्रेम प्रसंग में हत्या करने का आरोप लगाया है।

भाई जावेद ने बताया कि इगलास थाना क्षेत्र के गांव नगला डागुर निवासी इदरीश (22) पुत्र सुल्तान का किसी युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था, इसी कारण उसकी हत्या कर दी गई और शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया गया है। वह छह भाई और दो बहनों में पांचवें नंबर पर था। अविवाहित था और गांव छोड़कर रोरावर थाना क्षेत्र के नींवरी में रहकर मजदूरी करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक की मौत से परिवार में मातम छा गया है। एसओ रोरावर ने बताया कि थाने में कोई तहरीर नहीं आई है।

कैंटर के अंदर का नजारा देख पुलिस भी गई चौंक, चालक हुआ फरार; एक युवक पुलिस के हत्थे चढ़ा

आगरा, एजेंसी। आगरा के थाना शमशाबाद क्षेत्र के आगरा मार्ग स्थित पेट्रोल पंप पर डीजल लेने आई कैंटर गाड़ी को गोरक्षों के सदस्यों ने पकड़ लिया। कैंटर में बुरी तरह पशुओं को ले जाया जा रहा था। कई पशु बेहोशी की हालत में थे। सूचना थाना पुलिस को दी गई। मौके पर थाना शमसाबाद पुलिस पहुंची, जहां से कैंटर में सवार एक युवक को हिरासत में ले लिया। चालक पुलिस को देख गाड़ी को छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। स्थानीय निवासी जयवीर सिंह ने बताया कि कैंटर मंगलवार की रात्रि करीब नौ बजे डीजल लेने के लिए पेट्रोल पंप पर आई थी। यहां गोरक्षक मोटरसाइकिल में पेट्रोल डलवाने के लिए खड़े हुए थे। कैंटर से आवाज आने पर उन्होंने कैंटर में झांक कर देखा तो कैंटर पर बैठे लोग भागने लगे। आसपास के लोग एकत्रित हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने कैंटर को अपने कब्जे में ले लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। युवक से पुलिस पूछताछ कर रही है। इंस्पेक्टर क्राइम ने बताया कि कैंटर को पकड़ा है। पशु ठूस-ठूसकर भरे थे। पशु अधिनियम की धारा के अंतर्गत कार्रवाई की जा रही है।

गृहकलह में महिला ने खाया जहरीला पदार्थ, इलाज के दौरान मौत

अहिरौली बाजार। थाना क्षेत्र के गांव तेलगांवा निवासी एक महिला ने सोमवार को देर शाम पारिवारिक कलह के कारण जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों को महिला ने इसकी जानकारी दी। परिजनों ने 112 पर पुलिस को इसकी सूचना दी। थाना क्षेत्र के गांव तेलगांवा निवासी नूरजहां (45) पत्नी रज्जाक सोमवार को देर शाम परिवार में कुछ विवाद होने के बाद घर से नाराज होकर कही चली गई और जहरीला पदार्थ खाकर घर आ गई। तबीयत बिगड़ने पर परिवार के लोगों को महिला ने बताया कि उसने जहर खा लिया है। उसकी बात सुनते ही परिवार के लोग आनन-फानन में इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हाटा पर लेकर गए, जहां डाक्टरों ने उसकी हालत गंभीर बताकर मेडिकल कॉलेज कुशीनगर रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज लेकर जाते समय रास्ते में देर रात को उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों से पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि घरेलू विवाद में महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिससे उसकी मौत होने के बाद परिजनों ने जानकारी दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट हो गई।

पूरे प्रदेश में बिगड़ा मौसम, कहीं कोहरा तो कहीं बारिश का प्रकोप, पारा गिरने से बढ़ेगी गलन

लखनऊ, एजेंसी। मकर संक्रांति के अगले दिन पूरे प्रदेश का मौसम एक बार फिर से बिगड़ गया है। कुछ जिलों में बुधवार की सुबह घना कोहरा देखा गया तो कहीं पर हल्की बारिश से सुबह शुरू हुई। नए विकसित हो रहे पश्चिमी विक्षोभ की वजह से मौसम में फिर बदलाव देखने को मिला। बुधवार के लिए मौसम विभाग ने बुंदेलखंड व आगरा क्षेत्र के 16 जिलों में गरज चमक संग वज्रपात और 18 जिलों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इधर लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, बलिया आदि में मंगलवार को कोहरे की घनी चादर की वजह से दृश्यता 50 मीटर से भी कम रही। इटावा, मुजफ्फरनगर और बुलंदशहर सात डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ प्रदेश में सबसे ठंडे रहे। वहीं बुधवार के लिए 42 जिलों में घने कोहरे का येलो अलर्ट है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि ज्यादातर जगहों पर घने कोहरे के साथ पछुआ हवा अभी ठंड का अहसास कराती रहेगी।

यहां वज्रपात की चेतावनी

बुलंदशहर, अलीगढ, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, बदायूं , जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में।

यहां घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट

देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत व आसपास के इलाकों में।

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, सीतापुर, हरदोई, फरुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं एवं आसपास के इलाकों में।

राजधानी के मौसम में फिर से बदलाव की आहट है। घने कोहरे और गलन के बीच बृहस्पतिवार को लखनऊ में बादलों की आवाजाही संग हल्की बूंदाबांदी के संकेत हैं। मंगलवार को सुबह की शुरुआत घने कोहरे और गलन भरी हवाओं के साथ हुई। देर सुबह हुई गुनगुनी धूप ने मकर संक्रांति की रौनक बढ़ा दी। हालांकि शाम होते ही पछुआ हवाओं के जोर से गलन व ठंड फिर से हावी हुई। मौसम विभाग की माने तो पश्चिमी विक्षोभ के असर से बुधवार के बाद मौसम में फिर से बदलाव के संकेत हैं।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक एक और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राजधानी में बुधवार से मौसम में बदलाव की उम्मीद है। बृहस्पतिवार को गलन व कोहरे के बीच लखनऊ में हल्की बूंदाबांदी के संकेत हैं।

पीलीभीत में छाया घना कोहरा

पीलीभीत में मौसम का मिजाज फिर बिगड़ गया है। दो दिन धूप के बाद मंगलवार रात से फिर कोहरा छाने लगा। बुधवार की सुबह घने कोहरे के साथ हुई। घने कोहरे के चलते सड़कें भीग गईं। दृश्यता कम होने के कारण वाहनों को हेडलाइट जलाकर पड़ा। भीषण सर्दी के चलते सुबह के वक्त सड़कों पर वाहनों की आवाजाही कम दिखी। कोहरे के बीच गलन बढ़ने से लोग ठिठुरते नजर आए। चाय की दुकानों पर भीड़भाड़ रही, तो वहीं चौराहे पर लोग अलाव से हाथ सेंकते दिखे।

मौसम का उतार चढ़ाव जारी

तराई के जनपद में मौसम का उतार चढ़ाव जारी है। चार दिन पूर्व से लगातार सुबह होते ही धूप खिलने से लोग राहत महसूस कर रहे थे, लेकिन मंगलवार को मौसम फिर बदल गया। सुबह तड़के घने कोहरे की चादर छाई रही। कोहरे का दोपहर 12 बजे तक असर रहा। मौसम में गलन होने से ठंड का अहसास हुआ। देर रात से फिर कोहरा छाने लगा।

ऑरेंज अलर्ट, तीन दिन का तक रहेगा यही हाल

कृषि वैज्ञानिक डॉ. एसएस ढाका ने बताया कि मंगलवार को अधिकतम 19.3 व न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि सोमवार को अधिकतम 20.7 व न्यूनतम तापमान 7.9 डिग्री दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि अभी तीन दिन तक कोहरे की समस्या ऐसे ही बनी रहेगी। जिले में दो दिन ऑरेंज अलर्ट है।

मातम: मासूम की मौत के बाद घरवालों के आंखों से नहीं रुक रहे आंसू, बिलख रही दादी बोली- कभी नहीं भूलेगी यह खिचड़ी

वाराणसी , एजेंसी। पट्टी, तिल, लाई सब धरी की धरी रह गई और हमारे लाल हम सबको छोड़ कर भगवान के पास चले गए। हमारे लाल का काल बनकर बंदर ऐसे आया कि यह खिचड़ी इस जीवन में कभी नहीं भूलेगी। यह कहते हुए मंगलवार को पांच वर्षीय देवांश की दादी सुदामा देवी बिलख रही थीं। उनका बिलखना देख उन्हें ढाढ़स बंधाने वाली महिलाएं भी खुद के आंसू रोक नहीं पा रही थीं। कुछ ऐसे ही बेसुध हाल में देवांश की मां शालिनी भी थी।

रोहनिया थाना क्षेत्र के बच्छाव निवासी मन्नू चौरसिया का पुत्र देवांश सोमवार की शाम अपने घर की छत पर था। छत पर आए बंदर को देखकर देवांश जल्दबाजी में ऐसे भागा कि सीढ़ी से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन देवांश को निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम देवांश की मौत के बाद परिजनों के आंखों से आंसुओं की धार नहीं रुक रही है।

पिता मन्नू चौरसिया घर आने वालों को चुपचाप एकटक देखे ही जा रहे थे। देवांश का बड़ा भाई पृथ्वी मां, दादी और घर-परिवार की अन्य महिलाओं को रोते हुए देख कर कुछ समझ ही नहीं पा रहा था। वह सबसे यही पूछ रहा था कि सोमवार से उसका छोटा भाई देवांश कहां है? वहीं, देवांश की मौत से बस्ती के लोग भी खासे गमगीन दिखे। किसी के घर में मकर संक्रांति नहीं मनाई गई और न त्योहार का उत्साह दिखा।

एक बंदर है और उससे पूरा गांव परेशान है: गांव के पूर्व प्रधान बचाऊ पटेल, जितेंद्र और विशाल ने बताया कि एक बंदर है जो पूरे गांव में घूमता रहता है। उससे गांव के लोग काफी परेशान रहते हैं। विशाल ने बताया कि दो माह पहले देवांश अपने घर में बैठकर टीवी देख रहा था। उस दौरान भी बंदर उसके पास आ गया था। परिवार के लोगों ने किसी तरह से बंदर को कमरे से बाहर भगाया था। आखिरकार वही बंदर देवांश की मौत का कारण बन गया।

कानपुर में मौत बनकर घूमते कुत्ते ,शादी की सालगिरह के पहले योग शिक्षिका की भी ली जान

- 5 साल के अंदर एक दर्जन से ज्यादा की मौत का कारण बन चुके आवारा कुत्ते, कई घायल अपाहिज वाले हालातों से रहे गुजर
- 19 फरवरी को थी योग शिक्षिका की शादी की 35 वीं सालगिरह, 2 फरवरी को जाना था महाकुंभ स्नान करने

सुनील बाजपेई

कानपुर। उत्तर प्रदेश का अर्थ सम्मेलन सेट जिला कानपुर महानगर आजकल आवारा कुत्तों की चपेट में है। पूरे शहर में मौत बनकर घूम रहे यह आवारा कुत्ते बीते 5 साल के अंदर अनेक लोगों की असमय मौत का कारण भी बन चुके हैं। वहीं कई घायल हुए लोग अपाहिज वाले हालातो से भी गुजर रहे हैं। इन्हीं आवारा कुत्तों ने एक योग शिक्षिका की भी जान ले ली। वह आगामी 19 फरवरी को अपनी शादी की 35 सालगिरह मनाने वाली थी साथ ही महाकुंभ स्नान करने के लिए 2 फरवरी को प्रयागराज भी जाने वाली थीं। घटना के बाद उसके परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मुताबिक काकादेव थाना क्षेत्र में हुई इस घटना के बारे में प्राप्त जानकारी के मुताबिक बर्रा-1 जेड-1 ब्लॉक निवासी सुरेश यादव की पत्नी अन्नपूर्णा देवी (56) योग शिक्षिका थीं। वह घर-घर जाकर योगा सिखाती थीं। मौके पर पहुंची पुलिस को परिवार वालों ने बताया कि घटना के समय योग शिक्षिका अन्नपूर्णा देवी काकादेव थाना क्षेत्र के नवीन नगर में योगा सिखाने के बाद स्कूटी से घर लौट रही थीं। तभी गुरुगोविंद सिंह स्टेडियम के पास आवारा कुत्तों ने उन्हें दौड़ा लिया। जिसके फल स्वरुप स्कूटी भगाने पर वह असंतुलित होकर सड़क किनारे बिखरी ईंटों पर जा गिरीं। हुक खुला होने से हेलमेट भी दूर जा गिरा। इससे सिर में गंभीर चोट लग गई। वहां मौजूद हॉस्टल के छात्र उन्हें पास के पनेसिया हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर काकादेव थाना प्रभारी मनोज भदौरिया हॉस्पिटल पहुंचे। महिला के पर्स से बरामद दस्तावेज के आधार पर टीचर की शिनाख्त कर परिजनों को फोन कर अस्पताल बुलाया। अस्पताल पहुंचे पति सुरेश यादव ने बताया कि 19 फरवरी को हमारी शादी की 35वीं सालगिरह है। साथ ही वह अन्नपूर्णा के साथ 2 फरवरी को महाकुंभ में स्नान करने भी जाने वाले थे।लेकिन इस घटना ने जीवन भर नहीं भूलने वाले दुख के सागर में धकेल दिया। जिससे परिवार में कोहराम मचा है।

बड़ा है खेल: ढाई महीने में 500 डिग्रियां फर्जी निकलीं

दो हजार जांच के लिए आईं, कई राज्यों से जुड़ रहे तार

मेरठ, एजेंसी। मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के नाम पर लंबे समय से फर्जी डिग्रियां बनाई जा रही हैं। बड़ा गिरोह इस काम में लगा है। इनके तार उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और गुजरात तक जुड़े हैं। सीसीएसयू के विजिलेंस विभाग की मानें तो नवंबर से अभी तक करीब दो हजार डिग्रियां जांच के लिए गोपनीय विभाग पहुंचीं। इनमें से 500 से अधिक फर्जी निकलीं। इसकी जानकारी संबंधित संस्था और राज्यों को दे दी गई है। सीसीएसयू के नाम की फर्जी डिग्री से नौकरी पाने वालों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। अभी तक सरकारी विभाग नौकरी प्राप्त करने वालों का सत्यापन कराते थे, लेकिन अब प्राइवेट नौकरी देने वाले संस्थान भी सत्यापन करा रहे हैं। सीसीएसयू के गोपनीय विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नवंबर से अब तक 500 से ज्यादा डिग्री फर्जी निकली हैं, अभी भी काफी डिग्रियों की जांच बाकी है।

सोमवार को भी विवि से संबद्ध कॉलेजों के नाम पर बनवाई गई लॉ की डिग्रियां फर्जी निकलीं। बार काउंसिल ऑफ दिल्ली द्वारा भेजी गई यह डिग्रियां 2015 से 2023 तक विवि के अलग-अलग एडेड कॉलेजों के नाम की हैं। छात्रों को विवि के नाम पर जो मार्कशीट जारी की गई उन सभी में गलत रोल नंबर दर्ज थे।

विवि ने सभी मार्कशीट की रिपोर्ट काउंसिल को भेज दी है। हाल के महीनों में किसी संस्था द्वारा जांच को भेजी गई मार्कशीट में ये सबसे ज्यादा रहीं। विवि प्रशासन के अनुसार मार्कशीट पर छात्रों को जो अनुक्रमांक दर्ज थे, वे रिकॉर्ड में आवंटित नहीं हुए हैं। मार्कशीट में विवि प्रशासन के अधिकारियों के साइन भी फर्जी प्रयुक्त हुए थे।

झांसे में न आएं छात्र: विवि प्रशासन के अनुसार छात्र किसी के झांसे में न आएं। विवि में प्रवेश प्रक्रिया से लेकर परीक्षा फॉर्म तक सब ऑनलाइन है और तय प्रक्रिया से ही आवेदन होते हैं। फिलहाल विवि का मुख्यालय मेरठ में है और अन्य किसी भी जिले में कोई अधिकृत कार्यालय नहीं है। सीसीएसयू से संबंधित छह जिलों में कॉलेजों की सूची वेबसाइट पर मौजूद है। ये कॉलेज विवि से जारी मेरिट से प्रवेश लेते हैं और परीक्षा फॉर्म भरवाते हैं। विवि के अनुसार छात्र किसी भी तरह के प्रवेश, आवेदन या परीक्षा से पहले अधिकृत वेबसाइट से विस्तृत जानकारी प्राप्त कर लें अथवा विवि कैंपस में आकर पता कर लें।

सड़क पर हादसे में बहन की मौत, भाई घायल

अलीगढ़ , एजेंसी। मंगलवार की दोपहर हाईवे पर चूहरपुर के पास एक बाइक साइकिल से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसके भाई सहित साइकिल सवार घायल हो गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

टप्पल थाना क्षेत्र के गांव मोर निवासी निशा (28) पत्नी अमित कुमार मंगलवार की सुबह ही अपनी ससुराल से मायके चंडौस थाना क्षेत्र के गांव किन्हुआ आई थीं। यहां से वह अपने भाई कौशल के बीमार ससुर को देखने के लिए कौशल के साथ बाइक से अलीगढ़ गई थीं। अलीगढ़ से लौटते समय हाईवे पर चूहरपुर के पास एक तेज रफ्तार वाहन से बचने की कोशिश में उनकी बाइक अनियंत्रित होकर आगे चल रही साइकिल से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार भाई-बहन सहित साइकिल सवार बुधसेन निवासी मढ़ा हबीबपुर थाना पिसावा घायल हो गए। हादसा होते ही आसपास के लोग पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने निशा को मृत घोषित कर दिया।

भाजपा ने साधे दलित समीकरण, धार्मिक एजेंडे के बजाय जाति पर सिमटता दिखेगा उपचुनाव

लखनऊ , एजेंसी। भाजपा ने पासी समाज के चंद्रभानु पासवान को मैदान में उतारकर सपा को घेरने की कोशिश की है। जातीय समीकरण साधने के साथ ही भाजपा ने चंद्रभान के जरिए सपा सांसद अवधेश प्रसाद के उस नारे का जवाब देने की कोशिश की है, जो सपा उम्मीदवार के तौर पर अवधेश प्रसाद ने अयोध्या सीट पर लोकसभा चुनाव के दौरान दिया था। उन्होंने प्रचार के दौरान चअयोध्या न काशी, अबकी बार चलेगा पासी च का नारा दिया था। माना जा रहा है कि भाजपा ने अवधेश के इसी नारे के जवाब में अबकी बार पासी की काट के लिए पासी पर ही दांव लगाकर सपा को घेरने की कोशिश की है।

दरअसल लोकसभा चुनाव में अयोध्या सीट हारने के बाद से ही भाजपा सपा सांसद चुने गए अवेधश प्रसाद की सीट पर कब्जा करने के लिए पासी समाज के ही एक ऐसे चेहरे की तलाश में थी, जो मजबूत टक्कर दे सके। इसके लिए पार्टी की ओर से कराए गए सर्वे में चंद्रभानु का नाम मजबूती सामने आया था। इसलिए भाजपा ने विपक्ष के पासी उम्मीदवार के सामने पासी समाज के चंद्रभानु को टिकट देने का फैसला किया है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव परिणाम को देखते हुए भाजपा भी यह समझ चुकी थी कि इस बार उपचुनाव में अयोध्या, काशी व मथुरा जैसे धार्मिक एजेंडा के बजाए सपा के नारे को ही हथियार बनाकर मुकाबला में उतरना फायदेमंद होगा। इसलिए लिहाज से ही भाजपा ने भी पासी की काट के लिए पासी समाज से ही उम्मीदवार देने का फैसला लिया है। मिल्कीपुर सीट पर दलित मतादाता ही निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। उसमें भी पासी समाज की संख्या सबसे अधिक है। यही वजह है कि पिछले कई चुनावों से सपा ने पासी समाज के ही पुराने और वरिष्ठ अवधेश प्रसाद पर दांव लगाकर सफल होती रही है। चुनावी इतिहास के आंकड़ों पर नजर डालें तो 1991 से अब तक के सभी चुनावों में इसी सीट पर भाजपा को सिर्फ दो ही बार जीत मिली है। यानि सियासी तौर पर इस सीट को सपा ही गढ़ माना जाता है। सूत्रों की माने तो भाजपा ने इस बार रणनीति बदलते हुए एक ऐसे प्रत्याशी की तलाश में जुटा था, जिसकी छवि निर्विवाद हो और बुजुर्ग सपा नेता अवधेश प्रसाद के मुकाबले दलित समाज के युवा वर्ग में अच्छा प्रभाव छोड़ सके।

दलित युवाओं को साधने की कोशिश: यह भी माना जा रहा है कि पुराने नेताओं के बजाए भाजपा ने एक युवा को मैदान में उतारकर दलित समाज के युवा वर्ग को साधने की भी कोशिश की है। चूंकि लोकसभा चुनाव से ही भाजपा सपा सांसद अवधेश प्रसाद की उम्र को लेकर सियासी तीर चलाती रही है। इसलिए भाजपा ने अपने उम्रदराज नेताओं की दावेदारी को किनारे करके चंद्रभानु को तरजीह दी है। कहा जा रहा है कि चंद्रभानु का युवा वर्ग पर अच्छा प्रभाव है और लगातार वह दो साल से युवाओं के बीच काम भी कर रहे हैं। इसलिए उपचुनाव में दलित युवाओं को साधने में मदद मिलेगी। अयोध्या के चौतरफा विकास के बाद भी लोकसभा सीट हारने से भाजपा के लिए अहम बनी इस सीट को जीतने में भाजपा को कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ेगा। माना जा रहा है कि इस चुनाव में भी भाजपा को जहां संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने जैसे विपक्षी तुक्का पर स्थिति साफ करनी होगी। वहीं, टिकट न मिलने से नाराज अपने ही लोगों के भितरघात से निजात पाना बड़ी चुनौती होगी। हालांकि प्रमुख दावेदारों में शामिल रहे पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने पार्टी के फैसले का समर्थन तो किया है, लेकिन यह भी कहा है कि प्रभु श्रीराम भी राजगद्दी गंवाने के बाद जब वन की तरफ जा रहे थे, तब मुस्करा रहे थे। हम भी उन्हीं की दिखाई राह पर चलेंगे।

जूता कारोबारी को रिश्तेदार महिला की मदद करना भारी पड़ा

आगरा , एजेंसी। आगरा के जूता कारोबारी को रिश्तेदार महिला की मदद करना भारी पड़ा। महिला के पति ने अपनी बहन के साथ मिलकर व्यापारी को घर बुलाया। इसके बाद कार में बंधक बनाकर हीरे की अंगूठी व चेन छीन ली। बहन से छेड़खानी में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। 50 लाख रुपये की मांग की। पुलिस ने जांच के बाद सात नामजद और दो अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया गया है। एमजी रोड के रहने वाले जूता कारोबारी राजेश दयाल ने मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को बताया कि उनकी दूर की रिश्तेदार मुंरकिया, कागारौल की सरिता ने नरेंद्र चाहर से दूसरी शादी की है। सरिता की छोटी बहन बबली भी नरेंद्र के साथ अर्जुन नगर में रहती है। सरिता अक्सर नरेंद्र की शराब पीकर पिटाई करने की बात बताती थी। मदद के नाम पर उनसे करीब एक लाख रुपये उधार ले चुकी थी। 20 नवंबर 2024 की रात साढ़े नौ बजे सरिता ने जरूरी काम के बहाने अर्जुन नगर बुलाया। आरोप है कि वह कार से पहुंचे तो वहां सरिता के पति नरेंद्र ने हमला कर दिया। कार में ही बंधक बनाकर गले में पहनी चार तोला सोने की चेन और हीरे का लॉकेट छीन लिया।

संक्षिप्त समाचार

लॉस एंजिलिस में आग से अब तक 25 की मौत

लॉस एंजिल्स। आग से प्रभावित इलाकों में मगलवार को हवा की रफ्तार अनुमान से कम रही, जिससे रेस्क्यू वर्कर्स को आग पर काबू पाने में काफी मदद मिली। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में लगी आग से मंगलवार तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 30 लोग लापता हैं। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक यहां पर 90 हजार लोगों को इमरजेंसी एग्जिट अलर्ट (शहर छोड़ने का अलर्ट) दिया गया है। पुलिस ने प्रभावित इलाकों से अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर लूटपाट, आग वाले इलाकों में ड्रोन उड़ाने और कर्फ्यू का उल्लंघन करने जैसे कई आरोप हैं। मंगलवार को हवाओं की गति

पूर्वानुमान से कम रही, जिससे रेस्क्यू दल को आग पर काबू पाने में काफी मदद मिली। फिलहाल पैलिसेड्स और ईटन को छोड़कर बाकी जगहों पर आग को लगभग काबू कर लिया गया है। आग से अब तक 12 हजार से ज्यादा इमारतें नष्ट हो गई हैं, जबकि 155 वर्ग किलोमीटर का इलाका खाक हो चुका है। नेशनल वेदर सर्विस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा- हम अभी भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं हैं। हालांकि मंगलवार को हवा की स्पीड उतनी नहीं रही, जिसकी आशंका जाहिर की गई थी। बुधवार को हालात में और सुधार हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डोनाल्ड ट्रम्प 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करने के बाद प्रभावित इलाकों का दौरा कर सकते हैं। वहीं अमेरिकी संसद के निचले सदन के स्पीकर माइक जॉनसन का कहना है कि कैलिफोर्निया में वाटर मिसमैनेजमेंट हुआ है। वहां के लोकल लीडर्स आग को लेकर लापरवाह थे।

आग से 13 लाख करोड़ का नुकसानः रॉयटर्स के मुताबिक लॉस एंजिलिस (LA) में लगी आग से अब तक करीब 11.60 लाख करोड़ से लेकर 13 लाख करोड़ रुपए (135-150 बिलियन डॉलर) के नुकसान की आशंका है। यहां पर आग को कुछ हद तक काबू किया गया है। लोगों से मास्क पहने रहने की अपील की गई है। दूसरी ओर लॉस एंजिलिस पुलिस के मुताबिक ब्रेटनवुड स्थित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के घर में चोरी की कोशिश की गई। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था, हालांकि बाद में इन्हें छोड़ दिया गया।

बिधूड़ी बोले- आतिशी सड़कों पर हिरनी जैसी घूम रहीं

नई दिल्ली। दिल्ली की कालकाजी सीट से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने फिर सीएम आतिशी को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आतिशी दिल्ली की सड़कों पर हिरनी के जैसे घूम रही हैं। बिधूड़ी ने आगे कहा कि केजरीवाल शीशमहल में रहते हैं। 2 करोड़ की कार चलाते हैं। उन्होंने शीला दीक्षित को जेल नहीं भेजा, बल्कि सोनिया गांधी की गोद में बैठ गए। केजरीवाल दिल्ली जल बोर्ड के 8 करोड़ हजम कर गए। इससे पहले 5 जनवरी को भी बिधूड़ी ने रोहिणी में हुई भाजपा की परिवर्तन रैली में भी आतिशी को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि आतिशी ने अपना बाप बदल लिया है। वे मार्लेना से सिंह बन गई हैं। उसी दिन भाजपा नेता ने प्रियंका गांधी पर आपत्तिजनक कमेंट किया था। उन्होंने कहा था कि जैसे ओखला और संगम विहार की सड़कें बना दी हैं, वैसे ही कालकाजी में सारी की सारी सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसी बना दूंगा। हालांकि, बाद में बिधूड़ी ने बयान को लेकर माफी मांग ली थी। आतिशी प्रेस

कॉन्फ्रेंस में रो पड़ी थीं बिधूड़ी के बयान के बाद 6 जनवरी को आतिशी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रो पड़ी थीं। उन्होंने कहा था कि, 'भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी मेरे 80 साल के पिता को गाली दे रहे हैं। क्या आप चुनाव के लिए इतनी गंदी राजनीति करेंगे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इस देश की राजनीति इतनी गिर सकती है।' आतिशी ने कहा, 'मैं रमेश बिधूड़ी से कहना चाहती हूं, मेरे पिता पूरी जिंदगी शिक्षक रहे हैं। उन्होंने हजारों गरीब बच्चों को पढ़ाया है। अब उनकी उम्र 80 साल हो चुकी है और वे इतनी गंभीर स्थिति में हैं कि बिना सहारे चल भी नहीं सकते। रमेश बिधूड़ी अब ऐसी स्थिति में पहुंच गए हैं कि एक बुजुर्ग व्यक्ति को गालियां देकर वोट मांग रहे हैं।' इसे लेकर AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल ने X पर कहा कि बीजेपी के नेताओं ने बेशर्मी की सारी हदें पार कर दीं। बीजेपी के नेता दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को गंदी-गंदी गालियां दे रहे हैं। एक महिला मुख्यमंत्री का अपमान दिल्ली की जनता सहन नहीं करेगी। प्रियंका पर दिए बयान पर बिधूड़ी ने माफी मांगी प्रियंका गांधी पर बिधूड़ी के बयान को लेकर पवन खेड़ा ने ऐतराज जताया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'यह बदतमीजी सिर्फ इस घटिया आदमी की ही मानसिकता नहीं दिखाती, यह है इसके मालिकों की असलियत। ऊपर से लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के संस्कार आपको भाजपा के इन ओछे नेताओं में दिख जाएंगे।' वहीं, प्रियंका गांधी ने भाजपा नेता के बयान को बेहूदा बताया था। उन्होंने कहा था कि हमें इस तरह की फिजूल की बातों पर चर्चा नहीं करना चाहिए।

सेना ने पुणे में मनाया 77वां स्थापना दिवस

पुणे। भारतीय सेना ने बुधवार को महाराष्ट्र के पुणे में 77वां आर्मी डे मनाया। पुणे के बॉम्बे इंजीनियर्स ग्रुप और सेंटर परेड ग्राउंड में आर्मी डे परेड हुई। इसके साथ ही यह लगातार तीसरा साल है, जब सेना दिवस की परेड दिल्ली के बाहर हुई है। 2023 में आर्मी डे बेंगलुरु में मनाया गया था, जबकि पिछले साल उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मनाया गया था। आर्मी डे सेलिब्रेशन में 52 अवॉर्ड भी दिए गए। इसमें 15 सेना मेडल (वीरता) शामिल थे, जिनमें 8 मरणोपरांत प्रदान किए गए। इसके अलावा विभिन्न कमांड के यूनिट्स के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए 37 चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (COAS) यूनिट प्रशंसा पुरस्कार दिए गए। इस परेड की शुरुआत से पहले चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कमांड वॉर मेमोरियल पर फूल अर्पण किए। उन्होंने देश की खातिर जान देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रिव्यूइंग ऑफिसर के तौर पर परेड के दौरान सैल्यूट लिया। इस परेड की अगुआई मेजर जनरल अनुराग विज ने की, जो दक्खिन महाराष्ट्र और गोवा सब एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग हैं। इस परेड में अलग-अलग रेजिमेंटल सेंटर्स से 8 मार्चिंग कंटिंजेंट ने मार्च पास्ट किया। इनमें बेलगावी का मराठा रेजिमेंटल सेंटर, नासिक

का आर्टिलरी सेंटर, सिकंदराबाद का आर्मी ऑर्डिनेंस रेजिमेंटल सेंटर, अहिल्या नगर का मेकनाइज्ड इंफेंट्री रेजिमेंटल सेंटर, वेलिंगटन का मद्रास रेजिमेंटल सेंटर, खड़की का BEG सेंटर और आर्मी सर्विस कॉर्प्स हॉर्स कंटिंजेंट का घुड़सवार दल शामिल था। पहली बार आर्मी डे परेड में दो विशेष कंटिंजेंट ने भाग लिया। इनमें कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस का महिला अग्निवीर कंटिंजेंट और महाराष्ट्र डायरेक्टोरेट का गर्ल्स NCC कंटिंजेंट शामिल है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपने संबोधन में भारतीय सेना के सभी रैंक के अधिकारियों, उनके परिवारों, रिटायर्ड सैनिकों, शहीदों की विधवाओं और सिविल डिफेंस पर्सनल को आर्मी डे की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश के लिए जान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के साथ यह भी सुनिश्चित किया कि उनके परिवारों का खयाल रखना सेना की प्राथमिकता है। उन्होंने सैनिकों के समर्पण पर गर्व व्यक्त किया, फिर चाहे बात सीमाओं की सुरक्षा की हो, आपदा में राहत पहुंचाने की हो या चुनौती भरे माहौल में शांति कायम रखने की हो। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सेना दिवस के मौके पर X पोस्ट में कहा- सेना दिवस के अवसर पर, मैं भारतीय सेना के जवानों, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं देती हूं। राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आपकी अटूट प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा है। मातृभूमि की सेवा में किए गए असंख्य बलिदानों को ये देश कृतज्ञता के साथ याद करता है। संकट और आपदाओं के दौरान आप दयालुता और सहानुभूति दिखाते हुए मदद करते हैं। आपकी असाधारण वीरता और साहस आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

साउथ कोरिया के पद से हटाए गए राष्ट्रपति गिरफ्तार

एजेंसी, सियोल

साउथ कोरिया में पद से हटाए गए राष्ट्रपति यून सुक-योल को पुलिस ने बुधवार को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया है। योल पर 3 दिसंबर 2024 को देश में मार्शल लॉ लागू करने के लिए आपराधिक जांच चल रही है। मार्शल लॉ (इमरजेंसी) के फैसले को देश की संसद ने 3 घंटे बाद ही पलट दिया था। इसके बाद 14 दिसंबर को संसद में योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाकर उन्हें पद से हटा दिया गया था। महाभियोग पर 14 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी, जिसके लिए योल को कोर्ट में पेश होना था। योल कल कोर्ट में पेश नहीं हुए। इसके बाद जांच एजेंसियों की तरफ से उनके खिलाफ आज सुबह गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस को मौके पर भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तारी के लिए 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मी

तैनात किए गए थे।

सीढ़ी लगाकर घर में घुसी पुलिसः न्यूज एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के मुताबिक योल की सुरक्षा में लगे गाड्र्स ने पुलिस को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। योल समर्थक बड़ी संख्या में राष्ट्रपति आवास के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने सीढ़ी का इस्तेमाल कर योल के घर में दाखिल हुई। कोर्ट में पेश नहीं होने की वजह से कल से ही योल की गिरफ्तारी की आशंका जताई जा रही थी। रात से ही योल समर्थक प्रदर्शनकारी उनके घर के बाहर इकट्ठा होना शुरू हो गए थे। पुलिस को सत्ताधारी पार्टी के सांसदों और योल के वकीलों ने भी रोकने की कोशिश की थी। इससे पहले 3 जनवरी को पुलिस

♦ पुलिस सीढ़ी लगाकर घर में घुसी पिछले महीने इमरजेंसी लगाई थी

ने भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में गिरफ्तार करने की कोशिश की थी। हालांकि, तब पुलिस को राष्ट्रपति के 200 गाड्र्स ने गेट पर ही रोक दिया था। योल के घर के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी पहुंचे थे। करीब 6 घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस को खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा था।

48 घंटे में कोर्ट से वारंट लेना होगाः योल की गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ के लिए जांच एजेंसियों के पास 48 घंटे का समय है। इसके बाद औपचारिक तरीके से उनकी गिरफ्तारी के लिए कोर्ट से वारंट लेना होगा। योल के सलाहकार सियोक डोंग-हियोन ने गिरफ्तारी से पहले कहा था कि- यून सुक योल पूछताछ के लिए तैयार है, बशर्ते उन्हें गिरफ्तार करने आए अधिकारी वापस लौट जाएं। दूसरी तरफ योल के खिलाफ महाभियोग की वैधता और विद्रोह से जुड़े आरोपों की सुनवाई के लिए कोर्ट के पास 14 दिंसबर के बाद से 180 दिन का समय है। सुप्रीम कोर्ट के 8 में से 6 जज अगर योल के खिलाफ वोट करते हैं, तो उन्हें दोषी करार दिया जाएगा। अगर इस दौरान योल को दोषी साबित नहीं किया जा सका या महाभियोग अवैध घोषित हो जाता है, तो योल एक बार फिर साउथ कोरिया के राष्ट्रपति बन जाएंगे।

राष्ट्रपति योल को इमजरेंसी लगाने की जरूरत क्यों पड़ी थी? साउथ कोरिया की संसद में कुल 300 सीटें हैं। इस साल की शुरुआत में हुए चुनाव में जनता ने विपक्षी पार्टी DPK को भारी जनादेश दिया था। सत्ताधारी पीपुल पावर को सिर्फ 108 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी पार्टी DPK को 170 सीटें मिलीं। बहुमत में होने की वजह से विपक्षी DPK, राष्ट्रपति सरकार के कामकाज में ज्यादा दखल दे रही थी।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया भ्रष्टाचार केस में बरी

एजेंसी, ढाका

बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और BNP नेता खालिदा जिया को भ्रष्टाचार केस में बरी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए खालिदा की 10 साल सजा को खारिज कर दिया। उन्हें पिछले साल अगस्त में जेल से रिहा किया गया था। 79 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। चीफ जस्टिस डॉ. सैयद रैफात की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने फैसले के पीछे खालिदा और बाकी लोगों पर बदले की मंशा से कार्रवाई करने का हवाला दिया। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक खालिदा जिया के अलावा, BNP के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान और बाकी लोगों को भी रिहा कर दिया गया है। इन सभी को जिया अनाथालय ट्रस्ट घोटाले से जुड़े मामले में दोषी बनाया गया था।

2018 में 10 साल की सजा मिलीः खालिदा जिया को 8 फरवरी 2018 को ढाका की स्पेशल कोर्ट ने जिया अनाथालय ट्रस्ट के नाम पर सरकारी पैसे का गबन करने के आरोप में 5 सुनाई गई थी। खालिदा के बेटे तारिक और अन्य 5 आरोपियों को भी 10 साल कठोर कारावास की सजा दी गई थी। इन पर 2.1 करोड़

सुप्रीम कोर्ट ने 10 साल की सजा को पलटा, पिछले साल जेल से रिहा हुई

बांग्लादेशी टका का जुर्माना भी लगा था। तारिक और अन्य 2 आरोपी फरार हो गए थे। जिया ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। इस पर कोर्ट ने 30 अक्टूबर 2018 को सुनवाई करते हुए सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था। इसके बाद खालिदा ने सजा के खिलाफ लीव-टू-अपील यानी सीधे सर्वोच्च अदालत में चुनौती देने की अपील की थी। 5 साल तक कानूनी प्रक्रियाओं के चलते इसमें देरी होती रही। हालांकि पिछले साल शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद नवंबर में इसे अपील को स्वीकार कर लिया था। हालांकि पिछले साल शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद नवंबर में इसे अपील को स्वीकार कर लिया था। खालिदा लंबे समय से बीमार चल रही हैं। इस महीने की शुरुआत में 7 जनवरी को वे इलाज के लिए लंदन गई हैं।

पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर 14 फरवरी तक रोक

❒ सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का आदेश पलटा, दिल्ली सरकार और UPSC को नोटिस जारी किया

एजेंसी, नई दिल्ली

पूजा पर परीक्षा में धोखाधड़ी और OBC और विकलांगता कोटे का गलत तरीके से फायदा लेने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व IAS ऑफिसर पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर 14 फरवरी तक रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई की और दिल्ली हाईकोर्ट का 23 दिसंबर का आदेश पलट दिया। कोर्ट में पूजा की ओर से पेश वकील सिद्धार्थ लूथरा ने

कहा- हाईकोर्ट के आदेश में कुछ ऐसी टिप्पणी है, जिसके कारण अगर ट्रायल शुरू हुआ तो पूजा पर दोष सिद्ध हो सकते हैं। इस पर जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने UPSC और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा की मामले की अगली सुनवाई 14 फरवरी को होगी। दरअसल, पूजा पर UPSC एग्जाम में धोखाधड़ी और OBC और विकलांगता कोटे का गलत तरीके से फायदा लेने का आरोप है।

अमेरिकी संसद में प्रस्ताव, जनवरी को तमिल लैंग्वेज मंथ बनाएं, भारतवंशी सांसद ने पेश किया

एजेंसी, वॉशिंगटन

भारत विरोधी इल्हान उमर ने भी समर्थन किया

अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने जनवरी महीने को तमिल लैंग्वेज और हेरिटेज मंथ के तौर मनाने के लिए मंगलवार को संसद में प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव पेश करने के बाद राजा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि- एक तमिल अमेरिकी के रूप में, मुझे अमेरिका और दुनिया भर में तमिल भाषा, विरासत और संस्कृति का सम्मान करने वाले इस प्रस्ताव को पेश करने पर गर्व है। पोंगल के मौके पर पेश किए गए इस प्रस्ताव के समर्थन 14 सांसदों का एक ग्रुप भी राजा के साथ था। समर्थन करने वालों में 5 भारतवंशी सांसद रो खन्ना, अमी बेरा, श्री थानेदार, प्रमिला जयपाल और सुहास सुब्रमण्यम भी शामिल थे। इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के

मुताबिक प्रस्ताव का समर्थन करने वालों में भारत विरोधी इल्हान उमर भी शामिल भी रहीं। इल्हान कश्मीर के मुद्दे पर भारत विरोधी रुख रखती हैं और पाकिस्तान का समर्थन कर चुकी हैं।

अमेरिका में तमिल भाषियों की तादाद 3.6 लाखः राजा कृष्णमूर्ति ने संसद में पेश किए प्रस्ताव में बताया कि दुनिया भर में तमिल बोलने वालों की तादाद 8 करोड़ है। इनमें से 3.6 लाख अमेरिकी है। राजा ने लिखा कि इन लोगों के पोंगल का त्योहार बेहद खास है।प्रस्ताव में सांसद ने जिक्र किया कि तमिल दुनिया की सबसे पुरानी भाषा है। अमेरिका में तमिल भाषियों से जुड़ी संस्था तमिल अमेरिकन्स यूनाइटेड ने इस प्रस्ताव के लिए राजा कृष्णमूर्ति का धन्यवाद किया। संस्था ने तमिल अमेरिकियों से इस प्रस्ताव को पास कराने में सहयोग करने के लिए कहा है। एक दूसरी संस्था फेडरेशन ऑफ तमिल संगम ऑफ नॉर्थ अमेरिकन (FeTNA) ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया। संस्था ने कहा कि हम तमिलों के पास इस देश में योगदान के लिए बहुत कुछ है, हम इसे अपना घर कहते हैं।

कौन है राजा कृष्णमूर्तिः राजा कृष्णमूर्ति डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता है। वे 2017 में पहली बार अमेरिकी राज्य इलिनॉयस के एक जिले से सांसद के तौर पर चुने गए थे। उन्हें हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव दो समितियों का सदस्य भी बनाया गया था। राजा का जन्म 1973 में दिल्ली में हुआ था। वे बचपन में ही अमेरिका चले गए थे। उन्होंने वहां प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और हार्वर्ड लॉ स्कूल से कानून की डिग्री हासिल की। सांसद बनने से पहले वे इलिनॉयस के डिप्टी ट्रेजरर के तौर पर काम कर चुके हैं।

सोनिया ने नए कांग्रेस मुख्यालय का इनॉगरेशन किया, 252 करोड़ रुपए खर्च

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस के नए मुख्यालय का उद्घाटन करतीं सोनिया गांधी। साथ में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे। 'इंदिरा गांधी भवन' 9A, कोटला रोड, नई दिल्ली यह कांग्रेस पार्टी का नया पता है। सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ बुधवार को इसका उद्घाटन किया। करीब 46 साल बाद पार्टी ने अपना पता बदला है।

इससे पहले पुराना ऑफिस 24, अकबर रोड था। नए ऑफिस की आधारशिला 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने रखी थी। यह भाजपा मुख्यालय से 500 मीटर दूर है। इसे बनने में 252 करोड़ रुपए लगे। भाजपा दफ्तर डेढ़ साल में बना था। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने 2019 में कहा था- भाजपा मुख्यालय 700 करोड़ में बना है। भाजपा देशभर

में 768 ऑफिस बना रही है। इनमें से 563 ऑफिस बनकर तैयार हैं, जबकि 96 पर काम चल रहा है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पिछले साल अगस्त में इसकी जानकारी दी थी। जब यही सवाल हमने कांग्रेस के मीडिया कोऑर्डिनेटर अमरीश रंजन से की तो उन्होंने बताया- दिल्ली के अलावा, हर राज्य और जिले में पार्टी दफ्तर हैं। कुछ ब्लॉक ऑफिस भी हैं। लेकिन उन्हें नंबर नहीं पता।

भाजपा की वजह से दूसरी बार एंट्री पॉइंट बदलाः कांग्रेस के नए ऑफिस का मेन एंट्रेंस बदल सामने नहीं, बल्कि पीछे के दरवाजे

दावा- 500 मीटर दूर भाजपा ऑफिस 700 करोड़ में बना

से है। इसकी वजह भाजपा है। दरअसल, ऑफिस का फ्रंट एंट्रेंस दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर है। ऐसे में एड्रेस पर यह नाम आता, इसलिए पार्टी ने फ्रंट एंट्रेंस के बजाय बैकडोर एंट्री यानी पिछले दरवाजे से एंट्रेंस चुना, जो कोटला रोड पर खुलता है। 70 के दशक में कांग्रेस का ऑफिस डॉ. राजेंद्र प्रसाद रोड पर था। इसका एड्रेस 3, रायसीना रोड था। इसके ठीक सामने 6, रायसीना रोड पर अटल बिहारी वाजपेयी रहा करते थे, इसलिए कांग्रेस ने यहां भी बैकडोर एंट्री चुनी थी। 1978 में कांग्रेस में टूट के बाद ऑफिस पार्टी सांसद जी वेंकटस्वामी को अलॉट बंगले 24, अकबर रोड में शिफ्ट किया गया था।

जुकरबर्ग के बयान पर META इंडिया ने माफी मांगी

एजेंसी, नई दिल्ली

सोशल मीडिया कंपनी META ने अपने CEO मार्क जुकरबर्ग के बयान पर माफी मांग ली है। जुकरबर्ग ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि कोरोना के बाद दुनिया के कई देशों में मौजूदा सरकारें गिर गईं। भारत के लोकसभा चुनाव में भी मोदी सरकार हार गई। यह जनता का सरकारों में घटता भरोसा दिखाता है। इस बयान के बाद संसद की IT समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि इस बयान पर कंपनी को माफी मांगनी चाहिए। वरना हमारी समिति उन्हें मानहानि का नोटिस भेजेगी। META इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट शिवनाथ ठुकराल ने बुधवार को कहा- यह एक लापरवाही थी। मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि कोरोना के बाद कई मौजूदा सरकारें गिर गईं, लेकिन ऐसा भारत में नहीं हुआ। हम लापरवाही के चलते हुई इस गलती के लिए माफी मांगते हैं। भारत META के लिए बहुत अहम देश है।

जुकरबर्ग ने जो रोगन के

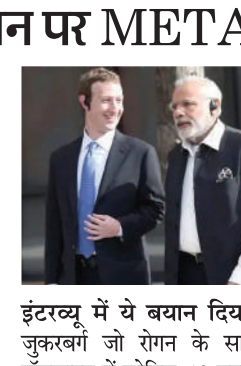

इंटरव्यू में ये बयान दियाः मार्क जुकरबर्ग जो रोगन के साथ एक पॉडकास्ट में कोविड-19 महामारी के बाद सरकारों में विश्वास की कमी पर चर्चा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2024 एक बड़ा चुनावी साल था। भारत समेत इन सभी देशों में चुनाव थे। लगभग सभी सत्ताधारी चुनाव हार गए। पूरे साल में किसी न किसी तरह की वैश्विक घटना हुई। चाहे वो मुद्रास्फीति के कारण हो। कोविड से निपटने के लिए आर्थिक नीतियों के कारण या सरकारों द्वारा कोविड से निपटने के तरीके के कारण। ऐसा लगता है कि इसका प्रभाव वैश्विक था। लोगों की नाराजगी और गुस्से ने दुनिया भर में चुनाव परिणामों को प्रभावित किया। सभी सत्तासीन लोग हार गए। नरेंद्र मोदी

कहा था- कोरोना के बाद मोदी सरकार चुनाव हारी, संसदीय समिति ने चेतावनी दी थी- मानहानि नोटिस भेजेंगे

के नेतृत्व वाली सरकार भी हार गई। जुकरबर्ग बोले- वॉट्सऐप चैट लीक हो सकती है जुकरबर्ग ने वॉट्सऐप को लेकर कहा कि एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन यूजर्स की प्राइवेसी की रक्षा करता है, लेकिन अगर किसी सरकारी एजेंसी को डिवाइस तक पहुंच मिल जाती है, तो वह उसमें स्टोर चैट्स को पढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि अगर किसी डिवाइस में पेगासस जैसे स्पाईवेयर इंस्टॉल हो, तो एजेंसियां उसके कंटेंट तक पहुंच सकती हैं। हालांकि खतरों को ध्यान में रखते हुए वॉट्सएप ने डिसअपीयरिंग मैसेज फीचर शामिल किया है, जो चैट्स को एक तय समय के बाद ऑटोमेटिकली डिवाइस से डिलीट कर देता है।

डल्लेवाल पर सुप्रीम कोर्ट AIIMS का ओपिनियन लेगा

एजेंसी, पटियाला

किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल 26 नवंबर 2024 से भूख हड़ताल पर हैं। 51 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत डल्लेवाल के सेहत के बारे में सुप्रीम कोर्ट ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (AIIMS) यानी एम्स का ओपिनियन लेगा। बुधवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से डल्लेवाल की अब तक की मेडिकल जांच की सारी रिपोर्ट मांग ली हैं। इससे पहले सुनवाई के बीच पंजाब सरकार ने पहले डल्लेवाल की हालत में सुधार की बात कही लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट ने इस बारे में पूछा तो कहा कि उनकी हालत स्थिर है।

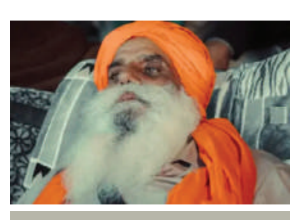

♦ सारी मेडिकल रिपोर्ट मंगाई, पंजाब सरकार ने पहले सेहत में सुधार, फिर स्टेबल बताया

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की बैंच के सामने पंजाब सरकार की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि डल्लेवाल को लेकर प्रोग्रेस हो रही है।

पिता बोला-इज्जत की बात थी इसीलिए बेटी को मार डाला

एजेंसी, ग्वालियर

तनु गुर्जर अपनी मर्जी से शादी करना चाहती थी। उसके पिता और चचेरे भाई ने उसकी हत्या कर दी थी। ग्वालियर में बेटी की गोली मारकर हत्या करने वाले महेश गुर्जर को कोई पछतावा नहीं है। पुलिस पूछताछ में उसने कहा, 'इज्जत की बात थी इसलिए गोली मार दी और इसका जरा भी दुख नहीं है।' वहीं, पुलिस ने युवती के चचेरे भाई राहुल गुर्जर को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस दोनों आरोपियों से पिस्टल-कट्टे बरामद करने के बाद पूछताछ कर रही है। जांच के दौरान पुलिस को पता लगा कि महेश की बेटी तनु और उसके बॉयफ्रेंड विक्की की मुलाकात 6 साल पहले एक पारिवारिक शादी समारोह में हुई थी।

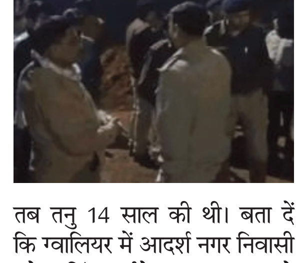

तब तनु 14 साल की थी। बता दें कि ग्वालियर में आदर्श नगर निवासी महेश सिंह हाईवे पर ढाबा चलाते हैं। उनकी बेटी तनु गुर्जर (20) की शादी 18 जनवरी को तय थी। शादी की तैयारियों के बीच मंगलवार रात करीब 8 बजे महेश गुस्से से तमतमाता हुआ बेटी के पास पहुंचा और पिस्टल से उसके चेहरे पर गोली मार दी। तनु की मौके पर ही मौत हो गई।

पिस्टल से तीन, कट्टे से एक गोली मारीः पुलिस की जांच में पता लगा है कि तनु को कुल चार गोली मारी गई थीं। उसके शरीर में 32 बोर की पिस्टल से चलीं तीन गोलियां मिलीं जबकि एक गोली 315 बोर की है। यह कट्टे से चलाई गई है। इससे साफ है कि पिता और चचेरे भाई दोनों ने ही उसे गोलियां मारी हैं।

❒ ग्वालियर में फायरिंग करने वाला भाई भी गिरफ्तार, युवती की बॉडी से मिलीं 4 गोलियां

शादी के लिए राजी हो गए थे परिजन, फिर इनकार कियाः पुलिस के मुताबिक, तनु आगरा के रहने वाले विक्की उर्फ भूपेंद्र मावई के साथ रिलेशनशिप में थी। दोनों का समाज एक ही है। तनु के घर के पास ही विक्की की बहन की ससुराल है। विक्की वहां आता-जाता था। तनु ने घर वालों को विक्की से रिश्ते की बात बताई। लड़का समाज का था। आर्थिक स्थिति भी ठीक थी। गोत्र भी आपस में क्रॉस नहीं हो रहे थे। इसके चलते महेश गुर्जर शादी के लिए तैयार हो गया। लेकिन कुछ रिश्तेदारों ने लव मैरिज पर आपत्ति दर्ज कराई। कहा कि आज तुम्हारी लड़की लव मैरिज कर रही है तो कल हमारे परिवार में भी यही होगा। इज्जत की बात है। इससे महेश और उसका भतीजा राहुल भड़क गए थे।

बेटी के वीडियो से भड़क उठा महेशः महेश ने तनु और विक्की की शादी से इनकार कर दिया।

प्रशंसकों को विराट कोहली के चैम्पियंस ट्रॉफी से फार्म हासिल करने की उम्मीद

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज पिछले काफी समय से खराब फार्म से जूझ रहे हैं। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में वह रन नहीं बना पाये। जिसके बाद से ही वह सबके निशाने पर हैं। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जिस प्रकार वह एक ही तरीके से आउट हुए उससे प्रशंसकों में बेहद निराश है। अब प्रशंसकों को उम्मीद है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी से वह अपना खोया फार्म हासिल कर सकते हैं। इसका कारण है कि विराट आईसीसी टूर्नामेंटों में हमेशा सफल रहे हैं और उन्होंने जमकर रन बनाये हैं। इसमें 2023 एकदिवसीय विश्वकप हो या 2024 टी20 विश्व कप सभी में उनका बल्ला जमकर चला।

विराट ने 2008 में एकदिवसीय और 2011 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया। इसके बाद 2019 तक वह जमकर रन बनाते रहे। केवल 2020 में पहली बार उनका औसत 40 से कम हुआ। वहीं 2020 में कोहली 3 टेस्ट मैच में 19.33 के औसत से सिर्फ 74 रन बना सके। विराट ने इसके बाद 2021 में 28.21 के औसत से 536 रन बनाये। वहीं साल 2022 में 265 रन निकले। इसके बाद 2023 में कोहली ने वापसी करते हुए 55.91 के औसत से 671 रन बनाये पर इस साल की शुरुआत से ही वह लगातार विफल होते रहे हैं। इस साल वे 24.52 के औसत से सिर्फ 417 रन बना पाते हैं। इसमें अगर एक शतक को हटा दें तो उनका आंकड़ा और भी खराब नजर आयेगा। कोहली ने एकदिवीसय मैचों में 2020 और 2021 में 40 से अधिक की औसत से रन बनाए। लेकिन 2022 का साल एकदिवसीय में भी कोहली के लिए बुरा साबित हुआ। इस साल वे 11 एकदिवसीय में 27.45. के औसत से सिर्फ 302 रन बना पाते हैं। विराट 2023 में अच्छी वापसी करते हुए टेस्ट और एकदिवसीय में भी जमकर रन बनाते हैं। इसी साल उन्होंने विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। कोहली ने 2023 में 27 एकदिवसीय मैचों में 72.47 की औसत से 1377 रन बनाए। उन्होंने पिछले साल टी20 विश्वकप के फाइनल में भी शानदार अर्धशतकीय पारी खेली थी।

विराट और रोहित अपने भविष्य का फैसला स्वयं करें : कपिल देव

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देख ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली काफी अनुभवी खिलाड़ी हैं और उन्हें अपने भविष्य का फैसला स्वयं करने देना चाहिये। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद रोहित और विराट कोहली के भविष्य को लेकर कई प्रकार की अटकलें लगाई जा रही हैं पर कपिल के अनुसार ये मामला इनपर ही छोड़ देना चाहिये। ये दोनों इतने बड़े खिलाड़ी हैं कि अपने भविष्य का फैसला स्वयं कर सकते हैं। भारतीय टीम को अपना अगला टेस्ट इस साल जून में इंग्लैंड दौरे पर खेलना है जिसमें इन दोनो के रहने पर संदेह जताया जा रहा है। वही कपिल से जब इन खिलाड़ियों के भविष्य के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'विराट और रोहित बहुत बड़े खिलाड़ी है और खेल में अपने भविष्य का फैसला उन्हें खुद करने दीजिए। रोहित की जगह टीम में कप्तान के दावेदारों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'इस में किसी तरह का विवाद नहीं होना चाहिए, जो मौजूदा कप्तान है वह भी किसी की जगह आए थे। जो भी कप्तान हो उसे पूरा समय मिलना चाहिए। भारतीय टीम को इस दौरे पर बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों ने भी निराश किया। जसप्रीत बुमराह के अलावा कोई भी अन्य गेंदबाज प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाया। कपिल ने 1991-92 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 284 ओवर गेंदबाजी की थी पर बुमराह अपने अलग तरह के एक्शन के कारण जल्दी चोटिल हो गए। टीम को इस दौरे पर चोटिल मोहम्मद शमी की भी कमी खली। भारत को 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। कपिल ने अपनी गेंदबाजी से मौजूदा गेंदबाजों की तुलना करना सही नहीं समझा। उन्होंने कहा, 'खेल में तुलना करना ठीक नहीं है। दो अलग-अलग दौर के खिलाड़ियों की तुलना नहीं की जानी चाहिए। आज के दौर में खिलाड़ी एक दिन में 300 रन बना लेते है लेकिन हमारे जमाने में ऐसा नहीं होता था।

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ए की कप्तानी करेंगे जैक एडवर्ड्स

एजेंसी, मेलबर्न

न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स को सिडनी में आगामी चार दिवसीय मैच में इंग्लैंड लायंस का सामना करने के लिए ऑस्ट्रेलिया ए की 12 सदस्यीय युवा टीम का कप्तान बनाया गया है, जिसमें दो अन्य तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर आरोन हार्डी और विल सदरलैंड भी शामिल हैं। 31 वर्षीय कर्टिस पैटरसन को भी 2020 के बाद पहली बार ऑस्ट्रेलिया ए टीम में वापस बुलाया गया है और वह टीम में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं ने युवाओं पर जोर दिया है और अक्टूबर और नवंबर में दो चार दिवसीय मैचों में भारत ए का सामना करने वाली टीम से केवल पांच खिलाड़ियों को ही बरकरार रखा है, जिसमें जॉर्डन बकिंघम, फर्गस ओ'नील, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली, ब्रेंडन डॉगेट शामिल हैं, हालांकि डॉगेट को केवल उस श्रृंखला में देर से चोट लगने पर प्रतिस्थापन के रूप में शामिल किया गया था। मार्कस हैरिस, जिमी पीरसन या नाथन मैकएंड्रू के लिए कोई जगह नहीं थी, जिन्होंने मेलबर्न में दूसरे ऑस्ट्रेलिया ए गेम में ठोस प्रदर्शन किया था। पूर्व टेस्ट बल्लेबाज मैट रेनशॉ या पीटर हैंड्सकॉम्ब को भी नहीं चुना गया। कैमरून बैनक्रॉफ्ट बीबीएल में कंधे की हड्डी टूटने के कारण चोटिल हो गए हैं। अनुभवी दो टेस्ट मैच खेलने वाले तेज गेंदबाज माइकल नेसर, जिन्हें एमसीजी में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैच में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी, को भी नहीं चुना गया है। चयनकर्ताओं ने दिखाया कि वे भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान ऑस्ट्रेलिया ए के मैचों में उनके प्रदर्शन को कितना महत्व देते हैं, जिसमें नाथन मैकस्वीनी, सैम कोंस्टास और ब्यू वेबस्टर को भारत ए के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट डेब्यू के लिए चुना गया।

चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद गंभीर के भविष्य पर फैसला करेगी बीसीसीआई

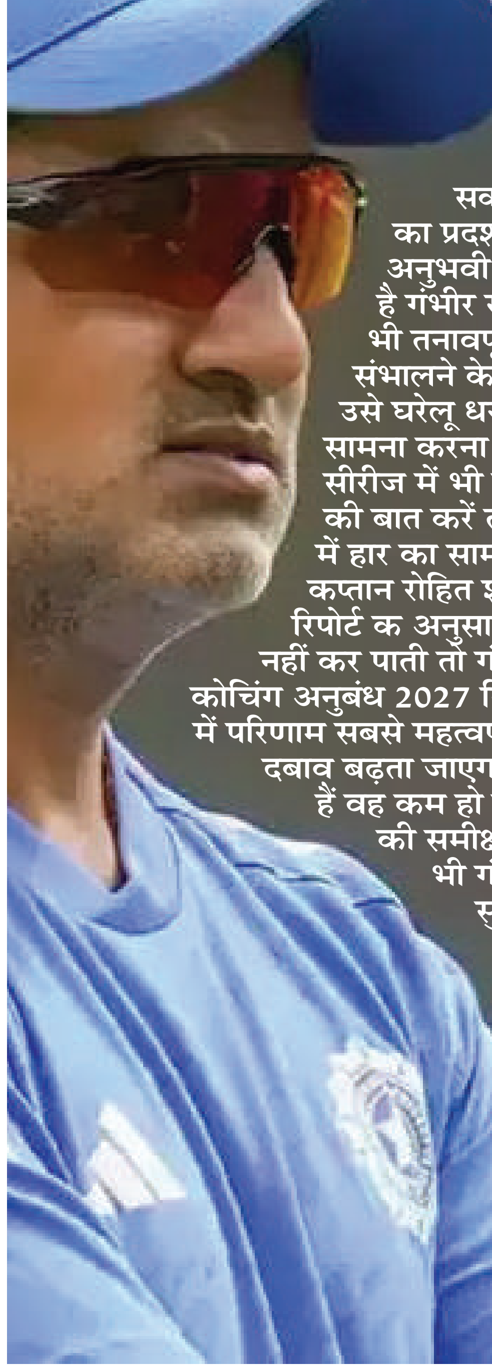

एजेंसी, मुम्बई : भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अगले माह होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को लेकर कोई फैसला कर सकती है। गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद से ही टीम का प्रदर्शन अच्छा नही रहा है। इसके साथ ही उनके टीम के अनुभवी खिलाड़ियों से मतभेद की भी खबरें हैं। माना जा रहा है गंभीर से कई खिलाड़ी खुश नहीं हैं जिससे ड्रेसिंग का माहौल भी तनावपूर्ण बना हुआ है। पिछले साल जुलाई में गंभीर के पद संभालने के बाद से ही भारतीय टीम दस में से छह टेस्ट हारी है। उसे घरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा। इसके अलावा टीम का प्रदर्शन बॉर्डर गावस्कर सीरीज में भी खराब रहा और टीम 3-1 से हार गयी। सीमित ओवरों की बात करें तो उसे श्रीलंका में एक द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। ये भी चर्चाएं हैं कि उनकी टीम के कप्तान रोहित शर्मा से नहीं बन रही। वहीं बीसीसीआई से जुड़ी एक रिपोर्ट क अनुसार अगर भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाती तो गंभीर की स्थिति और भी कमजोर हो सकती है। उनका कोचिंग अनुबंध 2027 विश्व कप तक है पर उसकी समीक्षा जारी रहेगी। खेल में परिणाम सबसे महत्वपूर्ण होते हैं और अगर वह नहीं मिलते तो गंभीर पर दबाव बढ़ता जाएगा, ऐस में अभी जो उन्हें टीम चयन में अधिकार मिले हैं वह कम हो जाएंगे। बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया में टीम के प्रदर्शन की समीक्षा की है। इसके अलावा टीम 'कल्चर के मामले पर भी गंभीर और सीनियर खिलाड़ियों में मतभेद हैं। गंभीर सुपरस्टार कल्चर खत्म करना चाहते हैं जो इतने साल से चला आ रहा है। उनका कहना है कि सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। इससे कुछ खिलाड़ी नाराज है। दूसरी ओर सीनियर खिलाड़ियों का मानना है कि कोच की ओर से संवाद की कमी है। इन सबके बीच राष्ट्रीय चयन समिति का भी नजरिया है जो नहीं चाहती कि चयन मामलों में कोच ज्यादा हस्तपेक्ष करें। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी इस बात से भी नाराज है कि गंभीर का निजी सहायक ऑस्ट्रेलिया में हर जगह टीम के साथ रहा। उन्होंने कहा, 'उसका पीए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की कार में क्या कर रहा था।

वीजा देरी के कारण अबू धाबी में इंग्लिश टीम के प्रशिक्षण शिविर में हिस्सा नहीं ले पाएंगे साकिब महमूद

एजेंसी, नई दिल्ली

इंग्लैंड के भारत दौरे से पहले, इंग्लिश तेज गेंदबाज साकिब महमूद वीजा देरी के कारण अबू धाबी में अपनी टीम के प्रशिक्षण शिविर से चूक जाएंगे। साकिब को इंग्लैंड की वनडे और टी20 दोनों टीमों में शामिल किया गया है। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को उम्मीद है कि 22 जनवरी को सीरीज के अपने पहले टी20 मैच के लिए पूरी टीम के कोलकाता जाने से पहले वीजा की समस्या का समाधान हो जाएगा। पाकिस्तानी मूल के अंग्रेजी खिलाड़ियों के लिए वीजा में देरी एक परिचित समस्या है। इससे पहले 2024 में, इंग्लैंड के स्पिनर शोएब बशीर को वीजा मिलने में देरी के कारण हैदराबाद में भारत के खिलाफ इंग्लैंड के पहले टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया था। ईसीबी ने दिसंबर 2024 को भारत के व्हाइट-बॉल दौरे के लिए टीमों की घोषणा की, जिसमें तीन वनडे, पांच टी20 और आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 शामिल है। पांच मैचों की टी-20 सीरीज 22 जनवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगी। दूसरा मैच 25 जनवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में होगा। तीसरा मैच 28 जनवरी को राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में खेला जाएगा। चौथा और पांचवां मैच क्रमशः 31 जनवरी और 2 फरवरी को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। वनडे सीरीज 6 फरवरी को नागपुर के वीसीए स्टेडियम में शुरू होगी। दूसरा वनडे 9 फरवरी को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि अंतिम मैच 12 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

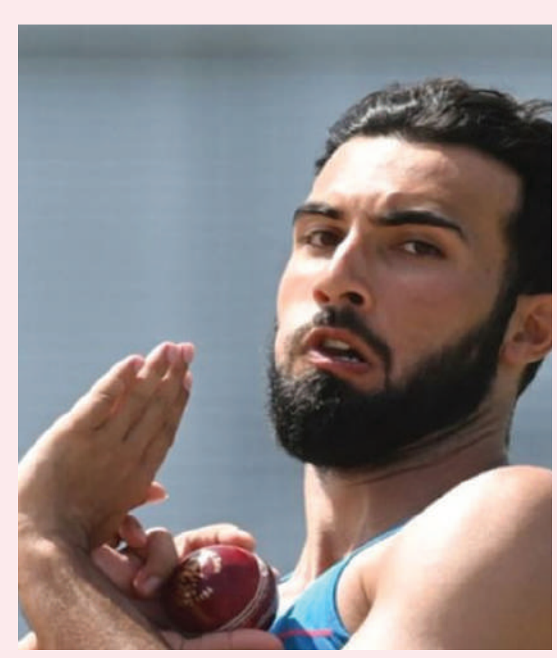

भारत की नंबर 1 महिला शतरंज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी की नॉर्वे शतरंज महिला 2025 में वापसी

एजेंसी, स्टवांगर

15 जनवरी (हि.स.)। भारत की शीर्ष महिला शतरंज खिलाड़ी और विश्व में क्लासिकल शतरंज में छठे स्थान पर काबिज कोनेरू हम्पी प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज महिला 2025 टूर्नामेंट में वापसी कर रही हैं। टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी ने प्रशंसकों और विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है।

हम्पी का शतरंज करियर उनकी असाधारण उपलब्धियों से भरा है। वह 2002 में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उनकी अन्य बड़ी उपलब्धियों में 2019 और 2024 में विश्व रैपिड चैम्पियनशिप खिताब जीतना शामिल है। 2020 में, उन्हें बीबीसी इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया था। उन्होंने ओलंपियाड, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में भी भारत का नाम रोशन किया है। नॉर्वे शतरंज महिला 2025 हम्पी के लिए अपने कौशल और क्षमता का प्रदर्शन करने का एक और बड़ा मंच होगा। 2600 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाली दुनिया की दो महिला खिलाड़ियों में से एक के रूप में, उन्होंने शतरंज में असाधारण मानक स्थापित किए हैं। हम्पी ने टूर्नामेंट के प्रति अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा, "प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में खेलना मेरे लिए गर्व की बात है।" टूर्नामेंट के निदेशक केजेल मैडलैंड ने हम्पी की वापसी पर कहा, "हम्पी की उपलब्धियां शतरंज जगत में एक प्रेरणा हैं। हम नॉर्वे शतरंज महिला 2025 में उनका स्वागत करते हुए बेहद खुश हैं।" उनकी भागीदारी न केवल भारत बल्कि दुनिया भर के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या इस बार भी हम्पी अपने शानदार प्रदर्शन से खिताब हासिल कर पाती हैं।

चेन्नइयन एफसी पर लीग डबल पूरा करना मोहम्मडन स्पोर्टिंग का लक्ष्य

एजेंसी, कोलकाता

मोहम्मडन एससी की टीम बुधवार शाम अपने घरेलू मैदान किशोर भारती क्रीड़ांगन में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में चेन्नइयन एफसी की मेजबान करेगी, तो उसका लक्ष्य अपना पहला लीग डबल हासिल करना होगा जबकि मरीना माचान्स किसी नई-नवेली टीम के हाथों ऐसी शर्मनाक स्थिति से बचना चाहेंगे।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने अपने पिछले तीन मैचों (1 जीत, 2 ड्रा) में अपराजित रहकर रक्षात्मक मजबूती दिखाई है, जिसमें उनकी पिछले अवे मैच में बेंगलुरू एफसी पर 1-0 की जीत भी शामिल है। वहीं, चेन्नइयन एफसी घर से बाहर अपने पिछले तीन मैच बिना गोल किए हारी है।

मोहम्मडन एससी 15 मैचों में दो जीत, चार ड्रा और नौ हार से 10 अंक लेकर तालिका में 12वें स्थान पर है। वहीं, चेन्नइयन एफसी 15 मैचों में चार जीत, चार ड्रा और सात हार से 16 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है।

मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने इस सीजन में हैडर के जरिये छह गोल खाए हैं, जो संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। चार हैडर से गोल करने वाली चेन्नइयन एफसी मेजबान टीम की इस कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। मोहम्मडन (26) ने चेन्नइयन एफसी (22) की तुलना में ज्यादा बड़े मौके बनाए हैं, लेकिन उसकी 19.2% की रूपांतरण दर लीग में सबसे कम है।

चेन्नइयन एफसी अपने पिछले तीन अवे मैचों में गोल करने में विफल रही है। लाडिनपुइया प्रति मैच 6.2 बार कब्जा फिर हासिल करते हैं, अब तक 21 टैकल किए हैं और 77% सटीकता के साथ प्रति मैच 32 पास किए हैं। रूसी हेड कोच आंद्रेई चेर्निशोव ने ब्लैक पैंथर्स को अपनी क्षमताओं पर भरोसा बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, "मैं इन खिलाड़ियों के साथ काम करके काफी खुश हूं। जीत ने हमारे अंदर सकारात्मकता पैदा की है। मैं अपने खिलाड़ियों से खुद पर यकीन करने के लिए कहता रहता हूं।" मरीना माचान्स के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल ने अपनी टीम से रक्षात्मक रूप से अधिक अनुशासित रहने को कहा। उन्होंने कहा, "हम अभी भी सामान्य खेल रहे हैं। हमें अपना स्तर वापस पाने की कोशिश करनी होगी। हमें डिफेंस में कड़ी मेहनत करनी होगी और अगर हम ऐसा करते हैं, तो हम मैच जीतना शुरू कर देंगे।" बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच एक मुकाबला हुआ है, जिसमें मोहम्मडन स्पोर्टिंग पहली जीत का स्वाद चखा था। मोहम्मडन एससी ने चेन्नइयन एफसी को 1-0 से हराया था।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, गुरुवार, 16 जनवरी, 2025

मत्स्य पालन आजीविका का बेहतर जरिया

आज भारत मत्स्य उत्पादक देश के रूप में उभर रहा है। एक समय था, जब मछलियों को तालाब, नदी या सागर के भरोसे रखा जाता था। बदलते वैज्ञानिक परिवेश में इसके लिए कृत्रिम जलाशय बनाए जा रहे हैं, जहां वे सारी सुविधाएं उपलब्ध होती हैं जो प्राकृतिक रूप में नदी, तालाब और सागर में होती हैं। छोटे शहरों और गांवों के वे युवा, जो कम शिक्षित हैं वे भी मछली पालन उद्योग लगा कर अच्छी आजीविका अर्जित कर सकते हैं। देश के लाखों लोगों का चूल्हा इसी उद्योग से जलता है। मछली पालन उद्योग ज्यादातर तटीय इलाकों पर ही फलता-फूलता है।

आर्थिक सुदृढ़ता में सहायक

मत्स्य पालन ने वर्ष 2008 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 1 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया। भारत में मछली पकड़ने के व्यवसाय में लगभग 14.5 लाख लोग जुड़े हुए हैं। विश्व के लगभग आधे देश भारत में पैदा होने वाली मछली का उपभोग करते हैं। इस प्रकार यह उद्योग आर्थिकी को सुदृढ़ करने के साथ-साथ रोजगार भी देता है। पिछले कुछ दशकों के दौरान भारतीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि शिल्प में सुधार देखा गया है। मछली पकड़ने से आर्थिक लाभ के लिए भारत सरकार ने विशेष आर्थिक पैकेज अपनाया है। इसके लिए हिंद महासागर का 370 किलोमीटर और 2 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक का क्षेत्र इसमें शामिल किया गया है।

प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- अंतरदेशीय मत्स्य संस्थान, केरल
- केंद्रीय संस्थान मत्स्य प्रौद्योगिकी, कोच्चि
- केंद्रीय मत्स्य समुद्री और इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान जुहु, मुंबई
- मत्स्य पालन केंद्रीय तटीय इंजीनियरिंग संस्थान, बंगलूर
- सेंट्रल इन्लैंड फिशरीज रिसर्च इंस्टीच्यूट बैरकपुर, कोलकाता
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोचीन
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट फ्रेश वाटर एक्वाकल्चर भुवनेश्वर, ओडिशा
- डायरेक्टरेट ऑफ कोल्ड वाटर फिशरीज रिसर्च इंस्टीच्यूट भीमताल, उत्तराखंड
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना
- इसके अलावा भारत में 19 मत्स्य पालन से संबंधित कालेज हैं और एक मत्स्य पालन विश्वविद्यालय (सीआईएफई) इस क्षेत्र में प्रचार-प्रसार कर रहा है।

शैक्षणिक योग्यता

मत्स्य पालन में तकनीकी ज्ञान का विशेष महत्व होता है। तकनीकी कौशल का होना अनिवार्य है, लेकिन अगर अभ्यर्थी ने बीएससी मेडिकल साइंस अथवा जूलॉजी जैसे विषयों में विधिवत शिक्षा प्राप्त की हो तो सुविधा रहती है। इस क्षेत्र में डीएफएसए और एमएससी की डिग्री भी होती है।

वेतनमान

मत्स्य पालन में आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि आपने मछली पालन को किस स्तर पर अपनाया हुआ है और किस प्रजाति की मछली को पालन के लिए चुना है। वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन करने पर प्रति महीने एक लाख तक आमदनी हो सकती है।

चुनौतियां कम नहीं

इस व्यवसाए से जुड़े लोग जोखिम भरी जिंदगी जीते हैं। समुद्र की लहरों से जूझने का जज्बा रखने वाले लोग ही इस करियर में कामयाब होते हैं। कभी-कभी तो ऐसे समाचार भी सुनने को मिलते हैं कि पाकिस्तान या दूसरे किसी देश ने हमारे मछुआरों को कैद कर लिया यानी कि मछली पकड़ते हुए दूसरे देश की हद में निकल जाते हैं और फिर घुसपैठ का आरोप लगाकर दूसरे देश द्वारा गिरफ्तार कर लिए जाते हैं। इस क्षेत्र में अपना रोजगार शुरू करने वाले को तालाब बनाने पर काफी खर्च करना पड़ता है। कभी-कभी तो ऋण लेने की नौबत भी आ जाती है। इसके अलावा कई बार मछलियां किसी बीमारी का शिकार हो जाती हैं, तो फिश फारम चलाने वालों को बड़ा आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ता है।

इमिटेशन ज्वेलरी उद्योग का अच्छा पर्याय

आजकल इमिटेशन ज्वेलरी ने 9 हजार करोड़ के उद्योग की सीमा लांघ ली है। अमीर लोगों में इमिटेशन ज्वेलरी का ट्रेंड इन दिनों बहुत बढ़ा है। इसलिए इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

आजकल इमिटेशन ज्वेलरी ने 9 हजार करोड़ के उद्योग की सीमा लांघ ली है। अमीर लोगों में इमिटेशन ज्वेलरी का ट्रेंड इन दिनों बहुत बढ़ा है। इसलिए इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इस क्षेत्र में अब प्रीमियम क्वालिटी रेंज आ गई है जिसमें गोल्ड, सिल्वर व प्लेटिनिम ज्वेलरी का समावेश है। इस क्षेत्र की विशेषता यह है कि इसके सभी प्रोडक्ट्स, फैंसी होने के कारण मटेरियल को बहुत ज्यादा महत्व न होकर सारा फोकस फैशन, पॉलिश व फिनिशिंग पर बहुत ज्यादा होता है। इस कारण इस इमिटेशन ज्वेलरी उद्योग में मार्जिन ऑफ प्रॉफिट भी बहुत है।
सोने की दिनोंदिन बढ़ती कीमतें, चोरी के डर के चलते इस इमिटेशन ज्वेलरी का बिजनेस बहुत लोकप्रियता हासिल कर रहा है। हर व्यक्ति अपना कॅरियर बनाना चाहता है आवश्यकता होती है अच्छा और दमदार पर्याय ढूढ़ निकालने का। आजकल इमिटेशन ज्वेलरी ने 9 हजार करोड़ के उद्योग की सीमा लांघ ली है। अमीर लोगों में इमिटेशन ज्वेलरी का ट्रेंड इन दिनों बहुत बढ़ा है। इसलिए इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं बढ़ गई हैं।
आजकल इस युग में नकली का बोलबाला है। असली कुछ मिलता ही नहीं। यहां तक कि जहर भी नकली आने लगा है। खाने के बाद भी आदमी

जिन्दा बच जाता है।
इस क्षेत्र में अब प्रीमियम क्वालिटी रेंज आ गई है जिसमें गोल्ड, सिल्वर व प्लेटिनिम ज्वेलरी का समावेश है। इस क्षेत्र की विशेषता यह है कि इसके सभी प्रोडक्ट्स, फैंसी होने के कारण मटेरियल को बहुत ज्यादा महत्व न होकर सारा फोकस फैशन, पॉलिश व फिनिशिंग पर बहुत ज्यादा होता है। इस कारण इस इमिटेशन ज्वेलरी उद्योग में मार्जिन ऑफ प्रॉफिट भी बहुत है। सोने की दिनोंदिन बढ़ती कीमतें, चोरी के डर के चलते इस इमिटेशन ज्वेलरी का बिजनेस बहुत लोकप्रियता हासिल कर रहा है। अब समाज का हर वर्ग न सिर्फ धनी और उच्च बल्कि मध्यम वर्ग भी इस तरफ आकर्षित होने लगा है। इस व्यवसाय में खास धूम मचाने वाले पूरे विश्व में सिर्फ दो ही देश है- पहला भारत और दूसरा चीन।
इस इमिटेशन ज्वेलरी के निर्माण में चीन पहले क्रमांक पर है। भारत में इस व्यवसाय में 900 हजार करोड़ का लेन-देन होता है और लगभग पांच लाख लोगों को इस क्षेत्र में रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। परन्तु बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि बीते दो सालों में चीन ने भारत से 30 प्रतिशत व्यवसाय छीन लिया है। इस प्रकार का कब्जा भारत में इमिटेशन ज्वेलरी के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। इमिटेशन ज्वेलरी के आन-लाइन विक्रय का प्रतिशत मात्र एक है। अभी इसमें काफी सुधार लाने की आवश्यकता है। अनुमानतः इस उद्योग को घरेलू उद्योग में गिना जा सकता है। क्योंकि 20 से 30 लाख तक का रॉ मटेरियल लाकर घर में ही चार-पांच महिलाएं मिलकर ज्वेलरी का काम शुरू कर सकती हैं। इस ज्वेलरी का निर्यात कर पाना भी संभव हो सकेगा। जब उसके निर्माण में नए-नए डिजाइन का इस्तेमाल करें। इस उद्योग में हर साल 20 प्रतिशत की वृद्धि भी संभव हो सकती है। यदि हम भारत की ही बात करें तो सिर्फ महानगरी मुंबई में ही तीन हजार से अधिक उद्योजक इस व्यवसाय से जुड़े हैं।
ये सभी व्यवसायी उत्पादन, ट्रेडिंग निर्यात प्रोसेसिंग, रॉ मटेरीयल इत्यादि क्षेत्रों से जुड़े हैं। इन सब का टर्न ओव्हर से 1 लेकर 50 करोड़ तक का है। मुंबई की तर्ज पर ही यह उद्योग गुजरात और राजस्थान में भी फल-फूल रहा है। यदि उद्योजकों ने नई कनीक का लाभ उठाते हुए ई-कामर्स के माध्यम से पूरे विश्व में ज्वेलरी का विक्रय किया तो वो दिन दूर नहीं जब इस इमिटेशन ज्वेलरी का ग्राहक हाथों हाथ झेल लेगा। इस व्यवसाय को यदि आज का तरुण वर्ग या तरुणियां अपनाना चाहती हैं तो उन्हें पांच कामगार 500 वर्गफुट जगह, ई-कामर्स वेबसाईट का ज्ञान और मार्केटिंग का टेक्ट मालूम होना आवश्यक है।

कम लागत

इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए लागत (कैपिटल) 20 से 30 लाख रुपए अनुमानित हो सकती है। इस ज्वेलरी में 20 से 25 प्रतिशत नफा सहज रूप से प्राप्त किया जा सकता है। यह व्यवसाय अच्छा चल जाए तो लागत को देखते हुए एक साल में एक कोटि तक पहुंचा सकता है। इमिटेशन ज्वेलरी का मार्केट, यूरोप, अफ्रीका, अमेरिका और एशियाई देशों में बहुत बड़े प्रमाण पर होता है। यदि युवाओं ने मेहनत और लगन के साथ व्यवसाय किया तो न सिर्फ यह शहरों तक सीमित रहेगा बल्कि गांव, कस्बों तक फैलाया जा सकता है। इस उद्योग के शुरू होने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सकते हैं। हम चाहेंगे युवा बेझिझक इस क्षेत्र में आएं। अच्छा कैरियर बनाएं, नाम कमाएं, निर्णय उन्हें लेने दें।

कोर्स के दौरान

तेज़ी से बढ़ते इस क्षेत्र की डिमांड लोगों को इसमें करियर बनाने के लिए आकर्षित कर रही है। ज्वेलरी डिज़ाइन कोर्स के दौरान अलग-अलग पत्थरों, ज्वेलरी बनाने में कलर कॉम्बिनेशन, डिज़ाइन थीम, प्रेज़ेंटेशन, फ्रेमिंग, कॉस्ट्म ज्वेलरी आदि सिखाया जाता है।

तकनीकी शिक्षा

ज्वेलरी डिज़ाइन कोर्स के दौरान कम्प्यूटर एडेड ज्वेलरी सॉफ्टवेयर, जैसे- ज्वेल कैड, ऑटो कैड, 3 डी स्टूडियो आदि के बारे में टेक्निकल नॉलेज भी दिया जाता है। इसके साथ ही फोटोशॉप, कोरल ड्रॉ, वेट एंड मेटल कम्पोजिशन के बारे में भी बताया जाता है।

प्रमुख संस्थान

- जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई।
- सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई।
- जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर।
- इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली।
- जैम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली।
- ज्वेलरी डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, नोएडा।
- एसएनडीटी यूनिवर्सिटी, मुंबई।

ग्लोबल मार्केट और फैशन के प्रति रुचि होना बहुत ज़रूरी

ज्वेलरी डिज़ाइन में करियर बनाने के लिए सबसे पहले इस क्षेत्र के प्रति लगाव और ज्वेलरी डिज़ाइन का सेंस होना बहुत ज़रूरी है। इसके साथ ही क्रिएटिव, कल्पनाशील, न्यू ट्रेंड का सेंस, फैशन सेंस आदि के साथ मेहनती होना बहुत आवश्यक है। ज्वेलरी डिज़ाइन में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो धैर्य को अपना साथी बना लें। इस काम में ईमानदारी भी बहुत ज़रूरी होती है। ख़ासतौर पर अगर आप किसी गोल्ड, डायमंड जैसी धातुओं से ज्वेलरी बनाने में लगे हैं, तो थोड़ी सी भी लापरवाही आपके व्यक्तित्व पर प्रश्न चिह्न लगा सकती है। ग्लोबल मार्केट और फैशन के प्रति रुचि होना बहुत ज़रूरी है।

रोजग़ार के अवसर

ज्वेलरी डिज़ाइन में आगे बढ़ने के लिए बहुत स्कोप है। कोर्स करने के बाद आप फुल टाइम किसी कंपनी के साथ जुडक़र काम शुरु कर सकते हैं। ज्वेलरी डिज़ाइन हाउस, एक्सपोर्ट हाउस, फैशन हाउस आदि जगहों पर आप काम शुरु कर सकते हैं। इसके साथ ही अगर आप आर्थिक रूप से मज़बूत हैं, तो ऑफिस-कम होम से भी काम शुरु कर सकते हैं। घर से काम शुरु करने के कई फ़ायदे होते हैं। घर के काम के अलावा आप अपने करियर को भी संवार सकते हैं। इतना ही नहीं दिन में किसी ऑफिस में काम करके आप घर पर पार्ट टाइम इस काम को जारी रख सकते हैं। आप अगर किसी कंपनी से फुल टाइम नहीं जुडऩा चाहते तो फ्रीलांस के तौर पर काम शुरू कर सकते हैं। इससे आप मनमुताबिक़ पैसा कमा सकते हैं।

खुद को दूसरे से कम न आंकिए

सफलता का पहला मंत्र है प्रयत्न करना। यदि आप प्रयत्न करने को तत्पर हो जाते हैं, तो आधी सफलता तो आपको मिल गई समझो। कहा भी तो है कि अच्छी शुरुआत यानी आधी सफलता। सफलता का दूसरा मंत्र है कि अपने मन में हीन भावना न आने दें।
सफलता मिलने की आशा नहीं है, तो इस का मतलब यह नहीं

कि कोशिश ही न करें। असफलता मिलने की उम्मीद के कारण कोई कार्य ही न करें। कार्य करें और अपनी ओर से पूर्ण मेहनत के साथ कार्य करें। पर अगर मन में जरा-सी भी शंका हो तब उस शंका का निवारण जरूरी है। दरअसल प्रयत्न और भीतर की आवाज सुनने में एक तरह से संतुलन बैठाना होता है और जिसने सही तरीके से संतुलन बिठा लिया, उसकी सफलता की दर बढने की संभावना रहती है, क्योंकि वह अपनी गलतियों को स्वयं के सामने रखने का माद्दा रखता है। कई बार ऐसा होता है कि स्टूडेंट्स दूसरों के ओपिनियन के आधार पर अपने बारे में गलत राय बना लेते हैं। याद रखिए जो कामयाब हैं वे इसलिए कि वे अपने को किसी से कम नहीं आंकते। वे हमेशा अपनी बेहतर चीजों पर फोकस करते हुए अपना सेल्फ कान्फिडेंस बढ़ाते रहते हैं और अपनी पर्सनेलिटी को चमकाते रहते हैं। इसलिए अपने भीतर झांकिए और दूसरों से अपने को बिलकुल कम मत आंकिए कई स्टूडेंट्स इस प्रॉब्लम से जूझते दिखाई देते हैं। न तो उनका फिजिकल अपीरियंस अच्छा है न उनकी चाल न उनकी आवाज अच्छी है और न एटीच्यूड। वे दूसरों की धारणा पर अपने बारे में राय बना लेते हैं और परेशान रहते हैं। वे अपनी स्टडी, कैरियर और लाइफ से नाखुश रहते हैं। इसलिए वे कोशिश करते हैं कि वे कुछ और हो जाएं। कामयाब होने की पहली सीढ़ी है अपने को स्वीकार करना, अपने को प्यार करना और अपनी गलतियों को भुला देना। इसकी आज से ही शुरुआत कर दीजिए। यहां दी जा रही कुछ टिप्स को अपनाएं और आगे बढ़ जाएं। गौरतलब है कि सबसे पहली बात तो यह है कि अपने बारे में तमाम नापसंद बातों को भूल जाएं। आपको लगता है कि न तो आप स्मार्ट हैं और न ही हंबल, यह सब निगेटिव थिंकिंग का रिजल्ट है। इसलिए अपने बारे में अच्छी बातें सोचिए। अपने बारे में दूसरों की राय को ज्यादा महत्त्व मत दीजिए और अपने को सफल होते देखने की आदत डालिए।
आत्मविश्वास बड़ाने का एक आसान और सहज तरीका है अपने को आईने में देखना। आईने के समाने खड़े होकर अपने से लगातार कहते रहिए कि आप यूनिक हैं, हैंडसम हैं या ब्यूटीफुल हैं। सेल्फ कान्फिडेंस हासिल करने के बाद उस तरफ बढने की कोशिश करिए, जो आप हासिल करना चाहते हैं। अपने बारे में तमाम अच्छी बातें या अपनी क्वालिटीज को लिख लें और कमजोरियों को भी लिख लें। यदि आपको लगता है कि आप जल्द ही इमोशनल हो जाते हैं या हर्ट हो जाते हैं तो उसकी जड़ों को समझने की कोशिश करिए। इससे आप अपने ही बारे में बेहतर अंडरस्टैंडिंग बना पाएंगे। दुनिया में तमाम ऐसे उदाहरण हैं कि जिनके पास खूब पैसा और शोहरत थी, लेकिन वे कभी अपनी जिंदगी में खुश नहीं रह पाए। जाहिर है खुशी बाहर नहीं, भौतिक सुख-सुविधाओं में नहीं। यह पूरी तरह आप पर निर्भर है कि आप खुश रहना चाहते हैं कि दुखी। इसलिए अपने भीतर सदा ग्रीनर साइड ही देखें। अपने बारे में हमेशा सकारात्मक सोचें। क्योंकि आपकी सोच ही आपकी जिंदगी का आईना होती है। मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। तो क्यों न ऐसा सोचा जाए कि आप अच्छे बन जाएं। नकारात्मक सोच आपको असफलता के धुंधलके में ले जाती है। कोई आपको लाख सलाह दे, पर जब तक आप स्वयं अपने मन को नकारात्मक सोचने से मना नहीं करेंगे, तब तक कुछ नहीं होगा। सफलता का सफर सकारात्मकता से शुरू हो कर उपलब्धियों पर आकर खत्म होता है और असफलता का तो कोई सफर ही नहीं होता। असफलता खुद-ब खुद आपके द्वार आ जाती है। और यदि आप कुछ करें तो यही असफलता सफलता में तबदील हो सकती है। सफलता का पहला मंत्र है प्रयत्न करना। यदि आप प्रयत्न करने को तत्पर हो जाते हैं, तो आधी सफलता तो आपको मिल गई समझो। कहा भी तो है कि अच्छी शुरुआत यानी आधी सफलता। सफलता का दूसरा मंत्र है कि अपने मन में हीन भावना न आने दें। अपने को दूसरों से हमेशा बेहतर समझें। आप यह मानकर चलें कि जो काम आप कर सकते हैं, वह कोई दूसरा नहीं कर सकता। आप अपने आप को इस विश्व का अद्वितीय इनसान समझें। यह धारणा आप में आत्मविश्वास पैदा करेगी। ध्यान रहे कि इस दरमियान अपने ऊपर अभिमान को हावी न होने दें। क्योंकि यदि आप के मन में अहंकार घर कर गया तो आप सब कुछ गंवा बैठेंगे।

कुशल टंडन संग पार्टी करती दिखीं शिवांगी जोशी

शिवांगी जोशी और कुशल टंडन, टीवी के जाने-माने एक्टर्स हैं। दोनों के पिछले साल से रिलेशनशिप में होने की बात सामने आ रही है। लेकिन अभी तक इन्हें साथ में फैंस ने कपल के तौर पर नहीं देखा, ना ही दोनों एक्टर्स ने इस बात की पुष्टि भी की। ऐसे में जब शिवांगी और कुशल को साथ में पार्टी करते देखा गया और शिवांगी ने ये वीडियो अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लगाया।

शिवांगी और कुशल की जोड़ी को पसंद करने वाले फैंस ने जब दोनों का साथ में पार्टी वाला वीडियो देखा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। एक फैन ने सोशल मीडिया पर लिखा- 'कुशल और शिवांगी अपने प्राइवेसी जोन से बाहर आने में आपको एक साल का समय लगा है। लेकिन मैं दोनों को साथ में देखकर खुश हूं।' एक और फैन लिखती है- 'ये दोनों साथ में बहुत प्यारे लगते हैं।' फैन ने कुशल और शिवांगी की जोड़ी को एक नाम भी दिया- 'कुशिव'। दोनों एक्टर्स के नाम को मिलाकर यह नया नाम बना है। कई फैंस अपनी पसंदीदा जोड़ी को ऐसी अलग तरह का नाम देते हैं।

कुशल ने शादी करने की बात की

साल 2024 में कुशल टंडन ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वह प्यार में हैं और उनके माता-पिता चाहते हैं कि वह जल्द शादी कर लें। लेकिन वह अपने रिश्ते को धीरे-धीरे आगे लेकर जाना चाहते हैं।

सीरियल के सेट पर प्यार की शुरुआत

शिवांगी जोशी और कुशल टंडन टीवी सीरियल बरसातें-मौसम प्यार का में साथ नजर आए थे। ऐसा माना जाता है कि इसी सीरियल के सेट पर दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी थी। इससे पहले शिवांगी ये रिश्ता क्या कहलाता है सीरियल से पॉपुलर हुईं। वहीं कुशल टंडन सीरियल एक हजारों में मेरी बहना है से लाइमलाइट में आए।

अभी एक्टिंग में नए मुकाम की तलाश में हैं श्रेया चौधरी

बंदिश बैंडिट्स के सीजन 2 से चर्चा में आईं एक्ट्रेस श्रेया चौधरी ने इससे पहले भी कई शोज और वेब सीरीज में काम किया है। उनके रोल्स काफी दमदार रहे हैं और वो अभी एक्टिंग में नए मुकाम की तलाश में हैं।

ओटीटी ने कई नए कलाकारों को न केवल अभिनय की जमीन दी, मगर साथ ही नई-नई भूमिकाओं में एक्सपेरिमेंट करने का हौसला भी। ऐसे ही कलाकारों में एक अभिनेत्री हैं श्रेया चौधरी, जो इन दिनों वेब सीरीज बंदिश बैंडिट्स के सीजन 2 से चर्चा में हैं। अपनी इस सीरीज में उन्हें नसीरुद्दीन शाह और दिव्या दत्ता जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला है, मगर वे इससे पहले मनीषा कोइराला के साथ डियर माया में काम कर चुकी हैं। उनका कहना है कि मनीषा कोइराला से उन्होंने बहुत कुछ सीखा। वे कहती हैं, मैं उस वक्त काफी नई थी। 2017 की बात है। मैं जब पहले दिन सेट पर पहुंची, तो बहुत नर्वस थी। मैंने देख कि मेरे सामने एक ऐसी अभिनेत्री खड़ी हैं, जिन्होंने अपने जीवन में सब कुछ अचीव कर लिया है। कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, मगर सेट पर उनकी विनम्रता देखते बनती थी। वे मुझसे इतने प्यार से मिलीं कि मैं तो एकदम अभिभूत हो गई। वे रोजाना सेट पर अपनी पूरी रिहर्सल करतीं। उन्होंने कभी ये नहीं जताया कि वे बड़ी अभिनेत्री हैं। अपनी इस सीरीज में मैं नसीर सर, दिव्या और शीबा मैम (दिव्या दत्ता और शीबा) के साथ काम कर चुकी हूं। जितने भी बड़े आर्टिस्ट हैं, उनमें एक बात मैंने जरूर देखी है कि वे सेट पर ऐसे आते हैं, जैसे पहली बार अभिनय करने आए हों। इन सभी कलाकारों में मैंने बच्चों-सी उत्सुकता देखी। वही जिज्ञासा, जो पहली बार होती है। मुझे लगता है कि यही बातें इन्हें बड़ा कलाकार बनाती हैं।

मेरी मां ने दिए प्यार को लेकर टिप्स

ब्यूटी पेजेंट्स में कई टाइटल जीत चुकी श्रेया अपनी हालिया सीरीज बंदिश बैंडिट्स में सिंगर तमन्ना का किरदार निभा रही हैं, जो अपनी संगीत की विरासत के बावजूद एक जुनूनी प्यार में पड़ जाती हैं। उनसे जब पूछा जाता है कि वे किस तरह के प्यार में यकीन करती हैं? क्योंकि आज प्यार ने बहुत मॉडर्न रूप ले लिया है, तो वे कहती हैं, मेरे सामने प्यार का सबसे खूबसूरत रूप मेरे माता-पिता हैं, जो अलग कास्ट से आते हैं। जब उन्होंने प्यार किया, तो उनकी शादी के लिए उनके परिवार कत्तई राजी नहीं थे, मगर वे अपने प्यार पर अडिग रहे और वे आज भी साथ हैं। मेरी मां ने मुझे और मेरे भाई को प्यार को लेकर एक सलाह दी कि कभी भी किसी से प्यार करना, तो इतना करना कि उसके लिए पूरी दुनिया से लड़ सको। मेरे पैरेंट्स के कारण प्यार को लेकर मेरी सोच जुनूनी और ओल्ड स्कूल है। मैं उसी तरह का प्यार करती हूं, मगर हां, आज की तारीख में मैं प्यार के बजाय अपने करियर पर ध्यान देना चाहती हूं। मैं एक ओल्ड स्कूल लवर हूं।

इम्तियाज अली सर की हीरोइन बनना चाहती हूं

बहुत कम लोग जानते हैं कि श्रेया इम्तियाज अली निर्देशित शॉर्ट फिल्म,द अदर वे में काम कर चुकी हैं। वे कहती हैं, इम्तियाज अली सर ही थे, जिन्होंने मुझे यकीन दिलाया कि मैं अभिनेत्री बन सकती हूं और सही राह पर हूं। मैंने उनसे अभिनय की बारीकियां सीखी और मेरी दिली इच्छा है कि इम्तियाज सर की फिल्मों की हीरोइन बनूं। मैं कोलकाता से हूं और हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थी, मगर मेरा यकीन पुख्ता करने में इम्तियाज सर का बहुत बड़ा हाथ रहा। जल्द ही मैं बोमन इरानी निर्देशित मेहता बॉयज में नजर आऊंगी। मेरा रोल काफी दिलचस्प है। मैं फिल्म को लेकर काफी उत्सुक हूं।

आश्रम 4 में होंगे 5 एपिसोड, नए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आएगी सीरीज

एनिमल की अपार सफलता के चलते बॉबी देओल पर इंडस्ट्री बड़े दांव लगा रही है। यहां तक कि रिलीज होने से पेंडिंग चल रहे प्रोजेक्ट्स को भी रीवाइव किया जा रहा है। मिसाल के तौर पर आश्रम 4। इसमें वे नेगेटिव रोल में रहे हैं। तीसरा सीजन दो साल पहले एमएक्स प्लेयर प्लेटफॉर्म पर आया था। ऐसे में अब नए साल में आश्रम 4 को रिलीज करने की तैयारियां जारी हैं। इस सीरीज को प्रकाश झा डायरेक्ट करते रहे हैं। हालांकि आगे के सीजन्स को वह सिर्फ सुपरवाइज करेंगे। डायरेक्शन की कमान किसी और के हाथ होगी। इसकी अनाउंसमेंट जल्द होगी।

इस बार सीरीज की कहानी किरदार पम्मी पर ही फोकस होगी

वेब सीरीज आश्रम 4 प्राइम वीडियो पर ही आएगा। सीजन 5 की भी चर्चा है। लेकिन वे एडवांस स्टेज पर है। यह पहले सीजन 4 आ जाए, तो उसके बाद देखेंगे क्या करना है। मेकर्स को ओटीटी वालों ने कहा है कि इस पर काम करना है। इसके अलावा सीजन 5 की भी स्टोरी लाइन तैयारी में है। सीजन 4 की कहानी मूल पम्मी के किरदार पर है। इस बार के सीजन के कुल 5 एपिसोड हैं।

जयपुर और भोपाल में हुई शूटिंग

इसकी शूटिंग जयपुर और भोपाल में हुई है। जबकि प्रकाश झा के बैनर से एक और प्रोजेक्ट जिसका पहले नाम लाल बत्ती था, उसकी शूटिंग यूपी में प्रयागराज और लखनऊ में की गई है। आश्रम 4 के चार-पांच एपिसोड पहले ही शूट कर लिए गए थे।

जयदीप अहलावत ने पाताल लोक 2 के कई रहस्य से उठाया पर्दा

पाताल लोक अमेजन प्राइम वीडियो पर सबसे पसंदीदा क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज में से एक है। इस सीरीज का दूसरा भाग पाताल लोक 2 बस कुछ ही दिनों में वापसी कर रहा है। निर्माताओं ने वेब सीरीज का ट्रेलर रिलीज कर प्रशंसकों की उत्सुकता को बढ़ा दिया है। इसी बीच सीरीज में हाथीराम चौधरी की भूमिका से वापसी कर रहे जयदीप अहलावत ने सीरीज के कई रहस्यों से पर्दा उठाया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान जयदीप अहलावत ने कहा कि चार साल के ब्रेक के बाद हाथीराम चौधरी की भूमिका में वापसी करने में उन्हें कोई खास मशक्कत नहीं करनी पड़ी। जयदीप अहलावत ने आगे कहा, सीजन 1 के आखिर तक हाथीराम ने खुद को आजाद महसूस कराया, उसे अपनी पत्नी, बेटे या सहकर्मियों के सामने खुद को साबित करने की जरूरत नहीं थी। वह अब पहले से ज्यादा शांत है और उसने अपनी परिस्थितियों को स्वीकार कर लिया है। आगे जयदीप अहलावत ने कहा, यह एक ऐसी भूमिका है जो मेरे बहुत करीब है और मैंने इसके साथ बहुत सारे यादगार पल बिताए और इसे फिर से निभाना घर वापस जाने जैसा था। सुदीप शर्मा द्वारा निर्मित, पाताल लोक 2, 17 जनवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

धूम 4 में रणबीर कपूर का होगा नया लुक, अगले साल अप्रैल में शुरू होगी शूटिंग!

बड़े पर्दे पर एक बार फिर से धूम मचाने की तैयारी शुरू हो गई है। पहले ही यह खबर आई थी कि रणबीर कपूर बॉलीवुड की इस ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइज की अगली किस्त का हिस्सा होंगे। अब नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगले साल अप्रैल 2026 में इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। रणबीर इन दिनों मुंबई में संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर की शूटिंग कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, धूम 4 के लिए रणबीर कपूर एक नया लुक भी अपनाएंगे। अभी वह लव एंड वॉर के लिए आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ शूटिंग कर रहे हैं। जबकि आगे वह नितेश तिवारी की रामायण में भी भगवान राम के रोल में नजर आने वाले हैं।

धूम 4 में एकदम नए लुक में नजर आएंगे रणबीर कपूर

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, रणबीर कपूर को धूम 4 के लिए एक अलग दिया जाएगा। लिहाजा, इसकी शूटिंग शुरू करने से पहले, वह अपने दो मौजूदा प्रोजेक्ट्स को पूरा करेंगे। धूम 4 अगले साल अप्रैल में फ्लोर पर आ जाएगी। प्रोडक्शन टीम फिलहाल फिल्म के लिए दो लीड एक्ट्रेस और एक विलेन की कास्टिंग में जुटी हुई है।

साउथ सिनेमा से होगा फिल्म का विलेन

बताया जाता है कि फिल्म में विलेन के रोल के लिए किसी साउथ इंडियन सुपरस्टार को कास्ट करने की तैयारी है। बताया जाता है कि सूर्या को इसके लिए अप्रोच किया गया है। यशराज फिल्मस की सुपरहिट धूम फ्रेंचाइज की पहली फिल्म 2004 में रिलीज हुई थी। उसमें जॉन अब्राहम के साथ अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा थे। इसके बाद धूम 2 आई, जिसमें ऋतिक रोशन के साथ अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा थे। जबकि धूम 3 में अभिषेक और उदय के साथ आमिर खान डबल रोल में थे।

अभिषेक और उदय की जगह दो यंग स्टार्स!

बीते साल सितंबर में यह खबर आई थी कि धूम 4 पर आदित्य चोपड़ा की देखरेख में काम शुरू हो चुका है। फिल्म प्री-प्रोडक्शन फेज में है और पिछली तीन फिल्मों की तरह ही धूम 4 की स्क्रिप्ट आदित्य चोपड़ा ने विजय कृष्ण आचार्य के साथ मिलकर तैयार की है। धूम 4 में रणबीर कपूर ग्रे शेड में नजर आएंगे, जो एक रीबूट फिल्म होगी। इस बार फिल्म में अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा की जगह पुलिस वाले दो दोस्तों की जोड़ी नजर आएगी, जिसके लिए यंग जेनरेशन के दो एक्टर्स को कास्ट किया जाएगा।

तृप्ति के फिल्म से बाहर होने को अनुराग बसु ने बताया गलत

फिल्म आशिकी 3 की मेकिंग और रिलीज को लेकर सिनेमा प्रेमियों में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। पहले खबरें आईं कि अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इस फिल्म में नजर आने वाली हैं, फिर उनके नाम को फिल्म से बाहर किए जाने की भी अपडेट सामने आई। आशिकी 3 से तृप्ति के बाहर होने को लेकर अब अनुराग बसु ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

अनुराग बसु ने तृप्ति को लेकर कही ये बात

उन्होंने कहा कि मेकर्स ने फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ किसी अन्य अभिनेत्री को कास्ट करने का सोचा है। उन्हें अभिनेत्री में मासूमियत चाहिए, ऐसे में मेकर्स के हिसाब से तृप्ति इन मानदंडों पर खरी उतरती हैं। आशिकी 3 के निर्देशक अनुराग बसु ने चल रही अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है और मिड-डे से कहा है, यह सच नहीं है। तृप्ति भी यह जानती है।

बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली फिल्में

ऐसे में दो तरह की खबरें चर्चा में हैं। तृप्ति फिल्म का हिस्सा हैं ऐसा अनुराग बसु का कहना है। वहीं, जूम की एक रिपोर्ट की मानें तो आशिकी 3 में तृप्ति को कास्ट किया जाना था। हालांकि, मेकर्स का मानना है कि इस फिल्म में वो सेट नहीं हुईं, इसके कारण फिल्म से उनका नाम बाहर कर दिया गया है। फिल्म एनिमल के बाद तृप्ति लगातार अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। टी सीरीज की ओर से बयान जारी किया गया। इसमें कहा गया कि हम आशिकी के किसी सीक्वल हिस्से पर काम नहीं कर रहे हैं। हम किसी भी चल रही अफवाहों का स्पष्ट रूप से खंडन करते हैं जो यह सुझाव देती हैं कि आशिकी 3 को टी-सीरीज द्वारा किसी अलग शीर्षक के तहत बनाया जा रहा है। अनुराग बसु द्वारा निर्देशित हमारी प्रस्तावित फिल्म न तो आशिकी 3 है और न ही आशिकी फ्रेंचाइजी का हिस्सा है।

इन फिल्मों में नजर आने वाली हैं अभिनेत्री

तृप्ति डिमरी अपनी आगामी फिल्म धड़क 2 को लेकर भी चर्चा में हैं। वहीं, खबरों की मानें तो वे शाहिद कपूर के साथ भी एक फिल्म में नजर आ सकती हैं।

बिग बॉस में पहले से ही तय होते हैं विनर्स!

टीवी का कॉन्ट्रोवर्शियल शो बिग बॉस-18 लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। अब शो धीरे-धीरे अपने फिनाले की ओर बढ़ रहा है। इसी बीच अब टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस सीजन 11 की विनर रह चुकीं शिल्पा शिंदे का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने शो के मेकर्स पर दर्शकों को उल्लू बनाने का आरोप लगाया है। इस वायरल वीडियो में शिल्पा शिंदे कहती हुई नजर आ रही हैं, मुझे नहीं पता, लेकिन कुछ लोगों को यह पता चल गया है कि मेकर्स ही विनर्स तय करते हैं। वे खुद ही चुनते हैं, अपने घर से उठाकर लाते हैं और दिखाते हैं। अब चैनल की जो भी स्ट्रैटजी हो, वह लोगों को भी पता चल गई है, इसलिए लोग अब शो ज्यादा नहीं देख रहे हैं, क्योंकि आप एक हद तक किसी को उल्लू बना सकते हैं।

बिग बॉस 11 जीत चुकी हैं शिल्पा शिंदे

बिग बॉस सीजन 11 में शिल्पा शिंदे और हिना खान के बीच कड़ा मुकाबला था, लेकिन ट्रॉफी शिल्पा शिंदे ने जीती थी। हालांकि उस समय सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना था कि हिना खान ट्रॉफी जीतने की हकदार थीं। बता दें कि बिग बॉस सीजन 18 का ग्रैंड फिनाले 19 जनवरी को होगा।